{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 01 जून 2026
ज्येष्ठ शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 247
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने संभाला नौसेना प्रमुख का कार्यभार

नई दिल्ली । भारतीय नौसेना को अपना 27वां नौसेना प्रमुख मिल गया है। 31 मई को एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक परिसर में आयोजित औपचारिक समारोह में प्रतिष्ठित पद का कार्यभार ग्रहण किया। पद संभालने के बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया, जिसके साथ ही उन्होंने एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी का स्थान लिया, जो उसी दिन सेवा से सेवानिवृत्त हुए। 1 जुलाई 1987 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त करने वाले एडमिरल स्वामीनाथन संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला सहित यूनाइटेड किंगडम स्थित जॉइंट सर्विसेज कमांड एंड स्टाफ कॉलेज और संयुक्त राज्य अमेरिका के नेवल वॉर कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित रक्षा संस्थानों से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। अपने नौसैनिक करियर में, उन्होंने मिसाइल पोत आईएनएस विद्युत और विनाश, मिसाइल कॉर्वेट आईएनएस कुलिश, निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस मैसूर और विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य सहित अनेक महत्वपूर्ण परिचालन इकाइयों की कमान संभाली है।

जनरल सुब्रमणि ने सीडीएस का पदभार संभाला

नई दिल्ली। देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने रविवार को पदभार संभाल लिया। दिल्ली में उन्हें साउथ ब्लॉक लॉन्स में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे देश के तीसरे सीडीएस हैं। उन्होंने जनरल अनिल चौहान की जगह ली है। जनरल चौहान शनिवार को रिटायर हुए थे। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना, वायुसेना, रक्षा मंत्रालय और सभी संबंधित संस्थान देश की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एकजुट हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना में स्वदेशी हथियारों और सैन्य उपकरणों के अपडेशन, उनकी खरीद और इस्तेमाल को तेज किया जाएगा। सेना की ताकत बढ़ाने के लिए नई सोच और नए तरीकों को अपनाया जाएगा।

मेघालय में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप, जानमाल सुरक्षित

ईस्ट गैरो हिल्स। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने रविवार सुबह मेघालय के पश्चिमी खासी हिल्स जिले में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया। सुबह 6:50 बजे आए इन झटकों से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप का केंद्र पश्चिम खासी हिल्स में 10 किलोमीटर की गहराई में था, जो चेरापूंजी से लगभग 77 किलोमीटर डब्ल्यूएनडब्ल्यू दिशा में स्थित था।

कुछ ना कहना

आईपीएल 2026 फाइनल

बेंगलुरु ने 'विराट' अंदाज में जीता अपना दूसरा आईपीएल खिताब

गुजरात को 5 विकेट से हराया; कोहली ने छक्का लगाकर जीत दिलाई, रसिख को 3 विकेट

अहमदाबाद । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के फाइनल में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। पिछले सीजन में पंजाब किंग्स को हराकर टीम पहली बार चैंपियन बनी आरसीबी ने इस बार खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करते हुए नया इतिहास रच दिया।

रविवार को अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 155 रन बनाए। गुजरात के लिए वाशिंगटन सुंदर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद अर्धशतक जड़ा और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। 156 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत संतुलित रही। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने जिम्मेदारी भरी पारी खेलते हुए अर्धशतक लगाया और टीम की जीत की नींव रखी। आरसीबी ने 18 ओवर में पांच विकेट खोकर 161 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

कोहली को जीवनदान

विराट कोहली को 16वें ओवर में जीवनदान मिला। अरशद खान की गेंद पर कोहली का शॉट हवा में गया और शुभमन गिल ने आगे की ओर डाइव लगाकर कैच लेने का दावा किया। मामला थर्ड अंपायर के पास गया, जहां रिप्ले में गेंद का कुछ हिस्सा जमीन को छूता हुआ दिखा। इसके बाद कोहली को नॉट आउट करार दिया गया।

लगातार दूसरी बार बनी चैंपियन

आरसीबी ने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतकर 18 साल के इंतजार को खत्म किया था। इसके बाद 2026 में लगातार दूसरी बार ट्रॉफी जीतकर टीम ने अपनी बादशाहत कायम रखी। आईपीएल इतिहास में यह आरसीबी का दूसरा खिताब है।

पांचवीं बार फाइनल में पहुंची थी आरसीबी

आरसीबी ने आईपीएल इतिहास में कुल पांचवीं बार फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले टीम 2009, 2011, 2016 और 2025 में फाइनल खेल चुकी थी। हालांकि 2009, 2011 और 2016 में उसे हार का सामना करना पड़ा था। 2025 में पहली बार चैंपियन बनने के बाद टीम ने 2026 में भी खिताब जीतकर अपने सुनहरे दौर को आगे बढ़ाया।

ईडी के विशेष निदेशक सत्यव्रत कुमार ने ली स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

कई हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच का किया था नेतृत्व

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के विशेष निदेशक (स्पेशल डायरेक्टर) सत्यव्रत कुमार ने सेवा के लगभग 11 वर्ष शेष रहते हुए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) लेने का फैसला किया है। उनके इस अचानक निर्णय ने प्रशासनिक और जांच एजेंसियों के गलियारों में कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सत्यव्रत कुमार उन अधिकारियों में शामिल रहे हैं, जिन्होंने देश के कई चर्चित आर्थिक अपराध और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की जांच का नेतृत्व किया था। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस- कस्टम एवं अप्रत्यक्ष कर) के 2004 बैच के अधिकारी सत्यव्रत कुमार वर्ष 2013 में मुंबई में संयुक्त निदेशक (जॉइंट डायरेक्टर) के रूप में ईडी में शामिल हुए थे। बाद में उन्होंने मुंबई इकाई के प्रमुख के तौर पर कार्य किया और कई हाई-प्रोफाइल मामलों की जांच का नेतृत्व किया। सितंबर 2024 में उन्हें प्रवर्तन निदेशालय के विशेष निदेशक के रूप में कोलकाता स्थानांतरित किया गया था। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग सिलीगुड़ी में थी। हालांकि, अब उन्होंने अचानक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प चुन लिया है।

नीरव मोदी और मेहुल चोकसी मामले की जांच में अहम भूमिका

सत्यव्रत कुमार की निगरानी में ईडी ने देश के सबसे चर्चित बैंकिंग घोटालों में से एक,

लगभग 12,500 करोड़ रुपये के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले की जांच की थी। इस मामले में हीरा कारोबारी नीरव मोदी और मेहुल चोकसी आरोपी हैं। इसके अलावा उन्होंने भगोड़े कारोबारी विजय माल्या से जुड़े बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के लगभग 9,200 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण घोटाला मामले में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सत्यव्रत कुमार ड्रग तस्कर इकबाल मेमन उर्फ इकबाल मिर्ची से जुड़े आतंक वित्तपोषण मामले की जांच में भी शामिल रहे। इसके अलावा उन्होंने यस बैंक-डीएचएफएल (डीएचएफएल) घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यस बैंक के संस्थापक राणा कपूर के खिलाफ जांच की निगरानी की थी। महादेव ऑनलाइन बुक ऐप से जुड़े अवैध सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुआ मामले की जांच में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह मामला करोड़ों डॉलर के अवैध वित्तीय लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा माना जाता है।

मुंबई में कार्यकाल के दौरान सत्यव्रत कुमार का नाम महाराष्ट्र के कई चर्चित राजनीतिक मामलों में भी सामने आया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता नवाब मलिक की गिरफ्तारी, पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख और शिवसेना सांसद संजय राउत से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की जांच के दौरान भी वे प्रमुख अधिकारियों में शामिल थे।

पहले मिल चुकी थी सेवा विस्तार

साल 2022 में केंद्र सरकार ने उन्हें ईडी में अक्टूबर 2026 तक कार्य करने के लिए सेवा विस्तार दिया था। हालांकि, 2025 में मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने उनका कार्यकाल कम कर उन्हें उनके मूल कैडर, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड में वापस भेजने का फैसला किया था। सत्यव्रत कुमार की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक कारण सामने नहीं आया है। ऐसे में उनके इस फैसले को लेकर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में विभिन्न तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

वेश्यावृत्ति में लगी हर महिला मजबूर नहीं, पुनर्वास से पहले सहमति जरूरी- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में साफ किया है कि वेश्यावृत्ति में संलग्न हर महिला को केवल मजबूर मानकर पुनर्वास केंद्र में भेज देना गलत है। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि कई महिलाएं स्वेच्छा से यौनकर्मि का काम कर रही हैं, और यदि कोई वयस्क महिला अपनी मर्जी से ऐसा कर रही है, तब उसकी इच्छा जाने बिना पुनर्वास केंद्र में भर्ती करना गलत होगा। जस्टिस जे.बी. पारडीवाला और आर. महादेवन की बेंच ने प्रज्वला बनाम भारत सरकार मामले में आवेदन का निपटारा कर यह महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया, जिसका उद्देश्य यौनकर्मियों के पुनर्वास की व्यवस्था को बेहतर बनाना था।

सुप्रीम कोर्ट ने मौजूदा इम्मोरल ट्रैफिक प्रीवेंशन एक्ट, 1956 (आईटीपीए) की धारा 17 को अव्यावहारिक और पुरुषवादी सोच से ग्रस्त बताया। न्यायालय ने टिप्पणी की कि यह कानून सभी सेक्स वर्कर महिलाओं को एक ही नजरिए से देखता है, बिना इस बात का भेद किए कि क्या उन्हें जबरन इस काम में धकेला गया है या वे अपनी इच्छा से इसमें हैं। यह प्रवृत्ति मजिस्ट्रेट के सामने ऐसी महिलाओं को पेश करते समय उनकी वास्तविक स्थिति की अनदेखी करती है।

फैसले में कहा गया है कि यह पूरा विषय महिला के जीवन, स्वतंत्रता और भविष्य से जुड़ा है, और उसकी इच्छा की अनदेखी नहीं हो सकती। मजिस्ट्रेट को महिला से उसकी इच्छा के बारे में अनिवार्य रूप से जानकारी लेनी चाहिए। यदि कोई महिला स्वेच्छा से वेश्यावृत्ति कर रही है और जारी रखना चाहती है, तथा स्थायी संरक्षण या पुनर्वास केंद्र में दाखिल नहीं होना चाहती, तब उस महिला को जाने देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने साफ किया कि महिला से पूछताछ के दौरान मजिस्ट्रेट को अत्यधिक सावधानी बरतनी होगी। उन्हें इस बात से संतुष्ट होना चाहिए कि महिला जो भी कह रही है, वह अपनी मर्जी से कह रही है और उसके बयान के पीछे कोई दबाव या जोर-जबरदस्ती नहीं है। यदि मजिस्ट्रेट संतुष्ट होते हैं कि महिला अपनी इच्छा से वेश्यावृत्ति के काम में है और पुनर्वास नहीं चाहती, तब उस महिला को पुनर्वास केंद्र में नहीं भेजा जाना चाहिए।

साकेत में पांच मंजिला इमारत ढही, दो की मौत और कई घायल

नई दिल्ली । नई दिल्ली के साकेत मेट्रो स्टेशन के पास एक पांच मंजिला इमारत भरभराकर ढह गई, जिसमें दो लोगों की दुखद मौत हुई और कई अन्य घायल है। हादसे के बाद से साउथ दिल्ली के सैदुलाजाब इलाके में बड़े पैमाने पर राहत और बचाव कार्य जारी है। घटना में कुल 10 घायलों को अस्पताल लाया गया। इसमें से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज चल रहा है, जबकि छह अन्य घायलों की स्थिति स्थिर है। अस्पताल प्रशासन ने पुष्टि की कि दो लोगों को मृत अवस्था में ही अस्पताल लाया गया था।

यह इमारत साकेत मेट्रो स्टेशन के पास महरौली थाना इलाके में ढही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इमारत गिरने से कुछ क्षण पहले तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिसके तुरंत बाद धूल और मलबे का विशाल गुबार पूरे इलाके में फैल गया। जिस पांच मंजिला इमारत का ढांचा ढहा, वह एक व्यावसायिक इमारत थी जिसमें कई

दफ्तर थे। गनीमत रही कि शनिवार होने के कारण सभी कार्यालय बंद थे, जिससे एक बड़ी संख्या में लोग इस हादसे की चपेट में आने से बच गए।

ढहती हुई इमारत पास की ही एक दूसरी बिल्डिंग पर जा गिरी, जिसके नीचे बनी कैंटीन में उस वक्त कुछ छात्र खाना खा रहे थे। ये छात्र विदेश से एमबीबीएस करके लौटे थे और भारत की मेडिकल परीक्षा की तैयारी के लिए बगल वाली लाइब्रेरी में पढ़ाई कर रहे थे। कैंटीन पूरी तरह मलबे के ढेर में तब्दील हो गई और वहीं कुछ छात्र दब गए। घटना की जानकारी मिलते ही दिल्ली अग्निशमन सेवा को शाम 7:44 बजे सूचना मिली और तुरंत सात दमकल गाड़ियों सहित पुलिस, एनडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचीं। रातभर चले रेस्क्यू ऑपरेशन में बचाव दलों ने मलबे से 10 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था, लेकिन अन्य लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका को देखकर सर्च ऑपरेशन जारी है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर आसपास के अन्य भवनों की भी जांच शुरू कर दी है ताकि किसी संभावित खतरे का आकलन किया जा सके।

टीएमसी के एक और बड़े नेता पर हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में स्थित चंडीतला पुलिस स्टेशन के बाहर रविवार को राजनीतिक तनाव उस समय बढ़ गया, जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कल्याण बनर्जी ने हमला होने और सिर पर चोट आने की बात कही। सांसद का दावा है कि भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से उन पर पत्थर या किसी भारी बॉल जैसी अन्य वस्तु से हमला किया गया, जिससे उनके सिर में चोट आई है। वहीं भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए इसे राजनीतिक ड्रामा करार दिया है।

जानकारी के अनुसार, कल्याण बनर्जी टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद अभिषेक बनर्जी पर कथित हमले के विरोध में तथा गिरफ्तार पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग को लेकर चंडीतला थाने में ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में टीएमसी समर्थक भी उनके साथ मौजूद थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ज्ञापन सौंपने से पहले ही थाने के बाहर टीएमसी

और भाजपा समर्थकों के बीच नारेबाजी शुरू हो गई। दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि भाजपा समर्थकों की ओर से लगाए गए नारों के बाद स्थिति और अधिक गर्म हो गई।

इसी दौरान कल्याण बनर्जी ने हमले की बात कही और आरोप लगाया कि भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने उन पर वस्तु फेंकी, जो उनके सिर पर लगी। घटना के बाद उन्हें सिर पर भीगा हुआ रूमाल रखे देखा गया। उन्होंने कहा कि वह लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने और ज्ञापन सौंपने जा रहे थे, लेकिन उन पर हमला किया गया। सांसद ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि विपक्षी दलों द्वारा राजनीतिक हिंसा का माहौल बनाया जा रहा है।

टीएमसी पर हमले में 5 गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले में पुलिस ने रविवार को 5 आरोपियों को अरेस्ट किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके से जुटाए गए वीडियो फुटेज के आधार पर रातभर छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा गया। उधर ममता बनर्जी ने भतीजे अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले को साजिश बताया। ममता ने कहा- अभिषेक ने अगर हेलमेट नहीं पहना होता तो उनकी मौके पर जान जा सकती थी। हमले के चलते शरीर में खून के थक्के जम गए थे। हमले के बाद अभिषेक को जब हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया तो अस्पताल प्रशासन पर इलाज न करने का दबाव डाला गया।

सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एटीएफ पर घटाया निर्यात शुल्क

आज से लागू होगी नई दर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाले विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क यानी विंडफॉल टैक्स में कटौती की है। नई दरें एक जून से प्रभावी होंगी। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स को आधा कर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं डीजल पर यह कर घटाकर 13.5 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 9.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है।

अधिसूचना में कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर सड़क एवं अवसंरचना उपकर (रोड एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सेस) शून्य

रहेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू खपत के लिए निकाले जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इसी महीने बढ़ाया था विंडफॉल टैक्स

पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) 16 मई को 3 रुपये प्रति लीटर लगाया गया था। पखवाड़ा समीक्षा के बाद इसे 1 जून से घटाकर 1.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। डीजल के निर्यात पर शुल्क 16.5 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 13.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह एटीएफ पर शुल्क 16 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 9.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। सरकार ने 26 मार्च को डीजल के निर्यात पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर निर्यात शुल्क लगाया था। 11 अप्रैल की समीक्षा में इन्हें बढ़ाकर क्रमशः 55.5 रुपये और 42 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया था। इसके बाद 30 अप्रैल की समीक्षा में इन्हें घटाकर 23 रुपये और 33 रुपये प्रति लीटर किया गया। 16 मई को शुल्क और कम कर क्रमशः 16.5 रुपये और 16 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया था। सरकार ने पश्चिम एशिया में अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष के बीच देश में ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह विंडफॉल टैक्स लगाया था।

रेल यात्रियों को झटका- रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक बंद रहेगी पेंट्रीकार सेवा, भोजन-पानी नहीं मिलेगा

पटना,। ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे ने एक महत्वपूर्ण बदलाव लागू किया है। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने सभी रेलवे जोनों को निर्देश जारी करते हुए रात 11 बजे से सुबह 6 बजे तक पेंट्रीकार सेवा बंद रखने का आदेश दिया है। इस दौरान यात्रियों को पेंट्रीकार से भोजन, नाश्ता, चाय, कॉफी या गर्म पानी जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। आईआरसीटीसी के अनुसार यह फैसला पेंट्रीकार की रसोई, उपकरणों और अन्य सुविधाओं की नियमित सफाई, रखरखाव तथा तकनीकी जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। निर्धारित समयावधि में पेंट्रीकार पूरी तरह बंद रहेगा और किसी प्रकार की खानपान सेवा नहीं दी जाएगी। इस नए नियम का सबसे ज्यादा असर लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों पर पड़ सकता है। खासकर वे यात्री, जिनकी यात्रा रात के समय होती है, उन्हें भोजन और पेय पदार्थों के लिए रेलवे स्टेशनों पर मौजूद अधिकृत स्टॉल या विक्रेताओं पर निर्भर रहना पड़ सकता है। उधर इस फैसले को लेकर यात्रियों और सामाजिक संगठनों ने चिंता भी जताई है। उनका कहना है कि रात में पेंट्रीकार सेवा बंद होने से ट्रेनों में अवैध वेंडरों की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। कई बार ऐसे लोग अधिकृत विक्रेताओं की आड़ में ट्रेनों में चढ़कर खाद्य सामग्री और पानी के लिए यात्रियों से मनमाने दाम वसूलते हैं। यदि रेलवे प्रशासन ने निगरानी नहीं बढ़ाई तो यात्रियों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। जबकि रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निगरानी व्यवस्था की जाएगी, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो और सफर के दौरान यात्रियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

कचरे के ढेर में मिला मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति का शव

10 वर्षो से मानसिक बीमारी से जूझ रहा था श्याम, लू और भीषण गर्मी से मौत की आशंका

कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच, पीएम रिपोर्ट का इंतजार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और नौतपा के बीच रविवार को शहर के इतवारी मंडी क्षेत्र से एक दुखद घटना सामने आई। यहां एक मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति का शव कचरे के ढेर में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर कोतवाली पुलिस तत्काल घटनास्थल पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। बाद में शव को जिला अस्पताल पहुंचाकर पंचनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्रवाई कराई गई। पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान श्यामकुमार पिता गौतु मेश्राम (58 वर्ष) निवासी जयप्रकाश कॉलोनी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रविवार सुबह इतवारी गंज कॉम्प्लेक्स के समीप स्थित कचरे के ढेर के पास लोगों ने एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। जब लोगों ने नजदीक जाकर देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके

पर पहुंची और जांच शुरू की।

जानकारी के अनुसार श्यामकुमार मेश्राम पहले सब्जी मंडी क्षेत्र में हमाली का कार्य करते थे और मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। हालांकि बीते लगभग दस वर्षों से वे मानसिक बीमारी से पीडि़त थे। धीरे-धीरे उनकी मानसिक स्थिति बिगड़ती चली गई और वे सामान्य जीवन नहीं जी पा रहे थे। परिजनों के अनुसार मानसिक बीमारी के कारण वे अक्सर घर से निकल जाते थे और शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भटकते रहते थे। कई बार उन्हें खोजकर वापस घर लाना पड़ता था। मृतक के रिश्तेदार रूपेश कुमार फुलोके ने बताया कि श्यामकुमार मूल रूप से खुटिया गांव के निवासी थे, लेकिन लंबे समय से बालाघाट शहर में रह रहे थे। उन्होंने बताया कि परिवार ने उनका काफी इलाज भी कराया, लेकिन उनकी मानसिक स्थिति में विशेष सुधार नहीं हो सका। मानसिक बीमारी के कारण उनका अधिकांश समय घर से बाहर ही बीतता था। रूपेश के अनुसार श्यामकुमार के परिवार में उनकी पत्नी, दो विवाहित पुत्रियां और एक अविवाहित पुत्र हैं। परिवार आर्थिक और मानसिक दोनों रूप से लंबे समय से इस स्थिति का सामना कर रहा था। परिजनों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से जिले में अत्यधिक गर्मी पड़ रही है और तापमान लगातार बढ़ा हुआ है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि श्यामकुमार को समय पर पानी नहीं मिला होगा या फिर तेज धूप और लू के कारण उनकी तबीयत बिगड़ गई होगी। मानसिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण वे स्वयं भी अपनी देखभाल ठीक ढंग से नहीं कर पाते थे, जिससे उनकी स्थिति और अधिक गंभीर हो गई होगी। मृतक की पत्नी सुनीता मेश्राम ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनके पति लंबे समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ थे और अक्सर घर से निकलकर अलग-अलग स्थानों पर चले जाते थे। उन्होंने बताया कि कई बार परिवार के सदस्य उन्हें ढूंढकर वापस घर लाते थे, लेकिन कुछ समय बाद वे फिर निकल जाते थे। उन्होंने आशंका जताई कि भीषण गर्मी और लू के चलते ही उनके पति की मौत हुई होगी। हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही हो सकेगी। यदि रिपोर्ट में किसी अन्य कारण का उल्लेख सामने आता है तो उस आधार पर भी जांच आगे बढ़ाई जाएगी। मामले की जांच कर रहे कोतवाली थाना के एएसआई भुनेश ठाकरे ने बताया कि पुलिस को इतवारी गंज मंडी क्षेत्र में शव पड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर जिला अस्पताल भिजवाया गया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक परिस्थितियों को देखते हुए गर्मी और लू के कारण मौत होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन अंतिम निष्कर्ष पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगा। फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। गौरतलब है कि जिले में इन दिनों नौतपा का असर देखने को मिल रहा है। तापमान लगातार 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। विशेष रूप से वृद्ध, बीमार, मानसिक रूप से अस्वस्थ और खुले स्थानों पर रहने वाले लोगों के लिए यह मौसम काफी खतरनाक साबित हो रहा है। चिकित्सक भी लगातार लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर नहीं निकलने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और लू से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दे रहे हैं।

पेयजल संकट के बीच नपा सख्त, वाहन वॉशिंग सेंटरों को नोटिस, धुलाई पर रोक के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट शहर में लगातार गहराते पेयजल संकट को देखते हुए नगरपालिका प्रशासन ने पानी के दुरुपयोग पर सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में रविवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) सूर्यप्रकाश उके एवं नगर पालिका इंजीनियर सुश्री ज्योति मेश्राम ने शहर के विभिन्न वाहन वॉशिंग सेंटरों का निरीक्षण किया और संचालकों को तत्काल प्रभाव से वाहन धुलाई का कार्य बंद रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान बस स्टैंड क्षेत्र एवं बैहर रोड स्थित वाहन वॉशिंग सेंटरों का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने संचालकों को समझाइश देते हुए कहा कि वर्तमान में भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है, जिसके कारण शहर में पेयजल की समस्या गंभीर होती जा रही है। ऐसी स्थिति में व्यावसायिक गतिविधियों के लिए बड़ी मात्रा में पानी का उपयोग करना उचित नहीं है।

सीएमओ श्री सूर्यप्रकाश उके ने स्पष्ट किया कि सभी वाहन वॉशिंग सेंटर संचालकों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं तथा उन्हें आगामी आदेश तक वाहन धुलाई का कार्य बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी

सेंटर में निर्देशों के बावजूद वाहन धुलाई करते हुए पाया गया तो संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

नगरपालिका प्रशासन ने बताया कि शहर में जल संरक्षण को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। नलों से मोटर पंप लगाकर पानी खींचने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है। कई स्थानों से अवैध रूप से उपयोग किए जा रहे मोटर पंप जब्त किए गए हैं तथा नागरिकों को पेयजल का दुरुपयोग नहीं करने की चेतावनी दी गई है।

नगरपालिका ने शहरवासियों से अपील की है कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए पानी का उपयोग अत्यंत सावधानी और आवश्यकता के अनुसार करें। नल का पानी व्यर्थ बहाने से बचें तथा जल संरक्षण में प्रशासन का सहयोग करें, ताकि सभी नागरिकों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

नगरपालिका अधिकारियों का कहना है कि गर्मी के मौसम में जल स्रोतों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए जल संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसी उद्देश्य से पानी के अनावश्यक उपयोग पर निगरानी रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अब फिल्म शूटिंग की अनुमति देंगे एडीएम-एसडीएम

नई फिल्म पर्यटन नीति-2025 के तहत अनुमति प्रक्रिया हुई आसान, सिंगल विंडो सिस्टम से मिलेगा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस

भोपाल। मप्र सरकार ने प्रदेश को देश के अग्रणी फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। नई फिल्म पर्यटन नीति-2025 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिलों में अतिरिक्त कलेक्टर (एडीएम) और अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) स्तर के अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया जा रहा है। इन अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि फिल्म निर्माताओं को शूटिंग की अनुमति समयबद्ध और सरल तरीके से उपलब्ध कराई जाए। सरकार का मानना है कि अनुमति प्रक्रिया में अनावश्यक देरी फिल्म उद्योग को हतोत्साहित करती है। इसलिए जिला स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया को विकेंद्रीकृत कर प्रशासनिक बाधाओं को कम करने का प्रयास किया गया है।

मप्र फिल्म पर्यटन नीति-2025 का मुख्य उद्देश्य राज्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं की पहली पसंद बनाना है। इसके साथ ही फिल्म उद्योग के माध्यम से निवेश आकर्षित करना, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाना और पर्यटन को नई गति देना भी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश सरकार का मानना है कि फिल्म शूटिंग से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलता है, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक धरोहरों का प्रचार-प्रसार भी वैश्विक स्तर पर होता है।

वेब पोर्टल और सिंगल विंडो सिस्टम से आसान होगी प्रक्रिया

फिल्म पर्यटन नीति के तहत फिल्म निर्माताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष वेब पोर्टल आधारित फिल्म सेल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से शूटिंग अनुमति, लोकेशन संबंधी जानकारी और अन्य आवश्यक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएंगी। विशेष बात यह है कि इस पोर्टल को भारत सरकार के फिल्म सुविधा मंच इंडिया सिने हब के साथ भी एकीकृत किया गया है। इससे विदेशी और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के लिए मप्र में शूटिंग की प्रक्रिया और अधिक आसान एवं पारदर्शी हो जाएगी। साथ ही सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया गया है, जिसके तहत विभिन्न विभागों से अलग-अलग अनुमति लेने की आवश्यकता कम होगी और एकीकृत व्यवस्था के माध्यम से आवश्यक स्वीकृतियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

राष्ट्रीय स्तर पर मिल चुकी है पहचान

फिल्म निर्माण के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने के कारण मप्र को वर्ष 2022 में मोस्ट फिल्म-फ्रेंडली स्टेट का राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है। राज्य सरकार की प्रोत्साहन नीति के तहत अब तक 15 हिंदी फिल्मों, दो तेलुगु फिल्मों और छह वेब सीरीज को 30 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय अनुदान प्रदान किया गया है। इससे फिल्म उद्योग में प्रदेश की स्वीकार्यता लगातार बढ़ी है और बड़ी प्रोडक्शन कंपनियां यहां शूटिंग के लिए रुचि दिखा रही हैं।

फिल्मों और वेब सीरीज की पसंदीदा लोकेशन बना मप्र

पिछले कुछ वर्षों में मप्र कई चर्चित फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग का प्रमुख केंद्र रहा है। प्रमुख फिल्म और वेब सीरीज परियोजनाओं में स्त्री-1 व स्त्री-2, भूल-भुलैया-3, सुई-धागा, लापता लेडीज, द रेलवे मैन, पैडमैन, धड़क-2, पंचायत, कोटा फैक्ट्री, गुल्लक और सिटाडेल आदि शामिल हैं। प्रदेश में मौजूद प्राकृतिक सौंदर्य और अन्य संसाधनों से फिल्म-शूटिंग का क्रेज बढ़ रहा है।

प्राकृतिक सौंदर्य और वन्यजीव बन रहे आकर्षण

मप्र की भौगोलिक विविधता और प्राकृतिक संपदा फिल्म निर्माताओं को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। यहां के जंगल, ऐतिहासिक धरोहरें, नदी-घाटियां, झीलें और ग्रामीण परिवेश फिल्मों के लिए विविध लोकेशन उपलब्ध कराते हैं। प्रदेश वन्यजीव पर्यटन के लिए भी देशभर में विशेष पहचान रखता है। यहां बाघ, चीता, तेंदुआ, घड़ियाल और गिद्ध जैसी महत्वपूर्ण प्रजातियां प्राकृतिक आवास में देखी जा सकती हैं। श्योपुर क्षेत्र में चीतों की मौजूदगी और राजधानी भोपाल के आसपास बाघों की गतिविधियां भी चर्चा का विषय रही हैं। मप्र को देश का टाइगर स्टेट माना जाता है और यहां लगातार नए टाइगर रिजर्व विकसित किए जा रहे हैं। यही कारण है कि वन्यजीव आधारित वृत्तचित्रों, फिल्मों और वेब सीरीज के लिए भी प्रदेश आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन रहा है।

वारा के ग्रामीणों ने रामचंदानी उष्णा प्लांट पर कार्यवाही करवाने विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम वारा में रामचंदानी उष्णा प्लांट से फैल रहे प्रदूषण की शिकायत लेकर रविवार को सैकड़ों ग्रामीण जनसंपर्क कार्यालय पहुंचकर विधायक विवेक पटेल से उष्णा प्लांट के मालिक पर कार्यवाही करने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि रामचंदानी राइस मिल में स्थित उष्णा प्लांट से सभी लोग परेशान है। जिससे अत्यधिक काली डस्ट एवं जहरीला पानी निकलता है जो कि आमजन एवं पशुओं के लिए मौत का कारण बना हुआ है। इस धूल से बच्चे,माताएं बहने के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। प्लांट से निकलने वाला जहरीला पानी पशु एवं खेती के लिए जहर साबित हो रहा है।

धोखे में रखकर उष्णा प्लांट किया तैयार-ग्रामीणजन

ग्राम वारा के ग्रामीणों ने बताया कि मैं रामचंदानी के द्वारा राइस मिल खोला गया था जिसके पश्चात उन्होंने उष्णा प्लांट भी स्थापित कर लिया उन्होंने ग्रामीणों को धोखे में रखकर उष्णा प्लांट बनाया है। हमें

पता ही नहीं चला कि रामचंदानी ग्रामीणों की मौत का प्लांट तैयार कर रहे है। ग्राम में बीमारी के कारण कुछ लोगों की मौत भी हो चुकी है तेज हवा चलती है चिमनी से निकलने वाली धूल आमजनों के आंखो के अत्यधिक चुम्भन होती है। वहीं प्लांट से निकलने वाला छिलका प्लांट के पीछे ही फेंका जाता है। अगर मिल मालिक के उपर कार्यवाही नही की जाती है तो उग्र आंदोलन भी किया जायेगा।

शिकायत की थी उसके बाद भी नहीं हुई कार्यवाही-प्रदीप पटले

वारा निवासी प्रदीप पटले ने बताया कि रामचंदानी के द्वारा राइस मिल खोली गई थी। मगर ग्रामीणों को धोखे में रखकर पिछले पांच वर्षों से उष्णा प्लांट खोला गया गया है। प्लांट से ही काली धूल उड़ती है जिससे आंखे खराब हो रही है दूषित जल से पशुओं की मौत हो रही है। उष्णा प्लांट जहर का प्लांट बन गया है मिल मालिकों के खिलाफ एसडीएम,थाना प्रभारी को अवगत करा चुका था कोई कार्यवाही नहीं हुई। हमने विधायक विवेक पटेल को ज्ञापन सौंपा है देखते है विधायक क्या कार्यवाही करवाते है। हमारी मांग है कि प्लांट को बंद करके रामचंदानी पर कार्यवाही की जाए।

अधिकारियों से चर्चा कर समाधान किया जायेगा-विवेक पटेल

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि मुझे ग्रामीणों ने शिकायत किया है कि ग्राम वारा में रामचंदानी के द्वारा उष्णा प्लांट संचालित किया जा रहा है। अधिकारियों को शिकायत के बाद भी कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। हमने उन्हें आश्वस्त किया है अधिकारियों से चर्चा कर जल्द से जल्द कार्यवाही कर समाधान निकाला जायेगा। इस दौरान प्रणय धार्मिक, मनीष पारधी, विनय तूरकर, धमेन्द्र पचौरी, जगदीश मानेश्वर, राजेश सार्वे,महेश बाहेश्वर,देवानंद बाहेश्वर, विनय बिसेन,ज्ञानचंद पटले, परदेशी पचौरी, युवराज पचौरी, महेश बारेकर, कृष्णकुमार मानेश्वर, दीपक पटले,लक्ष्मीचंद पटले,सुखदयाल बाहेश्वर, गुरुदयाल बाहेश्वर, सूर्यप्रकाश मात्रे, बसंत पुसाम,नितेश केकते,विक्की वासनिक मौजूद रहे।

इनका कहना है

ग्रामीणों के द्वारा पूर्व में भी शिकायत की गई थी अधिकारियों के द्वारा जांच भी की गई। जिसमें पूर्ण रूप से जांच सही पाई गई उष्णा प्लांट से निकलने वाले डस्ट और पानी मिल के पिछे स्वयं की खेती में ही जाता है जिसमें किसानों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी का सामना नही करना पड़ता है सभी आरोप निराधार है।

दीपक रामचंदानी
राईस मिल संचालक

मप्र में जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र की संख्या होगी दोगुनी

बांधवगढ़, कान्हा और पेंच को बायोस्फीयर रिजर्व घोषित करने का प्रस्ताव

भोपाल । मप्र जल्द ही देश का सबसे अधिक बायोस्फीयर रिजर्व (जीवमंडल आरक्षित क्षेत्र)वाला राज्य बन सकता है। राज्य सरकार ने वन एवं जैव विविधता संरक्षण को नई मजबूती देने के लिए तीन नए वन क्षेत्रों को बायोस्फीयर रिजर्व घोषित करने की दिशा में पहल शुरू कर दी है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश में बायोस्फीयर रिजर्व की संख्या तीन से बढ़कर छह हो जाएगी। इससे न केवल वन्यजीव संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी नई पहचान प्राप्त होगी।

वर्तमान में मप्र में तीन प्रमुख बायोस्फीयर रिजर्व हैं, जिनमें पचमढ़ी, पन्ना और अचानकमार-अमरकंटक शामिल हैं। अब राज्य पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को) ने बांधवगढ़, कान्हा और पेंच टाइगर रिजर्व क्षेत्रों को भी बायोस्फीयर रिजर्व घोषित करने का प्रस्ताव तैयार किया है। यह प्रस्ताव राज्य शासन के माध्यम से केंद्र के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा जा रहा है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद इन क्षेत्रों को यूनेस्को की विश्व बायोस्फीयर रिजर्व सूची में शामिल कराने का भी प्रयास किया जाएगा। यदि ऐसा होता है तो प्रदेश को वैश्विक स्तर पर जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में विशेष पहचान मिलेगी।

जैव विविधता से भरपूर हैं प्रस्तावित क्षेत्र

एप्को द्वारा तैयार रिपोर्ट में बताया गया है कि बांधवगढ़, कान्हा और पेंच के कोर एवं बफर क्षेत्रों में जैव विविधता अत्यंत समृद्ध है। यहां दुर्लभ वनस्पतियां, वन्यजीव और कई संवेदनशील प्रजातियां पाई जाती हैं। इन क्षेत्रों में प्राकृतिक संसाधनों और स्थानीय समुदायों के बीच संतुलित संबंध भी देखने को मिलता है। रिपोर्ट के अनुसार इन वन क्षेत्रों में लंबे समय से वैज्ञानिक अध्ययन और शोध कार्य भी किए जा रहे हैं। बायोस्फीयर रिजर्व का कोर क्षेत्र सबसे अधिक संरक्षित माना जाता है, जहां मानवीय गतिविधियां अत्यंत सीमित रहती हैं, जबकि बफर क्षेत्र में नियंत्रित संरक्षण और विकास गतिविधियों की अनुमति होती है।

संरक्षण और विकास दोनों को मिलेगा लाभ

विशेषज्ञों का मानना है कि बायोस्फीयर रिजर्व घोषित होने से दुर्लभ वनस्पतियों, वन्यजीवों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को अतिरिक्त मजबूती मिलेगी। साथ ही ये क्षेत्र वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों के लिए अध्ययन और अनुसंधान के महत्वपूर्ण केंद्र बन सकेंगे। इसके अलावा केंद्र और राज्य सरकारों से संरक्षण एवं विकास के लिए विशेष योजनाएं तथा अतिरिक्त बजट मिलने की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी। यदि यूनेस्को की सूची में स्थान मिलता है तो अंतरराष्ट्रीय सहयोग, तकनीकी सहायता और वित्तीय समर्थन भी उपलब्ध हो सकता है।

इको-टूरिज्म को मिलेगा नया आयाम

बायोस्फीयर रिजर्व का दर्जा मिलने से प्रदेश में इको-टूरिज्म को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। बांधवगढ़, कान्हा और पेंच पहले से ही वन्यजीव पर्यटन के प्रमुख केंद्र हैं। नई मान्यता मिलने के बाद यहां पर्यटकों की संख्या बढ़ने की संभावना है, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। विशेष रूप से आदिवासी समुदायों को पर्यटन आधारित गतिविधियों से लाभ मिलेगा। साथ ही उनकी पारंपरिक संस्कृति, जीवनशैली और स्थानीय ज्ञान प्रणाली के संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल जल संरक्षण, जलवायु संतुलन और हरित क्षेत्रों के विस्तार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

देश में सबसे आगे होगा मप्र

वर्तमान में भारत में कुल 18 बायोस्फीयर रिजर्व हैं, जिनमें से तीन मप्र में स्थित हैं। यदि बांधवगढ़, कान्हा और पेंच को भी यह दर्जा मिल जाता है तो प्रदेश में इनकी संख्या छह हो जाएगी। इसके साथ ही मप्र देश का सबसे अधिक बायोस्फीयर रिजर्व वाला राज्य बन जाएगा। वन संपदा की दृष्टि से समृद्ध मप्र पहले ही बाघों की संख्या और वन्यजीव विविधता के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है। यहां बाघ, तेंदुआ, भालू, गिद्ध सहित अनेक दुर्लभ प्रजातियों का प्राकृतिक आवास मौजूद है। नए बायोस्फीयर रिजर्व बनने से इन प्रजातियों के संरक्षण और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के प्रयासों को और अधिक मजबूती मिलेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल केवल वन्यजीव संरक्षण तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता, स्थानीय विकास और सतत पर्यटन के क्षेत्र में भी मप्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक साबित होगी।

खत्म होगा 10 साल का इंतजार!

भोपाल। पदोन्नति नियम-2025 को लेकर हाई कोर्ट जबलपुर अगले सप्ताह निर्णय सुना सकता है। मामले की सुनवाई पूरी हो चुकी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने इसी वर्ष 17 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि 90 दिन से अधिक समय तक फैसला सुरक्षित नहीं रखा जाना चाहिए। उधर, निर्णय नहीं आने के कारण प्रदेश में न तो नियुक्तियों की प्रक्रिया आगे बढ़ पा रही है और न ही पदोन्नतियां हो रही हैं। उल्लेखनीय है कि 2016 में उच्च न्यायालय द्वारा पदोन्नति में आरक्षण संबंधी 2002 का नियम निरस्त किए जाने के बाद पदोन्नतियां बंद हैं।

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

ससुराल से मायके जाने निकली महिला, ना मायके पहुंची और ना लौटी ससुराल

अब महिला को खोज रही है किरनापुर पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम दता निवासी एक 29 वर्षीय महिला बीते 17 मई से लापता है। महिला अपने मायके ग्राम बरसोला जाने कहकर घर से निकली थी।लेकिन न तो मायके पहुंची और न ही वापस अपने ससुराल लौटी। मामले में किरनापुर पुलिस ने लापता महिला मनवंती पति बारकलाल पाचे को गुम इंसान कायम कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मनवंती पांचे का मायका ग्राम ग्राम बरसोला का है। वर्ष 2017 में उसका विवाह ग्राम दता निवासी बारकलाल पाचे के साथ हुआ था। विवाह के बाद वह अपने पति और दो पुत्रों के साथ ग्राम दता में रह रही थी।बताया गया है कि 17 मई 2026 को दोपहर करीब 12 बजे मनवंती अपने पति को यह बताकर घर से निकली थी कि वह अपने पिता सहजलाल जामरे के घर ग्राम बरसोला धान काटने जा रही है। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह वापस घर नहीं लौटी, तब उसके पति ने मायके पहुंचकर जानकारी ली। वहां उसके सास ससुर ने बताया कि मनवंती उनके घर आई ही नहीं थी।इसके बाद परिजनों ने आसपास के गांवों, रिश्तेदारों तथा परिचितों के यहां उसकी तलाश की।लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। अंततः मामले की सूचना किरनापुर थाना में दी गई।लापता महिला मनवंती का हुलिया रंग सांवला, कद लगभग 5 फीट, चेहरा गोल वह घर से जाते समय हरे रंग की साड़ी पहनी है।पति बारकलाल पाचे की रिपोर्ट पर किरनापुर पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 46/2026 दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी हैकिरनापुर पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि उक्त महिला कहीं दिखाई दे या उसके संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा थाना किरनापुर को सूचित करें, ताकि उसे सुरक्षित परिजनों तक पहुंचाया जा सके।

रबी में धान का रकबा घटा, जल संरक्षण की ओर बढ़ रहे किसान

पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 13 प्रतिशत कम क्षेत्र में हुई धान की खेती, कृषि विभाग ने बताया सकारात्मक संकेत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में रबी सीजन समाप्त होने के साथ ही खेती के आंकड़ों ने राहत भरी तस्वीर सामने रखी है। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष किसानों ने रबी मौसम में धान की खेती का रकबा कम किया है। कृषि विभाग के अनुसार बीते वर्ष जिले के लगभग 46 प्रतिशत किसानों ने रबी सीजन में धान की फसल लगाई थी, जबकि इस वर्ष यह आंकड़ा घटकर करीब 33 प्रतिशत रह गया है। कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी राजेश खोबरागड़े ने बताया कि विभाग द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाकर किसानों को कम पानी वाली फसलों को अपनाने की सलाह दी जा रही है। इसी का असर है कि इस वर्ष किसानों ने लगभग 13 प्रतिशत कम क्षेत्र में रबी धान की खेती की है। उन्होंने कहा कि भूजल संरक्षण और सिंचाई संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए किसानों को वैकल्पिक एवं कम पानी वाली फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभाग का मानना है कि रबी में धान का रकबा कम होना जल संरक्षण की दिशा में सकारात्मक कदम है। आने वाले वर्षों में भी किसानों को दलहन, तिलहन और अन्य कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों की खेती के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि जल संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। कृषि अधिकारियों का कहना है कि यदि इसी तरह किसानों का रुझान बदलता रहा तो भविष्य में जिले में जल संकट की स्थिति को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा। विभाग द्वारा आगामी खरीफ और रबी सीजन के लिए भी किसानों को वैज्ञानिक खेती और जल संरक्षण आधारित फसल चक्र अपनाने की सलाह दी जा रही है।

जिले में पिछले कई वर्षों से किसान खरीफ के साथ-साथ रबी सीजन में भी बड़े पैमाने पर धान की खेती करते रहे हैं। जिले की भौगोलिक परिस्थितियों, भूमि में अधिक नमी और किसानों की पारंपरिक खेती पद्धति के कारण रबी मौसम में भी धान प्रमुख फसल बनी हुई थी। हालांकि लगातार धान की खेती के कारण भूजल स्तर पर पड़ रहे दुष्प्रभाव और जल संकट की आशंकाओं को देखते हुए इस वर्ष कृषि विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर किसानों को रबी में धान की बजाय कम पानी वाली फसलें लेने के लिए प्रेरित किया गया। इसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगा है। कृषि विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष रबी सीजन में धान का रकबा लगभग 13 प्रतिशत कम हुआ है। जहां वर्ष 2025 में जिले के करीब 46 प्रतिशत किसानों ने रबी मौसम में धान की खेती की थी, वहीं वर्ष 2026 में यह आंकड़ा घटकर लगभग 33 प्रतिशत रह गया है। विभाग इसे जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मान रहा है। जानकारों का कहना है कि बालाघाट जिले में बड़ी संख्या में किसान धान को ही सबसे सुरक्षित और लाभदायक फसल मानते हैं। इसके चलते कई किसान वर्ष में दो बार धान की खेती करते हैं। लेकिन लगातार धान उत्पादन के लिए अधिक मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है, जिससे भूमिगत जल का दोहन बढ़ता है। पिछले कुछ वर्षों में इसका प्रभाव भी देखने को मिला है। कई क्षेत्रों में जलस्तर लगातार नीचे गया और गर्मी के मौसम में पेयजल संकट जैसी स्थिति निर्मित हो गई थी। विशेष रूप से पिछले वर्ष जिले के कई ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की गंभीर समस्या सामने आई थी। धान की फसल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। कई स्थानों पर किसानों ने पानी की मांग को लेकर आंदोलन, चक्काजाम और विरोध प्रदर्शन भी किए थे। जल संकट को देखते हुए प्रशासन और कृषि विभाग ने इस वर्ष पहले से ही रणनीति तैयार कर किसानों को वैकल्पिक फसलों की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया। कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी राजेश खोबरागड़े ने बताया कि विभाग लगातार किसानों को जागरूक कर रहा है कि वे रबी मौसम में धान की जगह ऐसी फसलें लें जिनमें पानी की आवश्यकता कम होती है। उन्होंने कहा कि चना, मसूर, गेहूं, तिलहन और अन्य कम पानी वाली फसलें किसानों के लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकती हैं। इससे न केवल पानी की बचत होगी बल्कि भूमि की उर्वरता भी बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि विभाग का लक्ष्य आने वाले वर्षों में रबी सीजन में धान के रकबे को और कम करना है। इसके लिए किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को यह समझाया जा रहा है कि जल संरक्षण केवल प्रशासन की नहीं बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि लगातार एक ही फसल लेने से भूमि की उत्पादकता प्रभावित होती है। फसल चक्र अपनाने से मिट्टी की गुणवत्ता बनी रहती है और उत्पादन में भी स्थिरता आती है। साथ ही भूजल संरक्षण में भी मदद मिलती है। इस वर्ष जिले में अब तक पानी की कमी को लेकर कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। कृषि विभाग का मानना है कि रवि सीजन में धान का रकबा कम होने से भूजल पर दबाव घटा है और इसका लाभ आने वाले समय में भी देखने को मिलेगा। विभाग का कहना है कि यदि किसान इसी प्रकार कम पानी वाली फसलों को अपनाते हैं तो भविष्य में जिले को जल संकट जैसी परिस्थितियों से बचाया जा सकता है। साथ ही कृषि उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाकर टिकाऊ खेती की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया जा सकेगा।

पत्नी से विवाद के बाद किसान ने पीया कीटनाशक, जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। पत्नी से झगड़ा मारपीट करने के बाद एक व्यक्ति ने कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। जिसकी जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई ।मृतक सुरेश मरकाम पिता टेकसिंह मरकाम 40 वर्ष ग्राम खुर्सीपार थाना बिरसा निवासी बताया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेश मरकाम खेती-किसानी का कार्य करता था। उसके परिवार में पत्नी खुशमारेन मरकाम 35 वर्ष, 13 वर्षीय पुत्र साहिल मरकाम तथा 9 वर्षीय पुत्री संजना मरकाम हैं। बताया जाता है कि सुरेश शराब पीने का आदी था और नशे की हालत में अक्सर पत्नी व बच्चों के साथ विवाद और मारपीट करता था। बताया गया है कि 28 मई की दोपहर करीब 2 बजे सुरेश शराब के नशे में घर पहुंचा और पत्नी तथा बच्चों के साथ विवाद करते हुए लकड़ी से मारपीट करने लगा। इससे भयभीत होकर पत्नी खुशमारेन अपने दोनों बच्चों को लेकर जेठ सास सुनीता के घर चली गई थी जहां उन्होंने रात बिताई।अगले दिन 29 मई की सुबह खुशमारेन बच्चों को लेकर अपने देवर लालू मरकाम के घर चली गई थी। जब सुरेश को इसकी जानकारी मिली तो वह वहां भी पहुंच गया और पत्नी के साथ फिर मारपीट की। इस दौरान देवर ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।जिसके बाद सुरेश वहां से चला गया।कुछ समय बाद खुशमारेन ने अपने देवर को सुरेश की जानकारी लेने भेजा। घर पहुंचने पर सुरेश की हालत बिगड़ी हुई मिली। पूछताछ में उसने बताया कि उसने कीटनाशक दवा का सेवन कर लिया है। इसके बाद परिजन तत्काल उसे निजी एंबुलेंस से बिरसा अस्पताल लेकर पहुंचे।जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया था। 29 मई की रात करीब 8 बजे सुरेश मरकाम को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया था। यहां उपचार के दौरान 31 मई की सुबह करीब 6 बजे उसकी मौत हो गई।जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की डायरी अग्रिम जांच एवं कार्रवाई के लिए संबंधित बिरसा थाना भेज दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

गढ़वाल समाज मंडल भरवेली की नई टीम ने संभाली कमान

हीरा ब्रम्हे बने अध्यक्ष, निकेश चंदेले उपाध्यक्ष, समाज सेवा और संगठन सशक्तिकरण का लिया संकल्प

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल सर्कल भरवेली की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में नव निर्वाचित अध्यक्ष हीरा ब्रम्हे, उपाध्यक्ष निकेश चंदेले सहित कार्यकारिणी के सदस्यों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। भरवेली स्थित सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, महिलाएं, युवा और बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद अतिथियों और नव निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और कार्यकारिणी सदस्यों को समाज के विकास, सामाजिक समरसता, संगठन की मजबूती और सेवा भावना के साथ कार्य करने की शपथ दिलाई। इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने समाज की एकता बनाए रखने तथा नई पीढ़ी को संगठन से जोड़ने का संकल्प दोहराया। नव निर्वाचित अध्यक्ष हीरा ब्रम्हे ने समाजजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया जाएगा। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक जागरूकता, सांस्कृतिक संरक्षण और युवा सशक्तिकरण को प्राथमिकता बताते हुए समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की बात कही। उपाध्यक्ष निकेश चंदेले ने कहा कि वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन और युवाओं के सहयोग से संगठन को नई दिशा देने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने समाज के युवाओं से संगठनात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। समारोह में वक्ताओं ने समाज की एकता को सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए नवगठित टीम को शुभकामनाएं दीं। समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिनिधियों ने संगठनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने, जरूरतमंद परिवारों की सहायता करने और सामाजिक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान समाज सेवा, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई समाजजनों का सम्मान भी किया गया। वहीं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। समारोह के अंत में सभी समाजजनों ने संगठन को मजबूत बनाने और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

नाबालिग लड़की के अपहरण के आरोप में छत्तीसगढ़ राज्य का एक युवक गिरफ्तार

बिरसा पुलिस की कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना पुलिस ने एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने के आरोप में छत्तीसगढ़ राज्य के एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी इतलेश साहू पिता गयाराम साहू वार्ड क्रमांक 19 भाटापारा खैरबनाकला थाना कोतवालीपुरा जिला कबीरधाम (छत्तीसगढ़) निवासी बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 मई की रात बिरसा थाना क्षेत्र के एक गांव से 17 वर्षीय नाबालिग लड़की बिना किसी को बताए घर से चली गई थी। परिजनों ने उसकी रिश्तेदारी सहित आसपास के कई गांवों में तलाश किये लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला।इसी दौरान परिजनों को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से सूचना मिली कि नाबालिग लड़की इतलेश साहू के घर ग्राम भाटापारा में मौजूद है। सूचना मिलने पर लड़की के परिजन 29 मई को वहा पहुंचे और उसे अपने साथ वापस घर ले आए।परिजनों द्वारा लड़की से पूछताछ किए जाने पर मामले की जानकारी सामने आई। आरोप है कि इतलेश साहू ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया था। इसके बाद परिजनों ने बिरसा थाना में शिकायत दर्ज कराई थी।शिकायत के आधार पर बिरसा पुलिस ने आरोपी इतलेश साहू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अपराध दर्ज कर इतलेश साहू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

भगवान श्रीकृष्ण ही जीवों के सच्चे प्रियतम - ब्रज किन्नरी देवी जी

पुरुषोतम मास में दिव्य प्रवचन एवं संकीर्तन, महाआरती में उमड़ा भक्तों का उत्साह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर पंचम मूल जगद्गुरु श्री कृपालु जी महाराज की कृपा पात्र वरिष्ठ प्रचारिका सुश्री ब्रज किन्नरी देवी द्वारा आयोजित दिव्य आध्यात्मिक प्रवचन एवं रसमय संकीर्तन के छठवें दिन भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्ति का संदेश दिया गया।

प्रवचन में ब्रज किन्नरी देवी जी ने कहा कि संसार के सभी रिश्ते अस्थायी हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे ट्रेन के सफर में सहयात्री अपने-अपने स्टेशन आने पर उतर जाते हैं, उसी प्रकार संसार के सभी नातेदार और संबंधी समय आने पर साथ छोड़ देते हैं। कोई कितना भी आग्रह करे, जिसका समय आ गया है वह रुकता नहीं और जिसका समय नहीं आया है वह उतरता नहीं। इस प्रकार संसार के सभी संबंध क्षणिक हैं, जबकि भगवान श्रीकृष्ण ही ऐसे हैं जिनका जीव से शाश्वत और अविच्छिन्न संबंध है। उन्होंने कहा कि वेदों में वर्णित है कि भगवान आत्मा रूपी हृदय कमल में सदैव विराजमान रहते हैं। वे किसी भी काल, परिस्थिति अथवा योनि में जीव का साथ नहीं छोड़ते। इसलिए जीव को वास्तविक प्रेम भगवान से ही करना चाहिए। देवी जी ने बताया कि भगवान की भक्ति पांच भावों , शांत, दास्य, सख्य, वात्सल्य एवं माधुर्य भाव से की जा सकती है। रसिक संतों ने विशेष रूप से दास्य, सख्य, वात्सल्य और माधुर्य भाव से भगवान के साथ संबंध स्थापित करने पर बल दिया है। भगवान को स्वामी, मित्र, पुत्र अथवा प्रियतम मानकर की गई उपासना और भक्ति से उनकी प्राप्ति संभव है तथा उनके आनंद में आनंदित होकर मनुष्य अपने जीवन के परम लक्ष्य, भगवत सेवा, को प्राप्त कर सकता है। प्रवचन के उपरांत महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रज किन्नरी देवी जी द्वारा उपस्थित भक्तों को आरती की थाली उपहार स्वरूप प्रदान की गई। सभी श्रद्धालुओं ने भगवान राधा-कृष्ण एवं गुरुदेव श्री कृपालु जी महाराज की आरती उतारकर भक्ति रस का आनंद लिया। कार्यक्रम में भक्तजनों का अपार उत्साह और श्रद्धा देखने को मिली।

दे धक्का आंदोलन से महंगाई के खिलाफ गरजी बहुजन मुक्ति पार्टी

वाहनों को धक्का देकर जताया पेट्रोल-डीजल की कीमतों का विरोध, मांगें पूरी नहीं होने पर जेल भरो आंदोलन की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, रसोई गैस के दामों में वृद्धि, स्मार्ट मीटर व्यवस्था और विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर बहुजन मुक्ति पार्टी द्वारा रविवार को जिला मुख्यालय में अनोखा प्रदर्शन किया गया। संगठन के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार के सामने दे धक्का आंदोलन आयोजित कर सड़क से गुजरने वाले दोपहिया एवं अन्य वाहनों को प्रतीकात्मक रूप से धक्का देकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रशासन के माध्यम से राष्ट्रपति एवं राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

बहुजन मुक्ति पार्टी के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आंदोलन अचानक नहीं बल्कि चरणबद्ध तरीके से चलाया जा रहा है। संगठन द्वारा महंगाई और जनसमस्याओं के विरोध में तीन चरणों में आंदोलन की रणनीति बनाई गई थी। पहले चरण में कार्यकर्ताओं ने लालटेन जलाकर विरोध प्रदर्शन किया और बिजली व्यवस्था तथा बढ़ते बिजली बिलों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। दूसरे चरण में कलेक्ट्रेट गेट के सामने चूल्हा जलाकर चाय और रोटी बनाई गई, जिसके माध्यम से रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और घरेलू खर्चों में हो रही वृद्धि के खिलाफ विरोध दर्ज कराया गया। वहीं तीसरे और अंतिम चरण में दे धक्का आंदोलन आयोजित कर पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों के खिलाफ प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज आम आदमी का जीवन महंगाई की मार से पूरी तरह प्रभावित हो चुका है। खाद्य सामग्री, रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल, बिजली और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग का परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि आम व्यक्ति के लिए अपने वाहन में पेट्रोल भरवाना और घरेलू खर्चों का संतुलन बनाना भी कठिन होता जा रहा है। लोकसभा प्रभारी सदाशिव हरिनखेड़े ने कहा कि सरकार लगातार विकास के दावे कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर आम जनता महंगाई से त्रस्त है। किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों की आय में कोई विशेष वृद्धि नहीं हुई है, जबकि खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को आम जनता की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। राष्ट्रीय मूलनिवासी महिला प्रकोष्ठ की संभागीय प्रभारी नर्मदा नागवंशी ने कहा कि महिलाओं पर महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव पड़ रहा है। घरेलू रसोई का बजट लगातार बिगड़ रहा है और रसोई गैस के बढ़ते दामों ने परिवारों की परेशानी और बढ़ा दी है। उन्होंने कहा कि सरकार को घरेलू गैस की कीमतों में कमी कर आम परिवारों को राहत प्रदान करनी चाहिए। संगठन द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी करने, घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के दाम घटाने, स्मार्ट मीटर व्यवस्था समाप्त कर पुराने मीटर पुनः लगाए जाने, बिजली व्यवस्था में सुधार करने तथा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने सहित 15 सूत्रीय मांगें शामिल हैं। संगठन का कहना है कि इन मांगों का संबंध सीधे आम जनता के हितों से है और सरकार को इन्हें गंभीरता से लेना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी की और सरकार से महंगाई कम करने की मांग की। कुछ कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से वाहनों को धक्का देकर यह संदेश देने का प्रयास किया कि यदि पेट्रोल-डीजल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं तो आम आदमी के लिए वाहन चलाना भी मुश्किल हो जाएगा। बहुजन मुक्ति पार्टी के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कोई सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर आगामी दिनों में व्यापक आंदोलन करेगा। उन्होंने कहा कि पहले आक्रोश रैली निकाली जाएगी और उसके बाद भी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो जेल भरो आंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

आस-पास की खबरें

आंधी तूफान में राइस मिल का टिन शेड उड़ा

लाखों का चावल और मशीनें खराब, संचालक ने प्रशासन से की मुआवजे की मांग

पद्मेश न्यूज।बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम बेहरई में शनिवार की शाम आये भीषण आंधी-तूफान ने

भारी कोहराम मचाया। इस प्राकृतिक आपदा में बेहरई और छतेरा के बीच स्थित एक राइस मिल को भारी नुकसान पहुंचा है। तेज हवाओं के कारण मिल का टिन शेड पूरी तरह से उड़ गया। साथ ही झमाझम बारिश से मिल के अंदर रखा लाखों रूपये का चावल पानी में भीगकर खराब हो गया है। वहीं टिन शेड उड़ने के कारण बारिश का पानी सीधे मिल के अंदर जमा हो गया। जिससे न केवल तैयार और कच्चा चावल खराब हुआ, बल्कि मिल में स्थापित कीमती मशीनरी में भी पानी घुस गया। पानी जमा होने से मशीनें भी खराब हो गई है जिससे राइस मिल का कार्य ठप हो गया है। साथ ही राइस मिल संचालक लाली/शैलेन्द्र भगत को लाखों रूपये का नुकसान हुआ है। जिन्होने प्रशासन से मुआवजा देने की मांग की है।

व्यापारी मिलन समारोह आज

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के पेट्रोल पंप के सामने स्थित लॉन में मरार माली समाज व्यापारी प्रकोष्ठ लालबर्रा के तत्वाधान में 1 जून को रात 8 बजे से व्यापारी मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में मरार माली समाज व्यापारी प्रकोष्ठ लालबर्रा के पदाधिकारियों ने बताया कि समाज के व्यापारी मिलन समारोह कार्यक्रम में समाजोत्थान सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की जायेगी। इस अवसर पर मरार माली समाज के सभी छोटे-बड़े व्यवसाय करने वाले व्यापारीगणों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील मरार माली समाज व्यापारी प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने की है।

तेज आंधी-तूफान का कहर, मिरेगांव में मकान का सीमेंट शेड उड़ा, हजारों का नुकसान

बड़ा हादसा टला, रात में उड़ती चादरें, तो हो सकती थी जनहानि

पीड़ित मजदूर ने पीएम आवास योजना का लाभ और मुआवजे दिलवाने की प्रशासन से लगाई गुहार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

शनिवार की शाम क्षेत्र में अचानक बदले मौसम के मिजाज ने भारी तबाही मचाई। तेज आंधी-तूफान के साथ हुई झमाझम बारिश से जहां एक ओर जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसी बीच ग्राम पंचायत मिरेगांव में एक गरीब परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।मिरेगांव निवासी राजेंद्र गौतम के मकान की छत पर लगी सीमेंट की चादरें (शेड) तेज आंधी में उड़कर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस प्राकृतिक आपदा के कारण पीड़ित मकान मालिक को हजारों रूपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मिरेगांव निवासी राजेन्द्र गौतम मजदूरी कार्य करता है, जो मजदूरी कार्य से नागपुर गया हुआ था, घर पर उनकी पत्नि एवं बच्चें थे। शनिवार को शाम में अचानक मौसम परिवर्तन होने के बाद तेज आंधी-तूफान चली। इस दौरान आंधी का वेग इतना तेज था कि देखते ही देखते पूरे मकान की छत पर लगी सीमेंट की चादरें हवा में उड़ गई। छत गायब होने के कारण बाद में हुई मूसलाधार बारिश से घर के अंदर रखा राशन, कपड़े और अन्य जरूरी सामग्री भीग गये। इस आंधी-तूफान से मकान मालिक को हजारों रूपये का नुकसान हुआ है। गनीमत यह रही कि यह घटना दिन (शाम) के समय घटित हुई।तेज हवाएं चलते ही घर के सदस्य तुरंत सुरक्षित स्थानों पर बाहर निकल आये। अगर यही आंधी-तूफान देर रात आया होता, जब पूरा परिवार घर के अंदर सो रहते तो सीमेंट की भारी चादरें गिरने से कोई बड़ा और गंभीर हादसा घटित हो सकता था। सही समय पर सूझबूझ से एक बड़ी जनहानि टल गई। वहीं पीड़ित मकान मालिक को अब तक पीएम आवास योजना का लाभ नही मिला है जिस वजह से वह मजबूरी में कच्चे मकान में सीमेन्ट की चादर (शेड) लगाकर निवास कर रहा है। जबकि कई बार उन्होने सरपंच-सचिव से पीएम आवास का लाभ दिलवाने की गुहार लगा चुके है लेकिन उनकी मांगे पुरी नही हो पा रहा है। वहीं पीड़िता राजेन्द्र गौतम ने बताया कि वह मजदूरी कर बड़ी मुश्किल से अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह अब तक पक्का मकान नहीं बना पाया है और उसे शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नहीं मिला है। विवश होकर वह कच्चे मकान पर सीमेंट की चादरें डालकर रह रहा था, जो उड़कर क्षतिग्रस्त हो गया है। शासन-प्रशासन से मांग है कि इस नुकसान का उचित मुआवजा और प्राथमिकता के आधार पर पीएम आवास योजना का लाभ दिलवाये ताकि पक्के मकान का निर्माण कर सके। श्रीमती रीता गौतम ने बताया कि शनिवार को अचानक तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई है, इसी बीच मकान का सीमेन्ट का शेड उड़कर क्षतिग्रस्त हो गया और तेज बारिश होने पर मकान के अंदर पानी जमा हो गया था, जिससे मकान के अंदर रखे सामग्री भी गीली हो गई थी। इस आंधी-तूफान में सीमेन्ट की चादर उड़ने एवं क्षतिग्रस्त होने से हजारों रूपये का नुकसान हुआ है। जिसकी जानकारी पंचायत के सरपंच-सचिव को दे दिये है।

दंत स्वास्थ्य एवं तंबाकू उत्पादों का निषेध पर शिविर का आयोजन - ली शपथ

पद्मेश न्यूज।लांजी। सिविल अस्पताल लांजी में विश्व तंबाकू निषेध सप्ताह 25 मई से 31 मई 2026 के अवसर पर राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम एंटीसीपी के अन्तर्गत दंत स्वास्थ्य एवं तंबाकू उत्पादों का निषेध विषय पर शिविर का

सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अक्षय कुमार उपराडे के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के कुशल समन्वय में डॉ. सृष्टि गुप्ता दंत चिकित्सा अधिकारी, डॉ. संस्कृति अग्रवाल दंत चिकित्सा विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अंकित खरोले, मेडिकल ऑफिसर डॉ अनिल राठौर, डॉ महेन्क मेश्राम एवं शिव हरिनखेड़े उमंग काउंसलर, काउंसलर प्रमिला कटरे आईसीटीसी , अजेंद्र श्रीरामे बीईई, श्याम डोहरे एमटीएस एवं हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ उपस्थित रहे ।कार्यक्रम के दौरान डॉ. सृष्टि गुप्ता द्वारा दंत उपचार संबंधी सलाह एवं तंबाकू के प्रयोग से होने वाले विभिन्न रोगों जैसे ह्रदय रोग, श्वास संबंधी रोग ,लिवर एवं किडनी आदि पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही सीओटीपीए एक्ट की जानकारी तथा तंबाकू अथवा अन्य सिगरेट उत्पादों को छोड़ने के इच्छुक व्यक्तियों के लिये जिला अस्पताल बालाघाट में स्थापित टीसीसी सेंटर की जानकारी दी गई एवं उपचार हेतु प्रेरित किया गया। इसी दौरान उमंग काउंसलर शिव हरिनखेड़े द्वारा बताया गया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल दुनिया भर में लाखों लोग तंबाकू के सेवन के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इसमें वे लोग भी शामिल हैं जो खुद धूम्रपान नहीं करते, बल्कि दूसरों के धुएं पैसिव स्मोकिंग के संपर्क में आने से बीमार होते हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता- तंबाकू और सिगरेट के सेवन से कैंसर विशेषकर फेफड़ों का कैंसर, दिल की बीमारियां हार्ट अटैक, स्ट्रोक और फेफड़ों की गंभीर बीमारियां होती हैं। खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ अक्षय उपराडे द्वारा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन सामान्य को बताया कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस हर साल 31 मई को दुनिया भर में मनाया जाता है। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को तंबाकू से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य नुकसानों के प्रति जागरूक करना और उन्हें इसे छोड़ने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के अंत में सभी कर्मचारी एवं जन सामान्य को तम्बाकू एवं तंबाकू उत्पादों का प्रयोग नही करने की शपथ दिलाई गई ।

टेकाड़ी ला. में नहर पर बनी नई पुलिया, आवागमन में होगी सुविधा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. में ग्रामीणों और राहगीरों को एक बड़ी समस्या से निजात मिल गई है। जल संसाधन विभाग और नहर निर्माण कंपनी ने तत्परता दिखाते हुए टेकाड़ी ला. चौक के समीप माइनर नहर पर नई और चौड़ी पुलिया का निर्माण कार्य पूरा कर दिया है, जिससे आवागमन बेहद सुगम हो गया है। गौरतलब है कि सरांटी जलाशय टेकाड़ी ला. से निकली इस माइनर नहर का विगत वर्ष पूर्व ही सीमेन्टीकरण किया गया था। निर्माण के दौरान पूर्व में बनी पुलिया को हटा तो दिया गया, लेकिन टेकाड़ी ला. चौक के पास नई पुलिया का निर्माण नहीं किया गया था। इस गंभीर समस्या को विगत माह पूर्व बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित कर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया गया था। साथ ही स्थानीय ग्रामीण भी लगातार पुलिया निर्माण की मांग कर रहे थे। समाचार प्रकाशन के बाद जल

संसाधन विभाग के अधिकारी और ठेकेदार हरकत में आये और पुलिया का निर्माण कार्य पूरा करवाया है। वहीं पुलिया का निर्माण हो जाने से अब आवागमन में ग्रामीणजन एवं राहगीरों को सुविधा होगी। वहीं टेकाड़ी ला. चौक में नहर के बीच में पुलिया नही होने से पहले लोग एक बेहद संकरी और बिना रेलिंग वाली पुलिया से जान जोखिम में डालकर आवागमन करने मजबूर थे। यह पुलिया ठीक मोड़ (टर्निंग) पर स्थित थी, जिससे हर समय किसी बड़े वाहन के पलटने या राहगीरों के नहर में गिरने की आशंका बनी रहती थी। अब प्रशासन द्वारा अधिक चौड़ाई वाली और सीधे मार्ग पर मजबूत पुलिया का निर्माण करवा दी है जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है। अब यहां से वाहनों का निकलना सुरक्षित और आसान हो गया है। वहीं टेकाड़ी ला. चौक पर पुलिया बनने से ग्रामीण बेहद खुश हैं, लेकिन इसके साथ ही क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों ने प्रशासन से नहर सीमेन्टीकरण के दौरान कुछ अन्य स्थानों पर भी पुलिया का निर्माण कार्य छूट गया है। उक्त स्थानों पर भी जल्द से जल्द पुलिया निर्माण करवाने की मांग प्रशासन से की है।

9 सेवा सहकारी समितियों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रेडियों मन की बात कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट शाखा लालबर्रा अंतर्गत सभी 9 सेवा समितियों में अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्रसिंह यादव के मार्गदर्शन में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में सभी समितियों में जनप्रतिनिधियों, किसानों को कृषक हित में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी देने एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के रेडियो मन की बात कार्यक्रम देखने हेतु स्थानीय जनप्रतिनिधि, पूर्व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संचालक, किसानों एवं कर्मचारियों के द्वारा रविवार को प्रातः 11 बजे से 11.30 बजे तक समिति लालबर्रा, घोटी, मिरेगांव, साल्हे ला., मोहगांव ध., नेवरगांव ला., जाम, सिहोरा एवं कंजई में उपस्थित हुए। वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियों मन की बात कार्यक्रम उपरांत किसानों को कृषक हित में शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर सहकारिता सभापति झामसिंह नागेश्वर, तीरथसिंह बिसेन, तानसेन देशमुख, सत्येंद्र दमाहे, रंगलाल लिल्हारे, किशोर पालीवाल, दुर्गाप्रसाद टेंभरे, वेदसिंह ठाकुर, शिवप्रसाद कटरे, अर्चना पटले, डॉ. सुरेंद्र हनवत, डॉ. एचसी ठाकरे, हितेश ठाकरे, राजेश दुबे , एचसी बोपचे, डीके लिल्हारे, एचसी बसेने, आरएल एडे, सुभाष बोपचे, नुपेंद्र रहांगडाले, राजेश लिल्हारे, बीएल ठाकरे, एमआर गोंडुडे, गोपाल लॉनगे, नंदकिशोर दशरिये, जितेन्द्र देशमुख, आनंद डेहरे, शिवकुमार गौतम, बीसी कटरे, मुकेश कटरे सहित अन्य कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसानगण उपस्थित रहे।

फोन हैक कर एम्स के डॉक्टर से हड़पे एक लाख 70 हजार

भोपाल। एम्स के डॉक्टर की शिकायत पर बाग सेवनिया पुलिस ने अज्ञात साइबर जालसाज के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक साकेत नगर निवासी नंदकिशोर गोयल ने बताया की वह एम्स में नौकरी करते हैं। 26 मई को अज्ञात साइबर जालसाज ने एपीके फाइल भेज कर उनका मोबाइल हैक कर लिया। मोबाइल हैक होते ही उसका एक्सिस आरोपी के पास पहुंच गया और आरोपी ने उनके खाते से अलग अलग समय में एक लाख 70 हजार रुपए अन्य खाते में ट्रांसफर कर लिए। मामले की शिकायत साइबर सेल में की गई थी।

कांग्रेसी नेता रवि अग्रवाल ने प्राथमिक सदस्यता से दिया इस्तीफा

राजनैतिक कारणों के चलते लिया निर्णय, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष को सौंपा इस्तीफा

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। लालबर्रा कांग्रेस पार्टी के नेता रवि अग्रवाल ने शनिवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और उन्होंने अपना इस्तीफा औपचारिक रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मनीराम भोयर को सौंप दिया है। रवि अग्रवाल ने बताया कि मैं लंबे समय से कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से जुड़कर पूरी निष्ठा के साथ काम कर रहा था और मैं विगत 5 वर्षों से पार्टी में लगभग निष्क्रिय भूमिका में रहा हूं इसलिये जब संगठन में सक्रिय न हों, तो पद पर बने रहना उचित नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय नेतृत्व और संगठन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ समय पूर्व जब उनकी दुकान

टूटी, तब विपत्ति के उस दौर में कांग्रेस का कोई भी बड़ा नेता या कार्यकर्ता उनके साथ खड़ा नहीं हुआ। इस उपेक्षा से उनका मन काफी आहत था, जिसके कारण उन्होंने संगठन से दूरियां बना ली थी। श्री अग्रवाल ने पूर्व के घटनाक्रमों को स्पष्ट करते हुए कहा कि उन्होंने 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर ही सार्वजनिक मंचों के माध्यम से घोषणा कर दी थी कि वे अब मंच, माला और माइक की राजनीति से दूर रहेंगे।हालांकि सामाजिक दबाव और जनता की आवाज को उठाने के लिए वे लगातार सक्रिय बने रहे परंतु अब पार्टी के कार्यक्रमों में शामिल न होने पर लगने वाले तरह-तरह के आरोपों-प्रत्यारोपों से बचने के लिए उन्होंने औपचारिक रूप से इस्तीफा देना ही बेहतर समझा है। वहीं कांग्रेस छोड़ने के बाद क्या वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामेंगे ? इस सवाल पर रवि अग्रवाल ने कहा कि उम्र के इस पड़ाव में दूसरी पार्टी में जाने का फिलहाल उनका कोई विचार नहीं है। भाजपा में शामिल होने की अटकलों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे कोई नरेंद्र मोदी (प्रधानमंत्री) या जे.पी. नड्डा तो भाजपा में बुलाने आयेंगे नहीं। बालाघाट विधानसभा में भाजपा का मतलब गौरीशंकर बिसेन हैं और हमने जीवन भर सिध्दांतों की लड़ाई लड़ते हुए गौरीशंकर बिसेन का निरंतर विरोध किया है। ऐसे में वे हमें अपनी पार्टी में स्वीकार करेंगे या नहीं, यह सोचना भी बेमानी है। हालांकि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विचारधारा के प्रति सकारात्मक संकेत जरूर दिए, लेकिन भाजपा में शामिल होने की बात से साफ इंकार किया। साथ ही यह भी कहा कि कांग्रेस विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे की ऐतिहासिक जीत और पार्टी में बिखराव के सवाल पर श्री अग्रवाल ने संगठन को आईना दिखाया। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में अनुभा मुंजारे की 29-30 हजार वोटों से जो बड़ी जीत हुई थी, वह जनता का गौरीशंकर बिसेन के प्रति आक्रोश और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के 20-30 सालों के कड़े संघर्ष व तपस्या का परिणाम है। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा इतने बड़े अंतर से जीतने के बाद वर्तमान नेतृत्व को यह गलतफहमी हो गई है कि उनका जनाधार बहुत बड़ा है। वे इसे केवल अपनी व्यक्तिगत जीत मान बैठे हैं। जबकि यह कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं के वर्षों के संघर्ष की सामूहिक जीत थी।

वन विभाग ने अवैध चिरान पर दो आरा मिल की सील

मामला अवैध चिरान का वन विभाग की जांच जारी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वन विभाग दक्षिण सामान्य वन मंडल के वन परिक्षेत्र वारासिवनी कार्यालय के द्वारा अवैध लकड़ी चिरान के खिलाफ एक बड़ी और सख्त कार्यवाही अमल में लाई गई है। विभाग की टीम ने नगर के खंडवा मार्ग स्थित दो आरा मिलों को सील कर दिया है। वन विभाग की इस औचक दबिश और तालाबंदी के बाद से क्षेत्र के अन्य आरा मिल संचालकों और लकड़ी माफियाओं में भारी हड़कंप का माहौल देखा जा रहा है।

वरिष्ठ अधिकारियों को मिली थी गुप्त शिकायत

वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र में अवैध रूप से पेड़ों की कटाई और वन्य प्राणियों के शिकार को रोकने के लिए विभाग के द्वारा लगातार गश्त बढ़ा दी गई है। इसी मुस्तैदी के बीच वरिष्ठ अधिकारियों को एक पुख्ता शिकायत मिली थी कि नगर की दो आरा मिलों में बड़े पैमाने पर अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं और बिना वैध अनुमति के लकड़ीयों की चिराई का काम धड़ल्ले से चल रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर और रेंजर छत्रपाल सिंह जादौन के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व डिप्टी रेंजर ताराचंद डोंगरे ने किया। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से नगर के कटंगी मार्ग से ग्राम खंडवा की ओर जाने वाले रास्ते पर स्थित उच्च स्तरीय पुल के पास संचालित आरा मशीनों पर अचानक दबिश दी। कार्यवाही के दौरान हरीश पार्वे और परेश पार्वे की आरा मिलों में मशीनें चालू थीं और लकडीयों के लट्ठों को चिरान पट्टियों साइज में बदलने का काम जोरों पर चल रहा था। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुँचकर तुरंत सभी गतिविधियों को रुकवाया और वहां काम कर रहे कर्मचारियों व उपस्थित लोगों से पूछताछ की। अधिकारियों ने जब मिल परिसर में रखी लकडीयों और उनके परिवहन भंडारण से जुड़े वैध दस्तावेज टी पी आदि मांगे तो संचालक या उपस्थित जन कोई भी कानूनी कागज पेश नहीं कर पाए। दस्तावेज नही मिलने और मामला पूरी तरह अवैध पाए जाने पर वन विभाग ने तत्परता दिखाते हुए दोनों दो आरा मिलों को सांकल से बांधकर ताला जड़ दिया और सील.चपड़ा लगाकर उन्हें पूरी तरह सील कर दिया। मौके पर ही गवाहों के समक्ष पंचनामा की कार्यवाही भी पूरी की गई।

आँजन और सतकट्टा प्रजाति की कीमती लकड़ी जब्त

निरीक्षण के दौरान वन विभाग की टीम ने मौके पर पड़े लकड़ी के लट्ठों की बारीकी से पहचान की। जांच में पाया गया कि जब्त की गई लकडीयां आँजन और सतकट्टा प्रजाति की हैं। हरीश पार्वे की आरा मिल से लगभग 0.415 घन मीटर अवैध लकड़ी ,परेश पार्वे की आरा मिल से लगभग 0.480 घन मीटर अवैध लकड़ी जब्त की गई। विशेष बात यह है कि जब्त की गई इस भारी मात्रा में लकड़ी को वन विभाग के डिपो में नहीं लाया गया है। बल्कि कानूनी प्रकिया या के तहत उन्हें फिलहाल मौके पर ही सुरक्षित रख दिया गया है। इस पूरे मामले में वन विभाग के द्वारा मध्य प्रदेश काष्ट चिरान विनियमन अधिनियम 1984 की विभिन्न सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्यवाही की जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में इस तरह का अवैध कारोबार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में भी ऐसी कार्यवाही जारी रहेगी। इस सफल और सराहनीय कार्यवाही में डिप्टी रेंजर ताराचंद डोंगरे के साथ भवानी बिसेन, हिरकन हटेवार, इंदु डायरे और आलोक पटले शामिल रहे। जिनकी भूमिका बेहद सराहनीय रही।

जंगली सूअर ने खेत गए किसान पर किया हमला गंभीर रूप से घायल

ग्रामीणों में दहशत का माहौल, खेतों की तरफ जाने से कतरा रहे किसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्राम पंचायत मेहंदीवाड़ा में रविवार की सुबह एक घटना सामने आई है। यहाँ अपने खेत में फसल की निगरानी करने गए एक 50 वर्षीय किसान पर जंगली सूअर ने अचानक जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में किसान गंभीर रूप से घायल हो गया है जिसे उपचार के लिए तत्काल सिविल अस्पताल वारासिवनी में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र और आस पास के ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मेहंदीवाड़ा के वार्ड नंबर 1 निवासी नंदकिशोर पिता महारु राजुरकर उम्र 50 वर्ष पेशे से किसान हैं और खेती किसानी के जरिए ही अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। इस वर्ष उन्होंने खापा निवासी मूरतसिंह पारधी की खापा रोड़ स्थित जमीन अधिया पर लेकर धान की फसल लगाई है। रोजाना की तरह रविवार सुबह करीब 9 बजे नंदकिशोर अपने घर से खेत के लिए निकले थे। सुबह करीब 9.30 बजे जैसे ही वे खेत पहुंचे और फसल देखने लगे तभी धान की ऊंची फसल के बीच छिपे बैठे एक जंगली सूअर ने उन पर अचानक हमला बोल दिया। हमला इतना जोरदार था कि नंदकिशोर को संभलने का मौका ही नहीं मिला और वे लहूलुहान होकर वहीं जमीन पर गिर पड़े। जंगली सूअर ने उनके पैर पर बुरी तरह दांत और नाखूनों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। चीख पुकार सुनकर आस.पास के खेतों में काम कर रहे अन्य ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके की ओर दौड़े। ग्रामीणों ने साहस दिखाते हुए लाठी.डंडों की मदद से जंगली सूअर को मौके से खदेड़ा जिससे किसान की जान बच सकी। इसके बाद घटना की सूचना तुरंत घायल के परिजनों को दी गई । परिजन बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचे और गंभीर रूप से घायल नंदकिशोर को तत्काल वारासिवनी के सिविल अस्पताल लेकर आए। जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए सिविल अस्पताल प्रबंधन द्वारा वारासिवनी पुलिस को तहरीर भेज दी गई है। वहीं दूसरी ओर घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम भी सक्रिय हो गई है। वन अमले ने अस्पताल पहुंचकर घायल किसान और उनके परिजनों से मुलाकात की चोटों की जानकारी ली और नियमानुसार मुआवजा व सहायता राशि प्रदान करने के लिए प्रकरण तैयार करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना के बाद से मेहंदीवाड़ा और आस.पास के गांवों में डर का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में जंगली सूअरों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है। ये सूअर खेतों में खड़ी फसलों के बीच छिपे रहते हैं और अचानक इंसानों पर हमला कर देते हैं। इसके पूर्व भी क्षेत्र में कई लोग इन जंगली जानवरों के हमले का शिकार होकर गंभीर रूप से जख्मी हो चुके हैं। वर्तमान में किसान खेतों की तरफ जाने से कतरा रहे हैं जिससे कृषि कार्यों पर भी असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि जंगली सूअरों के आतंक से निजात दिलाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और प्रभावित क्षेत्रों में गश्त बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मेहंदीवाड़ा से मेहदोली मार्ग जर्जर किसानों और ग्रामीणों का निकलना हुआ दूभर

10 वर्षों से नहीं हुई मरम्मत, आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन पर लगाया अनदेखी का आरोप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मेहंदीवाड़ा से मेहदोली मार्ग की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। लंबे समय से उपेक्षा का शिकार यह मार्ग अब कई स्थानों पर पैदल चलने लायक भी नहीं बचा है। सड़क पर बने बड़े बड़े गड्ढों और भारी वाहनों की आवाजाही से बने गाड़दान यानि गहरे कट्टों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं , जिससे ग्रामीणों और किसानों में शासन प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश व्याप्त है। विदित हो कि मेहंदीवाड़ा बस्ती से नदी की तरफ जाने वाले इस करीब डेढ़ किलोमीटर लंबे कच्चे मार्ग का उपयोग ग्रामीणजन डोंगरमाली सहित अन्य क्षेत्रों में आने जाने के लिए करते हैं। सड़क के दोनों ओर और नदी किनारे बड़ी संख्या में किसानों के खेत हैं। आगे खेती किसानी का दौर शुरू होना है लेकिन मार्ग की जर्जर हालत के कारण किसानों को खेतों तक ट्रैक्टर या अन्य कृषि वाहन ले जाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में स्थिति और भयानक हो जाती है जब पूरी सड़क कीचड़ और पानी से सराबोर हो जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि जिला प्रशासन को बार बार अवगत कराने के बाद भी इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पंचायत द्वारा सुदूर सड़क की मांग तो की जा रही है लेकिन धरातल पर अब तक कोई कार्य शुरू नहीं हुआ है। नतीजा यह है कि हर साल सड़क की हालत बदतर होती जा रही है और लोग अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने शीघ्र ही मार्ग निर्माण या मरम्मतिकरण करने की मांग की है। ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो और दुर्घटना की संभावना खत्म हो सके।

पैदल चलना भी हुआ मुहाल बढ़ी परेशानी- सुरेश पंचेश्वर

ग्रामीण सुरेश पंचेश्वर ने बताया की बरसात में इस मार्ग पर चलना नरक के समान हो जाता है। ट्रैक्टरों की आवाजाही से पूरी रोड़ खराब हो चुकी है। मेरा खेत नदी के पास है लेकिन सड़क पर बने छोटे.बड़े गड्ढों और असंतुलित रास्ते के कारण मैं नदी तक भी नहीं जा पाता। कई बार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से लोग दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। बहुत मुश्किल से गाड़ी चल पाता हूँ यहाँ सीमेंट रोड़ बनना अति आवश्यक है वरना वाहनों के पलटने की कोई गारंटी नहीं है।

पंचायत के पास फंड नहीं जिला पंचायत नहीं दे रही ध्यान-किशोर तामेश्वर

सरपंच प्रतिनिधि किशोर तामेश्वर ने बताया कि मेहंदीवाड़ा से मेहदोली मार्ग का निर्माण और मरम्मत पिछले 10 वर्षों से नहीं की गई है। ग्राम पंचायत के द्वारा जिला पंचायत में तीन से अधिक बार सुदूर सड़क या अन्य मद से इस मार्ग को स्वीकृत करने के लिए लिखित आवेदन दिया जा चुका है। करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण के लिए ग्राम पंचायत के पास अपनी स्वयं की निधि उपलब्ध नहीं है। खेती के साथ साथ इस मार्ग पर व्यावसायिक वाहनों की भी लगातार आवाजाही होती है जिससे सड़क हर साल और ज्यादा बर्बाद हो रही है।

शिवधाम बायपास मार्ग पर पक्की निर्माणाधीन सड़क का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने किया निरीक्षण दिये आवश्यक दिशा निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के अथक प्रयासो से स्वीकृत शिवधाम मार्ग की बायपास सड़क का निर्माण कार्य तेज गति से प्रारंभ है। 11 सौ मीटर लागत लगभग 65 लाख रूपये से निर्माणाधीन इस सड़क का निरीक्षण कर पूर्व मंत्री ने निर्माण एंजेसी को गुणवत्ता सहित अनेको आवश्यक निर्देश प्रदान किये है। नगर में बायपास शिवधाम मार्ग सड़क के निर्माण के लिये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने अपनी ईछाशक्ति का जबरदस्त परिचय कराया है। दो साल पूर्व जब वारा रेल्वे क्रांसिग पर ओव्हर ब्रिज निर्माण का कार्य शुरू हुआ था। तभी उन्होने तात्कालिन समय में गायत्री मंदिर के सामने से वारा तक बायपास की पक्की सड़क का निर्माण कार्य व नहर पर दो बड़े पूलो का निर्माण कार्य पूर्ण करा दिया था। वारा ओव्हर ब्रिज के निर्माण के समय ही उन्होने बायपास शिवधाम मार्ग पर पक्की सड़क के निर्माण का वादा किया था। वारा फ्लाई ओवर के निर्माण कार्य के शुरू होते ही इस सड़क शिवधाम मार्ग बायपास पर बढते आवागमन के कारण यह मार्ग पूर्णतह क्षतिग्रस्त हो गया था। साथ ही धूल के गुबार व अत्यधिक आवागमन से परेशान शिवधामवासीयो ने अनेको आंदोलन कर अपनी परेशानी दूर करने की प्रशासन से गुहार भी लगायी थी। पिछले माह उग्र व तेज आंदोलन के समय गुड्डा भैया भी स्थल पर पहुंचे थे। जंहा से उन्होने तत्काल अधीक्षण यंत्री सेतू लोक निर्माण विभाग को निर्देश व पत्र प्रदान कर वारा फ्लाई ओवर से संबधित शिवधाम मार्ग बायपास को वारा फ्लाई ओवर की बची शेष राशि से ही निर्माण कार्य कराने के 8 जनवरी 26 को निर्देश दिये थे। इस प्रस्ताव को ब्रिज विभाग लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर भोपाल की स्वीकृति भी प्रदान हो गयी थी। रिवाईस टीएस प्रथक से कराने के बाद इस स्वीकृति के बाद अब तेज गति से निर्माण कार्य को शुरू करा दिया गया है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हमने वारा रेल्वे ओवर ब्रिज, गायत्री मंदिर बायपास, नहर पर दो बड़े पूलो के निर्माण के बाद शिवधाम बायपास का निर्माण कार्य शुरू करा कर अपने वादे को निभाने का कार्य किया है। निरिक्षण के दौरान 8 सौ मीटर सीसी सड़क का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष 3 सौ मीटर का कार्य चार से पांच दिनो में पूर्ण कर लिया जायेगा। आवागमन क्रांति 26 के प्रथम चेप्टर के अब पूर्ण होने के बाद बालाघाट सहित अन्य मार्गो पर अब लगभग 30 साल तक बडते आवागमन के बाद भी किसी प्रकार की दिक्कत का सामना नही करना पडेगा। इस दौरान सुर्यभान सिंह पुसाम सरपंच,प्रवीण खरोले,वायकर पारधी, रामसिंह पटेल, रमेश कनोजे, सुनिल रणदिवे, आशु कोहरे, मोनू चौधरी, राजेन्द्र पटले, ओंकार माहुले, संजू तांडले, बब्लू फुलबांधे, डालेश जैतवार, मनोज ऐलोरे, पप्पू हिरकने, महेन्द्र लांजेवार ,लोक निर्माण विभाग सेतू संभाग के एसडीओ अर्जुन सनोडिया, कार्य एंजेसी के प्रमुख सिंद्धार्थ जायसवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भौरगढ़ के सार्वजनिक शौचालय को ग्राम के दबंगो ने किया क्षतिग्रस्त-देवेंद्र बारेवार

सरपंच ने शौचालय क्षतिग्रस्त करने वालों की थाने में करी शिकायत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत भौरगढ़ के सरपंच देवेन्द्र बारेवार ने बताया कि ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग पूरी करने के लिए ग्राम पंचायत भौरगढ़ में बाजार चौक में सार्वजनिक उपयोग के लिए शौचालय का निर्माण कराया था। जिससे यात्रियों, व्यापारियों और विशेष रूप से महिलाओं को होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके। लेकिन पंचायत का यह प्रयास उस समय विवादों में घिर गया जब कुछ लोगों पर शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पंचायत प्रतिनिधियों को धमकाने के आरोप लगे। श्री बारेवार ने कहा कि ग्रामवासियों की लगातार मांग के बाद पंचायत ने प्रस्ताव पारित कर बाजार चौक में प्लास्टिक सेट का सार्वजनिक शौचालय और पेशाबघर बनवाया था। इसका उद्देश्य बस स्टैंड और बाजार क्षेत्र में आने.जाने वाले लोगों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना था। गांव के ही कुछ लोगों ने शौचालय को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि जिस सुविधा के लिए ग्रामीण लंबे समय से मांग कर रहे थे उसी को नुकसान पहुंचाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उनका कहना था कि पंचायत के प्रस्ताव पर बनाए गए सार्वजनिक शौचालय को तोड़ दिया गया और विरोध करने पर पंचायत प्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों को जान से मारने की धमकी भी दी गई। श्री बारेवार ने बताया कि 21 मई को इस संबंध में थाना खैरलांजी में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया कि 9 मई की शाम करीब पांच बजे ग्राम पंचायत के द्वारा स्थापित प्लास्टिक के पेशाबघर और उसके सीमेंट.कांक्रीट ढांचे को तोड़कर ध्वस्त कर दिया गया। जिससे शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचा। जब पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने आरोपितों को रोकने का प्रयास किया तो उनके साथ सार्वजनिक रूप से गाली गलौच की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। श्री बारेवार ने बताया कि इस मामले की शिकायत पुलिस अधिक्षक और थाना प्रभारी तक पहुंचने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के उपरांत भौरगढ़ निवासी जितेन्द्र उर्फ राजा लिल्हारे सहित उनके अन्य साथियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 बी,351,2,324,2, 3 5 तथा लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम 1984 की धारा 3,1 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। श्री बारेवार ने बताया कि राजा लिल्हारे के द्वारा पंचायत के विकास कार्यों को लेकर बार बार शिकायतें कर प्रशासनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश की जाती रही है। राजा उर्फ जितेन्द्र लिल्हारे के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न मामलों में शिकायतें और अपराध दर्ज हुए हैं। श्री बारेवार ने कहा कि यह शौचालय किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए बनाया गया था। खासकर महिलाओं और यात्रियों को खुले में जाने की मजबूरी से राहत दिलाने के उद्देश्य से पंचायत ने यह पहल की थी। ऐसे में सार्वजनिक हित के इस निर्माण को नुकसान पहुंचाना पूरे गांव के हितों के खिलाफ है। पंचायत प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर मामले में शीघ्र और कठोर कार्रवाई की मांग की है।

श्वेत क्रांति से पोषण क्रांति तक- दुग्ध क्षेत्र की नई उड़ान

प्रतिवर्ष 1 जून को दूध के पोषण महत्व तथा डेयरी क्षेत्र के योगदान को सम्मानित करने के उद्देश्य से विश्व दुग्ध दिवस मनाया जाता है। यहां पर पाठकों को यह बताना चाहूंगा कि इसकी शुरुआत वर्ष 2001 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा की गई थी तथा इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य दूध के पोषण मूल्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, डेयरी किसानों एवं दुग्ध उद्योग के योगदान को सम्मान देना, खाद्य सुरक्षा और पोषण में दूध की भूमिका को रेखांकित करना तथा सतत (सस्टेनेबल) डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देना है।सच तो यह है कि यह दिवस ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार सृजन में डेयरी क्षेत्र के महत्व को भी उजागर करता है। पाठक जानते हैं कि हमारी सनातन भारतीय संस्कृति में तो दूध को अत्यंत पवित्र, सात्विक और संपूर्ण आहार माना गया है। हमारे यहां तो वैदिक काल से ही दूध का उपयोग पूजा-पाठ, यज्ञ और धार्मिक अनुष्ठानों में होता रहा है।भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं भी दूध, दही और माखन से जुड़ी हुई हैं तथा आयुर्वेद में दूध को स्वास्थ्य, बल और दीर्घायु का महत्वपूर्ण स्रोत बताया गया है।भारतीय ग्रामीण जीवन, कृषि और पशुपालन की परंपरा में दूध का विशेष स्थान है। दूध को प्राचीन काल से ही 'अमृत' अथवा 'पूर्ण आहार' माना गया है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, विटामिन बी-12, विटामिन डी, फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व संतुलित मात्रा में पाए जाते हैं। यही कारण है कि यह बच्चों, युवाओं और वृद्धों सभी के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। एक रोचक तथ्य यह भी है कि दूध में लगभग 87 प्रतिशत पानी होता है, फिर भी यह सफेद दिखाई देता है। इसका कारण इसमें मौजूद 'केसीन' नामक प्रोटीन तथा वसा के सूक्ष्म कण हैं। जब प्रकाश इन कणों से टकराता है तो वह सभी दिशाओं में समान रूप से बिखर जाता है, जिससे दूध सफेद दिखाई देता है।संस्कृत में बड़े ही खूबसूरत शब्दों में कहा गया है कि -क्षीरं बलकरं नित्यं, क्षीरं बुद्धिविवर्धनम्।क्षीरं आयु:प्रदं श्रेष्ठं, सर्वपोषणकारकम्॥ अर्थात दूध शरीर को बल, बुद्धि और आयु प्रदान करने वाला तथा संपूर्ण पोषण देने वाला श्रेष्ठ आहार है। आज बढ़ती वैश्विक जनसंख्या के बीच डेयरी क्षेत्र करोड़ों लोगों की आजीविका का आधार बना हुआ है और ग्रामीण विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। भारत विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। देश का वार्षिक दुग्ध उत्पादन 240 मिलियन टन से अधिक हो चुका है और यह क्षेत्र करोड़ों ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत है। विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 930 मिलियन टन से अधिक दूध का उत्पादन होता है। वहीं, प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता के मामले में न्यूज़ीलैंड तथा कुछ यूरोपीय देश अग्रणी माने जाते हैं। भारत को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और विश्व का अग्रणी दुग्ध उत्पादक देश बनाने में 'ऑपरेशन फ्लड' अर्थात श्वेत क्रांति की ऐतिहासिक भूमिका रही है। सरल शब्दों में कहें तो भारत को दूध की कमी वाले देश से विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक बनाने का श्रेय इसी कार्यक्रम को जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1970 में 'मिल्कमैन ऑफ इंडिया' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. वर्गीज कुरियन के नेतृत्व में हुई थी। यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि वैश्विक स्तर पर विश्व दुग्ध दिवस 1 जून को मनाया जाता है, जबकि भारत में प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को डॉ. वर्गीज कुरियन के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1970 में प्रारंभ हुआ 'ऑपरेशन फ्लड' उस समय दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण विकास कार्यक्रम माना गया था।

मिशन डेमोग्राफी- इललीगल माइग्रेंट्स (डिटरमिनेशन बाय ट्रिब्यूनल्स) एक्ट1983 का दुष्प्रभाव

वैश्विक स्तरपर भारत में अवैध घुसपैठ, सीमाई सुरक्षा और जनसंख्या संरचना में हो रहे बदलावों को लेकर बहस कोई नई नहीं है,लेकिन वर्ष 2026 में यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति और सुरक्षा विमर्श के केंद्र में आ गया है। केंद्र सरकार ने मिशन डेमोग्राफी के तहत जनसांख्यिकीय परिवर्तन पर एक उच्चस्तरीय समिति के गठन की घोषणा करके यह संकेत दिया है कि अब अवैध प्रवासन को केवल कानून-व्यवस्था या मानवीय समस्या के रूप में नहीं,बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, लोकतांत्रिक संतुलन, सीमा प्रबंधन, संसाधनों पर दबाव और सामाजिक स्थिरता से जुड़ी व्यापक चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने जिस अननेचुरल डेमोग्राफिक चेंज की बात कही, उसका सीधा संबंध उन क्षेत्रों से जोड़ा जा रहा है जहाँ सरकार के अनुसार अवैध घुसपैठ,सीमा पार गतिविधियों और संगठित बसावट के कारण जनसंख्या संरचना में असामान्य बदलाव दिखाई दे रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर की अध्यक्षता में एक हाई-लेवल कमेटी बनाई है,जिसका उद्देश्य अवैध आप्रवास,सीमाई घुसपैठ,मतदाता पहचान, फर्जी दस्तावेज, सीमा प्रबंधन और जनसंख्या असंतुलन जैसे मुद्दों का व्यापक अध्ययन करना है। इस पूरी बहस के केंद्र में एक पुराना और विवादित कानून भी फिर चर्चा में आ गया है, आईएमडीटी एक्ट,1983, जिसे आलोचक असम में जनसांख्यिकीय परिवर्तन का बड़ा कारण मानते हैं, जबकि समर्थक इसे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक बताते रहे।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज मिशन डेमोग्राफी को लेकर जो राजनीतिक और वैचारिक संघर्ष दिखाई दे रहा है,उसकी जड़ें असम आंदोलन,अवैध बांग्लादेशी घुसपैठ और भारतीय लोकतंत्र में वोट बैंक राजनीति के आरोपों तक जाती हैं। यही कारण है कि सरकार अब डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट की नीति को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की दिशा में सक्रिय दिखाई दे रही है। साथियों बात अगर हम भारत में अवैध प्रवासन के प्रश्न को समझने की करें तो, यह विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों,खासकर असम से जुड़ा रहा है। असम लंबे समय तक बांग्लादेश से होने वाली कथित अवैध घुसपैठ का केंद्र माना जाता रहा।1970 और 1980 के दशक में यह मुद्दा इतना बड़ा बन गया कि वहाँ व्यापक जन आंदोलन शुरू हुआ,जिसे असम आंदोलन कहा गया।आंदोलनकारी संगठनों का आरोप था कि बड़ी संख्या में अवैध प्रवासी राज्य की जनसंख्या संरचना बदल रहे हैं,स्थानीय संस्कृति और भाषाई पहचान पर दबाव बढ़ रहा है तथा मतदाता सूचियों में बाहरी लोगों के नाम शामिल होने से लोकतांत्रिक संतुलन प्रभावित हो रहा है। इसी पृष्ठभूमि में 1983 में इललीगल माइग्रेंट्स (डिटरमिनेशन बाय ट्रिब्यूनल्स) एक्ट यानी आईएमडीटी एक्ट लागू किया गया। यह कानून केवल असम में लागू था और इसका उद्देश्य अवैध प्रवासियों की पहचान करना बताया गया था। साथियों, आईएमडीटी एक्ट की सबसे बड़ी विशेषता और विवाद यही था कि इसमें किसी व्यक्ति को विदेशी साबित करने की जिम्मेदारी राज्य और शिकायतकर्ता पर डाली गई थी। भारत के बाकी हिस्सों में लागू फॉरेनर्स एक्ट,1946 के तहत यदि किसी व्यक्ति पर विदेशी होने का संदेह होता था तो उस व्यक्ति को स्वयं साबित करना पड़ता था कि वह भारतीय नागरिक है।लेकिन आईएमडीटी एक्ट में उल्टा प्रावधान था। आलोचकों ने कहा कि इससे अवैध घुसपैठियों की पहचान करना लगभग असंभव हो गया। शिकायत दर्ज कराने वाले व्यक्ति को विस्तृत प्रमाण देने पड़ते थे,जबकि प्रशासनिक प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि हजारों मामलों में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ पाती थी। यही कारण था कि कई राष्ट्रवादी और क्षेत्रीय संगठनों ने इसे घुसपैठियों को संरक्षण देने वाला कानून कहना शुरू कर दिया।असम में जनसंख्या परिवर्तन को लेकर जो चिंता व्यक्त की जाती रही, उसका संबंध केवल आबादी की संख्या से नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व और सांस्कृतिक पहचान से भी था। कई जिलों में धार्मिक और भाषाई संरचना बदलने के दावे किए गए। स्थानीय संगठनों का आरोप था कि अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जा रहे हैं, जिससे चुनावी समीकरण प्रभावित हो रहे हैं। यही कारण था कि डेमोग्राफी और डेमोक्रेसी को एक-दूसरे से जोड़ा जाने लगा। आलोचकों का तर्क था कि यदि बड़ी संख्या में बाहरी लोग मतदाता बन जाते हैं तो स्थानीय समुदायों का राजनीतिक प्रभाव कमजोर हो सकता है। दूसरी ओर आईएमडीटी एक्ट के समर्थकों का कहना था कि असम में रहने वाले अनेक बंगाली भाषी मुसलमानों और गरीब नागरिकों को मनमाने ढंग से विदेशी घोषित किए जाने का खतरा था, इसलिए यह कानून मानवाधिकारों की रक्षा के लिए जरूरी था।यह विवाद अंततः भारतीय सुप्रीम कोर्ट तक पहुँचा। वर्ष 2005 में सुप्रीम कोर्ट ने आईएमडीटी एक्ट को रद्द कर दिया। अदालत ने कहा कि यह कानून अवैध घुसपैठ रोकने में प्रभावी साबित नहीं हुआ और इसने विदेशी पहचान की प्रक्रिया को अत्यधिक कठिन बना दिया। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि असम की जनसांख्यिकीय स्थिति और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसके बाद असम में भी विदेशी नागरिकों की पहचान के लिए फॉरेनर्स एक्ट के नियम लागू किए गए। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को कई लोगों ने राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से ऐतिहासिक माना, जबकि कुछ मानवाधिकार संगठनों ने चिंता व्यक्त की कि इससे निर्दोष नागरिकों को परेशान किए जाने की संभावना सटीकता से बढ़ सकती है। साथियों, अब वर्ष 2026 में केंद्र सरकार जिस मिशन डेमोग्राफी की बात कर रही है, उसकी वैचारिक पृष्ठभूमि कहीं न कहीं इसी ऐतिहासिक बहस से जुड़ी हुई दिखाई देती है। गृह मंत्रालय द्वारा गठित नई उच्चस्तरीय समिति का उद्देश्य केवल अवैध घुसपैठ की पहचान करना नहीं बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों का वैज्ञानिक और साक्ष्य- आधारित अध्ययन करना बताया गया है। समिति की अध्यक्षता जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर को सौंपी गई है, जो सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और मध्य प्रदेश के पूर्व लोकायुक्त रह चुके हैं। समिति में पूर्व नौकरशाह, पुलिस अधिकारी, आर्थिक विशेषज्ञ और जनगणना आयुक्त जैसे सदस्य शामिल किए गए हैं ताकि इस संवेदनशील विषय का बहुआयामी अध्ययन किया जा सके।समिति को जिन प्रमुख कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है, वे इस मुद्दे की गंभीरता को दर्शाते हैं। इसे अवैध आप्रवास सहित जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के कारणों का अध्ययन करना है। सीमा पार गतिविधियाँ, आर्थिक अवसर, नियोजित प्रवासन, असामान्य बसावट पैटर्न और सामाजिक- पर्यावरणीय कारकों की भूमिका का विश्लेषण करना है। समिति धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर संरचनात्मक जनसंख्या परिवर्तनों का अध्ययन करेगी, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ आँकड़े राष्ट्रीय प्रवृत्तियों से अलग दिखाई देते हैं। साथ ही इसे अवैध आप्रवासियों की कानूनी, निष्पक्ष और समयबद्ध पहचान, हिरासत और निर्वासन के लिए स्थायी संस्थागत ढाँचे की सिफारिश करने का कार्य भी सौंपा गया है।साथियों सरकार की 3डी नीति,डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट—इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है। डिटेक्ट का अर्थ है अवैध प्रवासियों की पहचान करना, डिलीट का अर्थ मतदाता सूची या सरकारी रिकॉर्ड से फर्जी नाम हटाना और डिपोर्ट का मतलब अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को वापस भेजना। सरकार का दावा है कि यह अभियान केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न है। सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ, नकली दस्तावेज, आतंक वित्तपोषण, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसी गतिविधियों को इससे जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि गृह मंत्री अमित शाह ने सभी सीमाओं पर 360 डिग्री प्लान लागू करने की बात कही है, जिसमें सीमा सुरक्षा बल, खुफिया एजेंसियाँ, केंद्रीय विभाग और राज्य सरकारें मिलकर काम करेंगी।हालाँकि इस पूरे मुद्दे का राजनीतिक आयाम भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। वेस्ट बंगाल में चुनावों के दौरान बीजेपी ने अवैध घुसपैठ को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था। पार्टी का आरोप रहा है कि सीमावर्ती इलाकों में अवैध प्रवास के कारण जनसंख्या संतुलन और चुनावी राजनीति प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार इस मुद्दे का राजनीतिक ध्रुवीकरण के लिए उपयोग करती है। आलोचकों का तर्क है कि जनसंख्या परिवर्तन केवल अवैध घुसपैठ का परिणाम नहीं होता; इसके पीछे रोजगार, शहरीकरण, आंतरिक पलायन, आर्थिक अवसर और सामाजिक गतिशीलता जैसे अनेक कारण भी होते हैं। इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले विस्तृत तथ्यात्मक अध्ययन आवश्यक है।इसी कारण नई समिति का गठन महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि सरकार इसे साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का आधार बता रही है। समिति को एक वर्ष के भीतर रिपोर्ट सौंपनी है और आवश्यकता पड़ने पर छह महीने का विस्तार भी दिया जा सकता है। माना जा रहा है कि रिपोर्ट के आधार पर सीमा प्रबंधन, नागरिक पहचान प्रणाली, जनसंख्या निगरानी और अवैध प्रवासियों की पहचान को लेकर बड़े प्रशासनिक और कानूनी कदम उठाए जा सकते हैं। साथियों, इस बहस का एक महत्वपूर्ण पहलू मानवाधिकार और संवैधानिक संतुलन भी है। भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य है जहाँ कानून का शासन सर्वोच्च माना जाता है। इसलिए किसी भी कार्रवाई में यह सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि वास्तविक भारतीय नागरिकों को परेशान न किया जाए और नागरिक अधिकारों का उल्लंघन न हो। यही कारण है कि विशेषज्ञ बार-बार कानूनी, निष्पक्ष और समयबद्ध प्रक्रिया की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित किया जाता है तो उसके लिए पर्याप्त कानूनी प्रक्रिया, अपील का अधिकार और दस्तावेजी सत्यापन आवश्यक होगा। साथियों अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अवैध प्रवासन और जनसांख्यिकीय परिवर्तन आज कई देशों के लिए बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुके हैं। यूरोप, अमेरिका और एशिया के अनेक देशों में सीमा सुरक्षा, अवैध आप्रवास और राष्ट्रीय पहचान को लेकर तीखी बहसें चल रही हैं। भारत में भी यही विमर्श अब अधिक संस्थागत और नीति-आधारित रूप लेता दिखाई दे रहा है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मिशन डेमोग्राफी केवल अवैध घुसपैठ के विरुद्ध अभियान नहीं बल्कि भारत के भविष्य की सामाजिक, राजनीतिक और सुरक्षा संरचना से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। एक पक्ष इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और लोकतांत्रिक संतुलन की रक्षा के लिए आवश्यक कदम मानता है, जबकि दूसरा पक्ष आशंका व्यक्त करता है कि इस मुद्दे का राजनीतिक और सांप्रदायिक उपयोग हो सकता है। आईएमडीटी एक्ट से लेकर आज की हाई-लेवल कमेटी तक की यात्रा यह दिखाती है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

अनुभवहीन नेतृत्व और अस्थिर राजनीति के बीच जूझता नेपाल नई राजनीति के सपनों से मोहभंग

नेपाल में भ्रष्टाचार बेरोजगारी और पारंपरिक राजनीतिक दलों के खिलाफ उठे युवा विद्रोह ने जिस उम्मीद के साथ नई राजनीति को जन्म दिया था अब वही उम्मीद निराशा में बदलती दिखाई दे रही है। 27 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री बने रैपर बालेंद्र शाह उर्फ बालेन को युवाओं ने परिवर्तन का प्रतीक माना था। माना गया था कि वे पुराने नेताओं की विफलताओं को पीछे छोड़कर नेपाल को नई दिशा देंगे। लेकिन महज 60 दिनों के भीतर उनकी सरकार सवालों के घेरे में आ गई है। जनता पूछ रही है कि केवल लोकप्रियता और आक्रोश के सहारे क्या कोई देश चलाया जा सकता है। क्या अनुभव के बिना शासन संभव है। क्या भाषण और सोशल मीडिया की लोकप्रियता प्रशासनिक क्षमता का विकल्प बन सकती है।

नेपाल में आज जो स्थिति बन रही है वह केवल एक व्यक्ति की विफलता नहीं बल्कि उस सोच की विफलता है जिसमें अनुभव को महत्वहीन मान लिया गया था। युवा पीढ़ी ने पुराने दलों से नाराज होकर बदलाव तो चुना लेकिन शासन चलाने के लिए केवल गुस्सा पर्याप्त नहीं होता। प्रशासन कानून विदेश नीति अर्थव्यवस्था और सामाजिक संतुलन को संभालने के लिए अनुभव और परिपक्वता दोनों जरूरी होते हैं। यही कारण है कि बालेन सरकार अब बैकफुट पर दिखाई दे रही है।

वादों और वास्तविकता के बीच सरकार फंसी नजर आ रही है।

बालेन सरकार ने सत्ता में आते ही 100 सूत्रीय शासन सुधार एजेंडा पेश किया था। दावा किया गया था कि भ्रष्टाचार खत्म होगा बेरोजगारी कम होगी और प्रशासन को पारदर्शी बनाया जाएगा। लेकिन सरकार की अपनी वेबसाइट गवर्नमेंट ट्रैकर के अनुसार अधिकांश योजनाएं लंबित हैं। दो महीने में ही सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। जनता को लगने लगा है कि बड़े बड़े वादे केवल भाषणों और वेबसाइटों तक सीमित रह गए हैं।

सबसे बड़ा सवाल प्रधानमंत्री की कार्यशैली को लेकर उठ रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान बेहद कम बोलने वाले बालेन ने प्रधानमंत्री बनने के बाद भी देश को संबोधित नहीं किया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस तक नहीं की। संसद से अचानक गायब होना और राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान सदन छोड़ देना लोकतांत्रिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है। लोकतंत्र में जनता संवाद चाहती है लेकिन यहां संवाद की जगह चुप्पी दिखाई दे रही है।

भारत विरोधी फैसलों सेभी नाराजगी बढ़ी है।नेपाल की अर्थव्यवस्था काफी हद तक भारत पर निर्भर है। रोजमर्रा की वस्तुओं से लेकर दवाइयों और खाद्य सामग्री तक बड़ी मात्रा में सामान भारत से नेपाल जाता है। ऐसे में बालेन सरकार द्वारा भारतीय सामानों पर भारी टैक्स लगाना आम लोगों और व्यापारियों को परेशान कर रहा है। 100 नेपाली रुपए से अधिक मूल्य के सामानों पर 5 से 80 प्रतिशत तक टैक्स लगाने के फैसले ने बाजार में असंतोष बढ़ा दिया है।

नेपाल के कई व्यापारी इसे अघोषित नाकाबंदी बता रहे हैं। आम जनता को लग रहा है कि सरकार ने भावनात्मक राजनीति के दबाव में ऐसा फैसला लिया है जिसका आर्थिक नुकसान जनता को भुगतना पड़ रहा है। किसी भी देश की विदेश नीति भावनाओं के आधार पर नहीं बल्कि व्यावहारिकता के आधार पर चलती है। भारत और नेपाल के बीच रोटी बेटी का संबंध रहा है। ऐसे में आर्थिक टकराव नेपाल जैसे छोटे देश के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

बालेन सरकार ने छात्र संगठनों और कर्मचारी यूनियनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए अध्यादेश जारी किए लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उन पर रोक लगा दी। इससे सरकार और न्यायपालिका के बीच टकराव की स्थिति बन गई। लोकतंत्र में संस्थाओं के बीच संतुलन जरूरी होता है लेकिन अनुभवहीन नेतृत्व अक्सर जल्दबाजी में ऐसे फैसले ले लेता है जिनसे संवैधानिक संकट पैदा हो जाता है।

काठमांडू घाटी में हजारों झुग्गियों और अवैध ढांचों को तोड़ा गया। इस कार्रवाई में हजारों गरीब और भूमिहीन लोग बेघर हो गए। सरकार पुनर्वास की स्पष्ट योजना तक नहीं दे सकी। एमनेस्टी इंटरनेशनल और संयुक्त राष्ट्र ने भी इस कार्रवाई की आलोचना की। जनता के बीच यह संदेश गया कि सरकार विकास के नाम पर गरीबों के प्रति संवेदनहीन हो रही है।

किसी भी सरकार की असली परीक्षा संकट के समय होती है। यदि विकास योजनाओं में मानवीय दृष्टिकोण न हो तो जनता का भरोसा टूटने लगता है। यही स्थिति नेपाल में दिखाई दे रही है। गरीबों और युवाओं ने जिस उम्मीद के साथ नई सरकार को चुना था वही अब आक्रोश में बदल रही है।

मंत्रियों के इस्तीफे और बढ़ती अव्यवस्था

बालेन सरकार के दो प्रमुख मंत्रियों को पद छोड़ना पड़ा। श्रम मंत्री दीपक शाह पर पत्नी की गलत नियुक्ति का आरोप लगा जबकि गृह मंत्री सूदन मुरंग एक कारोबारी से रिश्तों के कारण जांच के घेरे में आ गए। इससे सरकार की साख को बड़ा झटका लगा है। जनता पूछ रही है कि जब नई राजनीति का दावा किया गया था तो फिर पुराने तरीके क्यों अपनाए जा रहे हैं।

नेपाल की राजनीति लंबे समय से अस्थिरता का शिकार रही है। वहां सरकारें बनती और गिरती रही हैं। लेकिन नई सरकार से उम्मीद थी कि वह कम से कम प्रशासनिक स्थिरता और नैतिकता का उदाहरण पेश करेगी। दुर्भाग्य से ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है।

नेपाल का लोकतांत्रिक इतिहास लगातार अस्थिरता से भरा रहा है। राजशाही के अंत और गणतंत्र की स्थापना के बाद भी वहां राजनीतिक दल स्थायी शासन देने में सफल नहीं रहे। बार बार सरकारें बदली गईं। गठबंधन टूटते रहे और सत्ता संघर्ष चलता रहा। यही कारण है कि नेपाल में विकास की गति धीमी रही।

नेपाल में बहुत कम सरकारें अपना पूरा कार्यकाल पूरा कर पाई हैं। पूर्व प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला से लेकर पुष्पकमल दहल प्रचंड और केपी शर्मा ओली तक कई नेताओं की सरकारें राजनीतिक संकटों में घिरती रहीं। केपी शर्मा ओली की सरकार अपेक्षाकृत स्थिर मानी गई लेकिन वह भी अंततः विवादों और आंतरिक संघर्षों का शिकार हो गई। इसका सबसे बड़ा कारण यह रहा कि नेपाल की राजनीति में विचारधारा से अधिक सत्ता संघर्ष हावी रहा है।

अब बालेन सरकार भी उसी रास्ते पर जाती दिखाई दे रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार सत्ता में पारंपरिक नेता नहीं बल्कि एक ऐसा चेहरा है जिसे प्रशासनिक अनुभव नहीं है। इससे यह साबित होता है कि केवल नया चेहरा होना पर्याप्त नहीं होता। शासन चलाने के लिए अनुभव संगठन क्षमता और निर्णय लेने की परिपक्वता आवश्यक होती है।

अनुभव का कोई विकल्प नहीं

जीवन हो या राजनीति अनुभव सबसे बड़ी पूंजी होता है। जो व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में खुद को साबित करता है वही नेतृत्व के योग्य माना जाता है। अनुभवहीन व्यक्ति सपने तो दिखा सकता है लेकिन उन सपनों को धरातल पर उतारना उसके लिए कठिन होता है। नेपाल में यही हो रहा है। बालेन शाह ने युवाओं की भावनाओं को समझा लेकिन प्रशासनिक चुनौतियों को समझने में वे कमजोर साबित हो रहे हैं।

राजनीति केवल लोकप्रियता का खेल नहीं है। यहां धैर्य संवाद दूरदृष्टि और संस्थाओं के साथ संतुलन बनाकर चलना पड़ता है। यदि नेतृत्व जल्दबाजी में फैसले लेगा तो उसका परिणाम अराजकता के रूप में सामने आएगा। नेपाल की मौजूदा स्थिति यही संकेत दे रही है।

नेपाल के सामने सबसे बड़ी चुनौती है।नेपाल आज दोहरी चुनौती से जूझ रहा है। एक ओर जनता पुराने राजनीतिक दलों से निराश है दूसरी ओर नई राजनीति भी भरोसा कायम नहीं कर पा रही है। इससे लोकतंत्र के प्रति लोगों का विश्वास कमजोर हो सकता है। यदि जनता को हर बार केवल असफलता मिलेगी तो निराशा और अस्थिरता बढ़ेगी।

नेपाल को अब ऐसी राजनीति की जरूरत है जिसमें युवाओं की ऊर्जा और अनुभवी नेतृत्व दोनों का संतुलन हो। केवल विरोध की राजनीति से देश नहीं चलता। शासन के लिए व्यावहारिक सोच मजबूत प्रशासनिक समझ और जिम्मेदारी जरूरी होती है। नेपाल को ऐसे नेताओं की आवश्यकता है जो लोकप्रियता से आगे बढ़कर स्थिरता और विकास पर ध्यान दें।

आज नेपाल की जनता यह समझने लगी है कि परिवर्तन का मतलब केवल नया चेहरा नहीं होता। असली परिवर्तन वह होता है जो व्यवस्था को बेहतर बनाए, जनता का विश्वास जीते और देश को स्थिरता दे। यदि नई राजनीति भी पुरानी गलतियों को दोहराएगी तो जनता का मोहभंग होना स्वाभाविक है।

कांतिलाल मांडोत

(विश्व माता पिता दिवस 1जून पर विशेष)

माता-पिता की निस्वार्थ सेवा करनी चाहिए

-संजय गोस्वामी

हर बच्चे को श्रवण कुमार की तरह अपने माता-पिता की निस्वार्थ सेवा करनी चाहिए। यही उनका सबसे बड़ा कर्तव्य है त्रेता युग में श्रवण कुमार नाम का एक बालक था। उनके माता-पिता अंधे थे और उन्होंने कई कठिनाइयों का सामना करते हुए श्रवण का पालन-पोषण किया। श्रवण कुमार बचपन से ही अपने माता-पिता का बहुत सम्मान करते थे। जैसे-जैसे श्रवण बड़ा हुआ, उसने घर की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली।हर दिन, वह सुबह उठकर सबसे पहले अपने माता-पिता को स्नान कराने के लिए तालाब से पानी लाता था। इसके बाद वह तुरंत जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने चला जाता। फिर लकड़ी लाकर श्रवण चूल्हा जलाता और अपने माता-पिता के लिए खाना बनाता।श्रवण को इतनी मेहनत करते देख उसकी माँ हमेशा उसे डांटती रहती थी। वह कहती थी, श्रवण बेटा, तुम अकेले इतना काम क्यों करते हो? आप मुझे खाना बनाने दीजिए, मैं इसे आसानी से बना लूंगा. इसके बजाय, तुम्हें थोड़ा आराम करना चाहिए। अपनी माँ की ये बातें सुनकर श्रवण कुमार ने कहा, नहीं माँ, मैं ये सब काम सिर्फ आपके लिए करता हूँ। माँ-बाप के लिए किये गये काम में कैसी थकान? इसके विपरीत, मुझे खुशी महसूस होती है। श्रवण कुमार की ये बातें सुनकर उनकी मां भावुक हो गईं. वह प्रतिदिन ईश्वर से प्रार्थना करती थी, हे प्रभु! हर माता-पिता को श्रवण जैसा बेटा मिले जो इतना ख्याल रखने वाला हो।श्रवण के माता-पिता नियमित रूप से भगवान की पूजा करते थे। वह उनके लिए फूल और अन्य पूजा सामग्री लाता था। फिर वह स्वयं बिना किसी देरी के अपने माता-पिता के साथ पूजा में शामिल हो जाता। धीरे-धीरे श्रवण कुमार बड़े हो गए और घर का काम जल्दी-जल्दी निपटाकर काम पर निकल जाते।एक दिन श्रवण अपने माता-पिता के साथ बैठा था, तभी उन्होंने श्रवण से कहा, 卐बेटा, तुमने हमारी हर इच्छा पूरी कर दी है। अब हमारी एक ही इच्छा है, जिसे हम पूरा करना चाहते हैं.यह सुनकर श्रवण ने उनसे पूछा, आपकी शेष इच्छा क्या है जिसे आप पूरा करना चाहते हैं? आप बस ऑर्डर करें, मैं तुम्हारी हर इच्छा पूरी करूंगा। इस पर श्रवण के पिता ने कहा, 卐बेटा! अब हम बूढ़े हो गए हैं और मरने से पहले तीर्थयात्रा पर जाना चाहते हैं। ईश्वर की शरण में जाकर हमें शांति मिलेगी 卐अपने माता-पिता की बात सुनकर श्रवण कुमार सोचने लगे कि वह उनकी इच्छा कैसे पूरी करेगा। उस समय बस और ट्रेन की सुविधा नहीं थी। साथ ही उसके माता-पिता भी नहीं देख सके. ऐसे में उन्हें तीर्थयात्रा पर भेजना कैसे संभव होगा ?तब श्रवण कुमार को एक युक्ति सूझी। वह तुरन्त बाहर गया और वहाँ से दो बड़ी टोकरियाँ ले आया। उसने उन दोनों टोकरियों को एक मोटी रस्सी की सहायता से एक मजबूत खंभे पर लटकाकर एक बड़ा पैमाना बनाया।फिर श्रवण कुमार ने अपने माता-पिता को उस तराजू पर एक-एक करके अपनी गोद में बैठाया। इसके बाद उन्होंने तराजू अपने कंधों पर उठा लिया और तीर्थ यात्रा पर निकल पड़े. वह अपने माता-पिता को कुछ दिनों तक लगातार एक के बाद एक सभी तीर्थों पर ले जाने लगा। इसी दौरान श्रवण कुमार अपने माता-पिता को प्रयाग से काशी की यात्रा पर ले गये।श्रवण कुमार अपने माता-पिता को घुमाते समय उन स्थानों के बारे में बताते थे, क्योंकि वह वह दृश्य अपनी आँखों से नहीं देख पाते थे। उनके माता-पिता अपने बेटे की मेहनत देखकर बहुत खुश हुए।एक दिन उन्होंने श्रवण से कहा, "बेटा, हम देख नहीं सकते, लेकिन हमें इस बात का कभी दुख नहीं हुआ. आप हमारे लिए हमारी आंखें हैं. जिस प्रकार आपने हमें सभी तीर्थों की कथा सुनाई है और उनके दर्शन कराये हैं, उससे ऐसा प्रतीत होता है जैसे हमने सचमुच प्रभु को अपनी आँखों से देख लिया है। अपने माता-पिता की बात सुनकर श्रवण ने कहा, आप लोग ऐसी बातें नहीं करते। माता-पिता कभी भी बच्चों के लिए बोझ नहीं होते। यह बच्चों का धर्म है।卐 एक दिन श्रवण कुमार अपने माता-पिता के साथ आराम करने के लिए अयोध्या के पास रुके। तभी उनकी मां ने पानी पीने की इच्छा जताई. श्रवण को पास ही एक नदी दिखाई दी। उसने अपने माता-पिता से कहा, तुम दोनों यहीं आराम करो, मैं अभी तुम्हारे लिए पानी लेकर आता हूँ।नदी के पास पहुंचकर श्रवण कुमार कमंडल में जल भरने लगे। उसी जंगल में अयोध्या के राजा दशरथ भी शिकार के लिए पहुंचे थे। पानी में हलचल की आवाज सुनकर उन्हें लगा कि कोई जानवर पानी पीने आया है। उसने बिना देखे, सिर्फ आवाज सुनकर तीर चला दिया। दुर्भाग्यवश इसकी मार सीधे श्रवण कुमार पर पड़ी। तीर लगते ही वह चिल्ला उठा।इसके बाद जब राजा दशरथ अपने शिकार को देखने आये तो श्रवण वहीं था। वह तुरंत श्रवण कुमार के पास गया और बोला, मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गयी। कृपया मुझे माफ करें। मुझे नहीं पता था कि यहां कोई इंसान होगा. मुझे इस गलती का पश्चाताप करने के लिए क्या करना चाहिए ताकि आप मुझे क्षमा कर दें ?तब कराहते हुए श्रवण कुमार ने कहा, मेरे माता-पिता यहां से थोड़ी दूरी पर जंगल में बैठे हैं। वह बहुत प्यासा है. तुम यह पानी उन तक पहुंचा दो और मेरे बारे में उन्हें कुछ मत बताना। इतना कहते-कहते श्रवण कुमार की सांसें थम गईं।श्रवण कुमार की मृत्यु से राजा दशरथ स्तब्ध हो गये। किसी तरह वह श्रवण कुमार के कहे अनुसार पानी लेकर उनके माता-पिता के पास पहुंचा। श्रवण के माता-पिता अपने बेटे की आवाज् अच्छी तरह से पहचानते थे। जब राजा दशरथ उनके पास पहुंचे तो उन्होंने आश्चर्य से पूछा, आप कौन हैं और हमारे श्रवण को क्या हुआ? वह क्यों नहीं आये? राजा दशरथ उनके प्रश्नों का उत्तर नहीं दे सके। उसने चुपचाप पानी उनकी ओर बढ़ा दिया। तभी श्रवण की माँ ने चिंतित स्वर में कहा, तुम मुझे बताते क्यों नहीं कि तुम कौन हो और मेरा बेटा कहाँ है ?श्रवण की माँ की चिंता देखकर राजा दशरथ उसने कहा, माँ, कृपया मुझे क्षमा करें। मैंने शिकार के लिये जो बाण चलाया था वह सीधा आपके पुत्र श्रवण को लगा। उन्होंने मुझे आप लोगों के बारे में बताया तो मैं पानी लेकर यहां आ गया। इतना कहकर राजा दशरथ चुप हो गये।राजा दशरथ की बातें सुनकर श्रवण की मां जोर-जोर से रोने लगीं। अपने पुत्र की मृत्यु के दु:ख में उन दोनों ने राजा दशरथ द्वारा लाये गये जल को भी नहीं छुआ। तब श्रवण के पिता ने अपने पुत्र के वियोग में राजा दशरथ को श्राप दिया। कुछ समय बाद श्रवण के माता-पिता ने अपने प्राण त्याग दिये।कहा जाता है कि श्रवण कुमार के पिता के श्राप के फलस्वरूप राजा दशरथ को अपने पुत्र राम से दूर रहना पड़ा था। राजा दशरथ के श्राप को पूरा करने के लिए भगवान राम को 14 वर्ष के वनवास में जाना पड़ा, जिससे दशरथ की पत्नी कैकेयी बनीं। श्रवण के पिता की तरह राजा दशरथ भी अपने पुत्र से दूरी सहन नहीं कर सके और उन्होंने अपने प्राण त्याग दिये। भगवान राम का सीता से विवाह होने के बाद उन्हें अयोध्या का राजा बनाना सुनिश्चित किया गया। उसकी सौतेली माँ उन्हें राजा न बनाकर अपने बेटे भरत को राजा बनाना चाहती थी । इसलिए उन्होंने, राजा दशरथ को राम को 14 साल के लिए वनवास भेजने के लिए कहा। चूँकि दशरथ अपने वचन से बँधे थे, उन्होंने दिल पर पत्थर रखकर यह सब किया। भगवान राम अपनी पत्नी और छोटे भाई लक्ष्मण के साथ वनवास के लिए जंगल चले गए।

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। एजेंसी। आयातित मालों में बने नरमी के रूख से आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार नरमी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बने रहे। दलहनों में उड़द में मामूली लटक रही। चने में मजबूती आयी। किराना जिंसों में शक्कर में तेजी दर्ज हुई।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। ट्रक भाड़ों में वृद्धि के बाद जिंसों में अंदरूनी तेजी की धारणा बनने लगी है। शक्कर में पूछपरख के बाद भावों में तेजी देखी गयी। शक्कर बाजार 20-50 रू. प्रति क्विंटल की तेजी आयी और शक्कर बाजार 4240-4320 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। खोपरा गोला 390-440 रू. प्रति किलो पर मजबूती देखी गयी। कालीमिर्च में दिसावरी तेजी के चलते बाजार 770-800 रू. प्रति किलो पर मजबूती के देखे गये। सूखे मेवों में पूछपरख से बादाम में बाजार 840-860 रू. प्रति किलो पर सुर्ख देखे गये। नारियलों में सामान्य कामकाज के बीच बाजार बने रहे।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार सुस्त नज़र आये। सींगदाना तेलों में छुटपुट पूछपरख से बाजार 1630-1650 रू. प्रति 10 किलो पर मजबूत देखे गये। सोया व कपास्या तेलों में व्यापार की मात्रा कम रही। आयातित मालों में बनी सुस्ती के मद्देनजर सोया तेलों में 20-25 रू. प्रति 10 किलो तक की गिरावट आयी और सोया तेल रिफाइंड मालों में बाजार 1500-1505 से टूटकर 1460-1485 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सरसो 8000-8300 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। सोयाबीन में बाजार 7200 रू. प्रति क्विंटल पर मामूली कमजोर रहे।

दाल दलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय अनाज मंडी में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चने में पूछपरख से बाजार मजबूती बनाये रहे। चना अच्छे मालों में 6200-6250 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहा। तुअर में लेवाली अच्छी रहने से भावों में सुर्खी बनी। तुअर निमाड़ी अच्छे मालों में 6400-7500 रू. प्रति क्विंटल के बीच रहा। उड़द-मूंग में सप्ताह के दौरान व्यापार सामान्य ही रहा। उड़द बाजार क्वालिटीनुसार 8200-8600 रू. प्रति क्विंटल पर रहे। वहीं, मूंग में बाजार मजबूती के साथ 8100-8300 रू. प्रति क्विंटल पर सुर्ख देखे गये। मसूर में लेवाली वाली बात नहीं है। मसूर में बाजार 6100-6200 रू. प्रति क्विंटल के बीच रहे।

खाद्य तेल बाजार में मिश्रित हलचल, सरसों-बिनौला चमके, सोया-पाम फिसले!

नई दिल्ली। एजेंसी। देश के तेल-तिलहन बाजारों में मई 2026 के अंतिम सप्ताह में मिला-जुला रुख देखने को मिला। जहां एक ओर अचार कंपनियों की बढ़ती मांग और मंडियों में कमजोर आवक ने सरसों व बिनौला तेल की कीमतों को मजबूती दी, वहीं दूसरी ओर भारतीय रुपये की डॉलर के मुकाबले शानदार रिकवरी के चलते सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आगामी बरसात को देखते हुए अचार बनाने वाली कंपनियों की बड़ी खरीदारी और सरसों की कमजोर आवक ने इसके दामों को मजबूत किया। इसी क्रम में, कपास की आवक घटने से बिनौला तेल की उपलब्धता प्रभावित हुई, जिससे इसकी कीमतों में भी सुधार आया। सरकार ने कपड़ा मिलों को राहत देने के लिए कपास पर लगने वाले 10 फीसदी आयात शुल्क को शून्य कर दिया है। इसके विपरीत, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये की शानदार रिकवरी ने विदेशों से खाद्य तेलों का आयात सस्ता कर दिया। इस वजह से सोयाबीन, पाम और पामोलीन तेलों में गिरावट दर्ज हुई। सरकार ने कच्चे पाम तेल और पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि की, जबकि सोयाबीन डीगम तेल के शुल्क मूल्य में कमी की। महाराष्ट्र और तेलंगाना में नेफेड द्वारा सोयाबीन बेचने के लिए कम बोली वाली निविदाएं निरस्त कर दी गईं, जिसके बाद जानकारों ने किसानों के हित में अगले कुछ महीनों तक सोयाबीन की सीमित बिक्री की सिफारिश की है। मूंगफली तेल के दाम इस हफ्ते स्थिर बने रहे। यह फिलहाल आयातित सूरजमुखी तेल से सस्ता मिल रहा है, हालांकि इसका दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चल रहा है। बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में एक मिली-जुली तस्वीर सामने आई। जहां सरसों और बिनौला तेल के भावों में तेजी दर्ज की गई, वहीं सोयाबीन और पाम तेल गिरावट के साथ बंद हुए। इस बीच, बाजार विशेषज्ञों ने देश में तिलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों के धान की ओर बढ़ते रुझान पर चिंता जताई है। बंद भावों के अनुसार, सरसों दाना 150 रुपए की तेजी के साथ 7,775-7,800 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सरसों तेल (थोक) और बिनौला तेल में भी क्रमश: 50 और 75 रुपए प्रति क्विंटल का सुधार देखा गया। दूसरी ओर, सोयाबीन दाना 200 तक टूटकर 7,425-7,475 रुपए प्रति क्विंटल रहा, जबकि सोयाबीन तेल में 100 से 140 रुपए तक की गिरावट आई। पाम ऑयल भी 25 से 125 रुपए तक फिसला। मूंगफली तेल स्थिर बना रहा। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि पारंपरिक तिलहन उत्पादक राज्यों में किसानों के धान की खेती की ओर मुड़ने के कारणों की गंभीरता से समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि इन मुद्दों को हल करके ही भारत खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

अदाणी समूह की नई उड़ान, कानूनी चुनौतियों से बाहर आकर ऊर्जा-डिजिटल इंफ्रा पर फोकस

नई दिल्ली। एजेंसी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने शेयरधारकों को भेजे अपने वार्षिक पत्र में घोषणा की है कि समूह ने अमेरिका में चल रही कानूनी चुनौतियों को पीछे छोड़ दिया है। अब समूह ऊर्जा, परिवहन, लॉजिस्टिक और डिजिटल अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों में निवेश की गति बढ़ा रहा है, विशेषकर कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित विकास से पैदा होने वाली विशाल मांग को पूरा करने के लिए। गौतम अदाणी ने आश्वस्त किया कि पिछले वर्ष की चुनौतियों और गहन जांच-पड़ताल के बावजूद, समूह अपनी विस्तार रणनीति पर अडिग रहा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कानूनी मामले अब पीछे छूट चुके हैं, और समूह नए आत्मविश्वास के साथ विकास के अगले चरण पर केंद्रित है। अदाणी एंटरप्राइजेज के 24,930 करोड़ रुपये के राइट्स इश्यू की सफलता को उन्होंने निवेशकों के भरोसे का प्रतीक बताया। भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डालते हुए अदाणी ने अवसंरचना और मेधा (इंटेलिजेंस) पर जोर दिया। उनका मानना है कि एआई के व्यापक उपयोग के लिए बिजली उत्पादन, पारेषण नेटवर्क, डेटा सेंटर और लॉजिस्टिक अवसंरचना में भारी निवेश आवश्यक होगा, क्योंकि एआई के सोचने से पहले ऊर्जा का प्रवाह होना जरूरी है।

आरबीआई, जीडीपी और वैश्विक आंकड़े तय करेंगे घरेलू शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ समाप्त किया, लेकिन निवेशकों की असली परीक्षा अब आने वाले सप्ताह में होगी। 1 जून से 5 जून के बीच कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक आंकड़े और नीतिगत फैसले बाजार की चाल को निर्धारित करेंगे। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक, देश की जीडीपी रिपोर्ट, पीएमआई आंकड़े और अमेरिका से आने वाले रोजगार संबंधी डेटा निवेशकों के लिए अहम साबित होंगे। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों ने गिरावट दर्ज की। बीएसई का सेंसेक्स 0.85 फीसदी टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 0.72 फीसदी गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। अब बाजार की नजर अगले हफ्ते (1 जून से 5 जून) आने वाले कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और नीतिगत फैसलों पर रहेगी, जो बाजार की अगली दिशा तय करेंगे। सप्ताह की शुरुआत में 1 जून को मई महीने के मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स आंकड़े जारी होंगे, जो देश की औद्योगिक गतिविधि का संकेत देंगे। इसी दिन ऑटो कंपनियों की बिक्री के आंकड़े भी आएंगे, जो उपभोक्ता मांग की तस्वीर स्पष्ट करेंगे। इसके बाद, 5 जून को भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े जारी किए जाएंगे। यह आंकड़ा देश की आर्थिक वृद्धि दर का मूल्यांकन करेगा और निवेशकों को अर्थव्यवस्था की समग्र सेहत समझने में मदद करेगा। इस दौरान निवेशकों की सबसे बड़ी नजर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर होगी, जो 3 से 5 जून तक चलेगी। गवर्नर संजय मल्होत्रा 5 जून की सुबह फैसलों का एलान करेंगे। बाजार बेसब्री से यह देखना चाहेगा कि क्या ब्याज दरों में कोई बदलाव होगा या दरों को स्थिर रखा जाएगा। यह फैसला बैंकिंग शेयरों और ऋण बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, 3 जून को अमेरिका से रोजगार और सर्विस सेक्टर से जुड़े अहम आंकड़े आएंगे, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत देंगे और फेडरल रिजर्व की ब्याज दर कटौती की संभावनाओं पर असर डालेंगे। 5 जून को अमेरिका में बेरोजगारी दर के आंकड़े भी जारी होंगे।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में स्थिरता बरकरार

नई दिल्ली। एजेंसी। दिल्ली, मुंबई सहित देश के प्रमुख शहरों में आज 31 मई को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल विपणन कंपनियों ने घरेलू और व्यावसायिक दोनों तरह के सिलेंडरों के दाम यथावत रखे हैं, जिससे उपभोक्ताओं को फिलहाल किसी नई बढ़ोतरी या राहत का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह स्थिरता ऐसे समय में आई है जब पिछले तीन महीनों में ईरान युद्ध के चलते विभिन्न ईंधनों (एलपीजी, सीएनजी, पेट्रोल और डीजल) की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया है। राजधानी दिल्ली में रविवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर 913 रुपये में मिल रहा है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 912.50 रुपये है। कोलकाता में यह 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये पर बिक रहा है। गौरतलब है कि युद्ध शुरू होने के बाद से घरेलू सिलेंडर का दाम 60 रुपये महंगा हो चुका है। वहीं पिछले महीने व्यावसायिक सिलेंडर की कीमतों में 900 रुपये का भारी इजाफा किया गया था, जिसके बाद से इनमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में व्यावसायिक सिलेंडर आज 3071.50 रुपये में उपलब्ध है। इन सबके बीच केंद्र सरकार ने देश में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता का आश्वासन दिया है। सरकार का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में किसी को भी परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि देश में पर्याप्त मात्रा में एलपीजी स्टॉक मौजूद है। केंद्र ने घरेलू कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, जिसके परिणामस्वरूप मौजूदा समय में एलपीजी उत्पादन 52,000 टन के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी सिलेंडर बुकिंग के नियमों को भी कड़ा कर दिया गया है। अब बिना ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) के सिलेंडर प्राप्त करना संभव नहीं होगा।

पेट्रोल पर 1.5 और डीजल पर 13.50 रुपए की टैक्स कटौती करेगी सरकार

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर लगने वाली स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी में कटौती की घोषणा की है। यह फैसला 1 जून से प्रभावी होगा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी देखने को मिलने के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है, लेकिन इस कटौती का घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि यह केवल निर्यात पर लगने वाले कर में बदलाव है। सरकार की तरफ से जारी बयान के अनुसार, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाले कर में 1.5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। वहीं डीजल के निर्यात पर 13.50 रुपये प्रति लीटर और एविएशन टरबाइन फ्यूल के निर्यात पर 9.5 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। सरकार ने यह विशेष कर पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगाया था। आखिरी बार इसमें 16 मई को संशोधन किया गया था। घरेलू बाजार में रविवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। तेल कंपनियों ने पिछली बार सोमवार को घरेलू स्तर पर कीमतों में बढ़ोतरी की थी। देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मई के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। देश के कई शहरों में पेट्रोल का दाम 110 रुपये प्रति लीटर के पार पहुंच गया है। हैदराबाद में यह 115 रुपये से भी अधिक है, जबकि कोलकाता में भी 1 लीटर पेट्रोल के लिए लोगों को 110 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ रहे हैं। सरकार ने पहले घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में भी कटौती की थी, जिसमें तब से कोई बदलाव नहीं हुआ है।

मेष- आज आपकी मेहनत और लगन ऑफिस में सबका ध्यान खींचेगी। बॉस आपके काम से इतने प्रभावित रहेंगे कि प्रमोशन को लेकर चर्चा भी शुरू हो सकती है। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में थोड़ा सतर्क रहना जरूरी होगा, क्योंकि छोटी सी लापरवाही नुकसान दे सकती है। कुछ छुपे हुए विरोधी आपके काम बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए हर कदम सोच-समझकर बढ़ाएं।

वृषभ- आज का दिन धन और खुशियों की बरसात लेकर आया है। रुका हुआ पैसा वापस मिलने से मन हल्का और प्रसन्न रहेगा। बिजनेस में नई योजनाओं पर निवेश करना भविष्य में शानदार लाभ दे सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए भी अच्छे संकेत बन रहे हैं। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मिथुन- आज का दिन सामान्य लेकिन संतुलित रहेगा। परिवार में किया हुआ कोई पुराना वादा पूरा करने का समय आ गया है। लंबे समय बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है, लेकिन बीती बातों को दोहराने से बचें। कहीं घूमने-फिरने का प्लान भी बन सकता है। अपने आसपास के लोगों से निजी बातें साझा करने में सावधानी रखें।

कर्क- आज आपका मान-सम्मान और प्रभाव दोनों बढ़ने वाले हैं। हालांकि कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी से कहासुनी होने की संभावना है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। पिता की कोई बात आपको थोड़ी चुभ सकती है, लेकिन समझदारी इसी में होगी कि बात को आगे न बढ़ाएं। जल्दबाजी और भावुकता में लिया गया फैसला नुकसान दे सकता है।

सिंह- आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव और पढ़ाई के दबाव से राहत मिलेगी। किसी धार्मिक या आध्यात्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जहां नए और प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचें, वरना परेशानी बढ़ सकती है। यदि आपने किसी को उधार दिया था, तो उसके वापस मिलने की संभावना है।

कन्या- आज प्रॉपर्टी और बिजनेस से जुड़े मामलों में किस्मत आपका साथ देगी। किसी बड़ी डील को लेकर आप महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं। खास लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होगी। सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़नी चाहिए। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है, जिससे घर में उत्साह बना रहेगा।

तुला- आज नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन बेहद खास रहेगा। मनपसंद काम मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा और भाई-बहनों का सहयोग भी आपको मजबूती देगा। घर के बड़े सदस्यों के साथ बिताया गया समय आपकी कई परेशानियों का समाधान निकाल सकता है। वाहन की खराबी अचानक खर्च बढ़ा सकती है। छोटे बच्चों की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी होगा।

वृश्चिक- आज आपके आसपास का माहौल बेहद खुशनुमा रहेगा और आपके चेहरे की चमक सबका ध्यान खींचेगी। जीवनसाथी नौकरी के सिलसिले में कहीं बाहर जा सकते हैं, इसलिए उनसे बातचीत में समझदारी रखें। शेयर मार्केट में बिना एक्सपर्ट सलाह के निवेश करना भारी पड़ सकता है। बिजनेस की परेशानियों को लेकर आपने जो चर्चा की थी, उसका समाधान मिलने की संभावना है। दिन धीरे-धीरे आपके पक्ष में होता नजर आएगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए बेहद खास रहने वाला है। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात आपके भविष्य के लिए नए रास्ते खोल सकती है। आसपास के लोगों को पहचानकर चलना जरूरी होगा, क्योंकि हर मुस्कुराता चेहरा सच्चा नहीं होता। सिंगल लोगों के जीवन में प्यार की एंट्री हो सकती है और दिल रोमांस से भर जाएगा। घर के लिए नई चीजें खरीदने का मन बनेगा, लेकिन खर्च करते समय बजट का ध्यान रखें। दिखावे से दूर रहेंगे, तो मन भी शांत रहेगा।

मकर- आज का दिन दोस्तों और अपनों के साथ हंसी-मजाक और मौज-मस्ती में बीतेगा। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे निभाने की पूरी कोशिश करेंगे। मन में ईर्ष्या या द्वेष जैसी भावनाएं रखने से रिश्तों में दूरी आ सकती है, इसलिए दिल साफ रखें। कोई सरकारी मामला जो लंबे समय से अटका हुआ था, उसमें अब मेहनत बढ़ानी पड़ सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपको सफलता की ओर आगे बढ़ाने वाला रहेगा। सेहत को नजरअंदाज करना नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए शरीर के संकेतों को समझें। किसी रिश्तेदार की बात दिल को ठेस पहुंचा सकती है। माता की सेहत को लेकर भी थोड़ी चिंता बनी रहेगी। पारिवारिक बिजनेस में उतार-चढ़ाव के कारण भाइयों से चर्चा करना जरूरी होगा। किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचें, वरना परेशानी में पड़ सकते हैं।

मीन- आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी सकारात्मक सोच आपको दूसरों से आगे ले जाएगी। नई नौकरी या बेहतर अवसर मिलने के योग बन रहे हैं। मन भगवान की भक्ति और आध्यात्म में डूबा रहेगा। हालांकि संतान के करियर को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है।

शब्दजाल - 8276

शब्द जाल में भारत के 10 प्रधानमंत्रियों के नाम नाम ढूंढिए, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

अ	क	ल	इं	दि	रा	गां	धी	इं	ल	ज
र	ट	ल	दे	व	गौ	ड़ा	इं	द्र	ट	वा
त	स	ल	ल	र्म	छ	मो	रा	कु	ख	ह
च	ज	ज	वि	पु	र	रा	प	मा	ली	र
म	र	दो	ग	हा	लं	र	तू	र	झ	ला
न	क	ण	प	ह	री	जी	ना	गु	घ	ल
मो	अ	स	सिं	या	प	दे	श	ज	ला	ने
ह	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ह
न	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
सिं	पा	ला	ल	ब	हा	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	बा	द	प	न

जवाहरलाल नेहरु, लालबहादुर शास्त्री, चरण सिंह, मोरारजी देसाई, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, इंद्रकुमार गुजराल, देवगौडा, अटलबिहारी, मनमोहन सिंह.

शब्दजाल - 8275 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

1 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

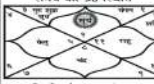

सोमवार 2026 वर्ष का 152 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत 2083
शक संवत 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 16.38 बजे को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 19.09 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 06.19 बजे को समाप्त।
करण कौलव 16.38 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 15.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 02'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1872727
जुलियन दिन 2461192.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिलहेज
तारीख 15
विशेष ईद।

ग्रह स्थिति / लग्नारंभ समय: [illegible]

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभ्रत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः जीवन का सच

एक बार किसी गांव में एक महात्मा पधारे। उनसे मिलने पूरा गांव उमड़ पड़ा। गांव के हरेक व्यक्ति ने अपनी-अपनी जिज्ञासा उनके सामने रखी। एक व्यक्ति ने महात्मा से पूछा, 'महात्मा जी, ऐसा क्या करें, जिससे जीवन की सभी चिंताओं से मुक्ति मिल जाए और कोई भी काम अधूरा न रहे।' यह सुनकर महात्मा जी मुस्कराए, फिर उन्होंने कहा, 'पहले तुम मुझे कुछ जिंदा मेंढक लाकर दो, उसके बाद तुम्हारे इस सवाल का जवाब दूंगा।' यह सुनकर लोग चकराए। लेकिन महात्मा जी का आदेश था, सो कुछ लोग जल्दी से तालाब पर पहुंचे और बड़ी मुश्किल से कुछ मेंढक पकड़ लाए। फिर महात्मा जी ने तराजू लाने को कहा। एक आदमी तराजू ले आया। महात्मा जी ने लोगों से कहा कि वे मेंढकों को तौलें और उनका कुल वजन बताएं। यह कहकर महात्मा जी चले गए। उसी व्यक्ति ने मेंढकों को तौलना शुरू किया जिसने प्रश्न किया था। उसने ज्यों ही मेंढकों को पलड़े पर रखा, कभी एक मेंढक उछलकर भाग निकलता तो कभी दूसरा। फिर लोग उन्हें पकड़कर लाते और तराजू पर रख देते। लेकिन उन्हें स्थिर रख पाना बेहद कठिन था। लोग दिन भर प्रयास करते रहे। शाम होने पर महात्मा जी फिर वहां पहुंचे। उन्होंने लोगों से यह काम बंद करने को कहा। सारे मेंढक भाग निकले। महात्मा जी ने कहा, 'जैसे इतने जिंदा मेंढकों को खुले तौर पर तौलना संभव नहीं, उसी प्रकार संसार में सब ठीकठाक करके निश्चिंत रहना संभव नहीं है। उद्यम, साहस, धैर्य, बुद्धि, शक्ति और पराक्रम, इन सद्गुणों को जीवन में धारण करो और अपना दायित्व निभाओ।'

फिल्म वर्ग पहेली- 7220

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाज़ुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरूख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक होता है गांव' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, तिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे सखिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नहीं' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रेखा, वैष्णवी की 'काले कजरारे कंवारे' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरूणा विकास निर्देशित फिल्म-२
[illegible]
२१. 'प्रहार' में छिम्मत का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लकी अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जूली' में प्रियांशु की नायिका-२
[illegible]

फिल्म वर्ग पहेली- 7219

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7529

★★★ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7528 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8744

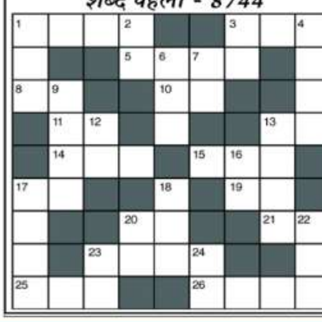

बाएँ से दाएँ

1. साले की पत्नी-4
3. उच्च कुल का -3
5. पाताल-4
8. व्यंग, चुटीली बात-2
10. दुख, कष्ट-2
11. शराब का प्याला-2
13. सत्य, तेज-2
14. जुड़वा-3
15. विश्राम, राहत-3
17. मक्का-मदीना की यात्रा-2
19. झुका हुआ-2
20. टैक्स, हाथ-2
21. होठ, अधर-2
23. सुरक्षित-4
25. नाश, विनाश, विध्वंस-3
26. निश्चित -4

ऊपर से नीचे

1. नदी-3
2. संपत्ति, धन-2
3. वंश, खानदान-2
4. उत्तमता, परिष्कृतता-4
6. समुद्र, दरिया-3
7. अंधकार-2
9. जो जायज न हो-4
12. संस्कृत में 'मेरा'-2
13. सपाट- 4
16. जांघ-2
17. पैगंबर, महापुरुष-4
18. रनिवास (उर्दू-3)
20. हुनर, फन-2
22. देह, काया-3
23. गलत का विलोम -2
24. निश्चित-2

शब्द पहेली - 8743 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

हैदराबाद व लम्बी दूरी की बसों पर परिवहन विभाग महेरबान

बस संचालक कर रहे जनता की जान से खिलवाड़

पद्मेश न्यूज। लांजी।

बालाघाट जिला इन दिनों 40 से 45 डिग्री सेल्सियस की झुलसा देने वाली भीषण गर्मी की चपेट में है। आसमान से बरसती आग के बीच सफर करना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी जिस परिवहन विभाग (आरटीओ) और यातायात पुलिस पर है, उसका एक दोहरा चेहरा सामने आया है। विभाग छोटी दूरी के बस संचालकों पर तो नियम कायदे थोपकर चालानी कार्यवाही की %वाहवाही% लूट रहा है, लेकिन दमोह-सालेटेकरी से लांजी होकर हैदराबाद जाने वाली लंबी दूरी की की बसों के आगे घुटने टेके बैठा है। बड़ा सवाल यह है कि आखिर परिवहन अधिकारी किसके दबाव में अपनी आंखें मूंदे बैठे हैं ? क्या विभाग को किसी बड़े हादसे का इंतजार है? इन बसों में मजबूरी में सफर करने वाले यात्रियों कहना है कि इन बसों पर केवल कागजी नहीं, बल्कि ऐसी दंडात्मक कार्यवाही हो जिससे इनकी मनमानी पर हमेशा के लिए लगाम लग सके।

45 डिग्री का टॉर्चर और सुविधाओं के नाम पर सन्नाटा

लगभग एक पखवाड़े पहले परिवहन विभाग ने जनता के गुस्से को शांत करने के लिए हैदराबाद जाने वाली बसों पर एक दिखावे की कार्यवाही की थी। लेकिन वह कार्यवाही महज एक छलावा साबित हुई। ढाक के तीन पात' वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए अधिकारी अब फिर से अपने दफ्तरों में बैठ गए हैं और इन रसूखदार बस संचालकों को जनता की जान से खिलवाड़ करने की खुली छूट दे दी गई है। वर्तमान में बालाघाट और हैदराबाद दोनों ही जगह तापमान रिकॉर्ड तोड़ रहा है। इतनी भीषण गर्मी में हैदराबाद जैसी लंबी दूरी (लगभग 700 से 800 किलोमीटर) का सफर तय करने वाली इन बसों में सुविधाओं के नाम पर कुछ भी नहीं है। क्षमता से दोगुनी सवारियां भेड़-बकरियों की तरह ठूंसी जा रही हैं। लंबी दूरी की बसों के लिए तय सुरक्षा मानक (जैसे इमरजेंसी गेट, फर्स्ट एड, अग्निशमन यंत्र, दुरुस्त एसी/कूलिंग) हवा में हैं। सवारियां उठाने की होड़ में ये बसें सडकों पर दौड़ नहीं रहीं, बल्कि मौत बनकर भाग रही हैं।

1 अप्रैल 2026 से नियम लागू, फिर भी खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं ऑल इंडिया परमीट बसें-

भारत सरकार के मिनीस्टरी ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एवं हाईवेस द्वारा 13 फरवरी 2024 को जारी राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से ऑल इंडिया टुरिस्ट परमीट बसों के संचालन को लेकर महत्वपूर्ण संशोधन किए गए थे, जो 01 अप्रैल 2026 से लागू हो चुके हैं।

परिवहन विभाग के नाक नीचे उड़ाई जा रही नियमों की धज्जियाँ

इन संशोधनों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि ऑल इंडिया परमीट बसों का उपयोग केवल कॉन्ट्रैक्ट कैरिज (पूर्व अनुबंध) के आधार पर हो तथा इनका संचालन मुख्य रूप से टूअर, तीर्थ यात्रा एवं ग्रुप बुकिंग के लिए सीमित रहे। स्पष्ट रूप से यह प्रावधान किया गया है कि ऐसी बसें स्टैज कैरिज (सामान्य रूट बस) की तरह कार्य नहीं कर सकतीं। लेकिन 1 अप्रैल 2026 से नियम लागू होने के बाद भी कई स्थानों पर खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ती दिखाई दे रही हैं। वर्तमान में दमोह-लांजी- हैदराबाद रूट पर कई ऑल इंडिया परमीट बसें ऐसे संचालित हो रही हैं मानो वे नियमित रूट बस हों। ये बसें रास्ते में विभिन्न स्थानों से सवारियां उठाती और उतारती हैं, प्रति यात्री किराया वसूलती है। बस स्टैंड/स्टॉप पर नियमित रूप से रुकती हैं, बिना किसी पूर्व अनुबंध के यात्रियों को ले जाती हैं। यह स्थिति उस उद्देश्य के बिल्कुल विपरीत दिखाई दे रही है, जिसके लिए यह संशोधन लागू किया गया था।

इसके अतिरिक्त, गंभीर चिंता का विषय यह भी है कि 30-40 सीटर स्लीपर क्षमता वाली बसों में 100 से अधिक यात्रियों को बैठाकर संचालन किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं, जो न केवल नियमों का उल्लंघन है बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ भी है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये बसें महाराष्ट्र एवं तेलंगाना राज्य के परिवहन चेकपोस्ट से नियमित रूप से गुजरती हैं, जिससे यह प्रश्न भी उठ रहा है कि चेकपोस्ट स्तर पर पर्याप्त निगरानी हो रही है या नहीं।

1 अप्रैल 2026 से नियम लागू होने के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब खुलेआम नियमों का उल्लंघन जारी है, तब प्रशासन इन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाता है। संबंधित विभागों से अपेक्षा है कि इस रूट पर विशेष जांच अभियान चलाए जाएं, ओवरलोडिंग एवं अवैध संचालन पर सख्त कार्रवाई की जाए, चेकपोस्ट की भूमिका की जांच सुनिश्चित की जाए, नियमों का कड़ाई से पालन करवाया जाए। अब यह प्रशासन के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है कि नियम केवल कागजों तक सीमित रहते हैं या जमीनी स्तर पर भी प्रभावी रूप से लागू होते हैं।

इनका कहना है....

हैदराबाद बस संचालको को शाम 6 बजे के बाद की अनुमति दी गई है। साथ जिस तरह छोटे रूट की बसों पर जो नियम लागू होते है वही लंबी दूरी पर चलने वाली बसों पर भी। जो भी बसें नियम विरूद्ध संचालित हो रही हैं उन पर विभाग द्वारा सख्त कार्यवाही की जाएगी।

अनिमेष गढ़पाल,
परिवहन अधिकारी बालाघाट

लांजी के ग्राम वारी में 11 केवी पोल पर काम कर रहे आउटसोर्स कर्मचारी को लगा भीषण करंट

सिविल अस्पताल लांजी में प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक, बेहतर इलाज के लिए भिलाई किया गया रवाना

पद्मेश न्यूज। लांजी। बालाघाट जिले की लांजी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम वारी में आज सुबह एक गंभीर सड़क हादसा होने से टल गया, 11 केवी विद्युत लाइन के सुधार कार्य के दौरान अचानक करंट प्रवाहित हो जाने से पोल पर चढ़ा कर्मचारी संतुलन बिगड़ने के कारण

नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम मनेरी निवासी 30 वर्षीय सतीश रहांगडाले विद्युत विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी के रूप में कार्यरत है। रविवार सुबह ग्राम वारी में 11 केवी विद्युत लाइन का एक तार इंसुलेटर से निकलकर नीचे आ गया था। इस तकनीकी खराबी को दूर करने के लिए सतीश अपने साथी कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचा था।

बताया गया है कि सुधार कार्य शुरू करने से पहले लाइन को बंद कराया गया था और इसी आधार पर सतीश विद्युत पोल पर चढ़कर काम कर रहा था। लेकिन सुबह लगभग 9ः45 बजे अचानक लाइन में करंट आ गया, जिससे सतीश का संतुलन बिगड़ गया और वह ऊंचाई से सीधे नीचे आ गिरा। इस हादसे में उसके चेहरे और दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। इस पूरे मामले पर विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया यह घटना सब-स्टेशन स्तर पर किसी तकनीकी या मानवीय त्रुटि के कारण हुई प्रतीत होती है। विभाग द्वारा मामले की विस्तृत जांच कराई जा रही है। अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि विभाग घायल कर्मचारी के उपचार को लेकर गंभीर है और उसके इलाज में हरसंभव सहयोग और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

खेत में पराली जलाने पर किसान के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए ग्राम बोरी खुर्द निवासी किसान जगपति पति तुलसीराम नागपुरे के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। यह कार्रवाई खेत में पराली जलाने से पर्यावरण को होने वाले नुकसान तथा प्रशासन द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों के उल्लंघन के चलते की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 मई को ग्राम बोरी खुर्द में जगपति नागपुरे द्वारा अपने खेत में पराली जलाए जाने की सूचना कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग को प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही संबंधित हल्का पटवारी तथा कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री इंदु उईके मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया। जांच में खेत में पराली जलाए जाने की पुष्टि होने पर कृषि विभाग द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की गई। कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री इंदु उईके ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लांजी थाना पहुंचकर संबंधित किसान के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराई। अधिकारियों के अनुसार पराली जलाने से न केवल वायु प्रदूषण बढ़ता है, बल्कि खेतों की उर्वरता भी प्रभावित होती है। इसके अलावा आग फैलने की स्थिति में आसपास के खेतों एवं किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहती है। प्रशासन का कहना है कि पराली जलाने से मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव एवं कीट नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही धुएं के कारण पर्यावरण और जनस्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी बालाघाट द्वारा जिले में खेतों में पराली जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश के तहत पराली जलाने की घटना पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध आर्थिक दंड के साथ-साथ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने का प्रावधान किया गया है। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने जिले के किसानों से अपील करते हुए कहा है कि वे पराली जलाने की बजाय उसके वैज्ञानिक प्रबंधन के उपाय अपनाएं। उन्होंने कहा कि पराली को खेत में मिलाकर जैविक खाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है, जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। उन्होंने किसानों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करने तथा पराली जलाने जैसी गतिविधियों से दूर रहने का आग्रह किया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में पराली जलाने की किसी भी घटना को गंभीरता से लिया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

कार व मोटरसाइकिल की टक्कर, युवक गंभीर रूप से घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र में लगातार सडक हादसो में ईजाफा होते ही जा रहा है। सडक सुरक्षा मानको पर जहां गंभीर सवाल खड़े हो रहे है वहीं तेज रफ्तार एवं लापरवाही पूर्वक वाहन संचालन के चलते भी लगातार सडक हादसो मे बढोतरी दिखाई दे रही है। अब किन कारणो से हादसे घटित हो रहे है यह तो गंभीर जांच का विषय है लेकिन शासन प्रशासन को सडक सुरक्षा मानको के साथ लापरवाही पूर्वक एवं नशे में वाहन चलाने वालों सक्त कार्यवाही करना अब अत्यंत लाजमी होता जा रहा है।

लांजी आमगांव मार्ग पर रात्रि 8 बजे घटित घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल, सडक पर मची अफरा तफरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार लांजी आमगांव मार्ग पर ग्राम पालडोंगरी एवं साडरा के मध्य 30 मई की रात्रि लगभग 8 बजे एक भीषण सडक हादसा घटित हुआ जिसमे एक कार और मोटर सायकल आपस में टकरा गई जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के संबध में बताया गया कि राहुल मर्सकोले (लगभग 30 वर्ष), पिता

सुखचरण मर्सकोले, निवासी वार्ड क्रमांक-1 बकरामुंडी, लांजी, अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 50 एमए 2192 से आमगांव से लांजी रात्रि लगभग 8 बजे घर लौट रहा था जैसे ग्राम साडरा और पालडोंगरी के मध्य पंहुचा तो लांजी की ओर से चौपहिया वाहन क्रमांक एमएच 35 एआर 7679 जो कि आमगांव की ओर जा रहा था उक्त स्थल पर मोटर सायकल कार से जा टकराई जिसमें युवक राहुल मोटर सायकल सहित सडक पर गिर पड़ा जिसें गंभीर चोटे आई है। इसी दौरान टक्कर मारने वाले वाहन में सवार मुलचंद गायधने, निवासी ग्राम जवरी, तहसील आमगांव (महाराष्ट्र) ने स्थानीय लोगों की सहायता से एक निजी वाहन से घायल युवक को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे उच्चस्तरीय उपचार के लिये गोंदिया रिफर कर दिया। वर्तमान में युवक की स्थिती सामान्य बताई जा रही है। वही स्थानीय लोगों का दुर्घटना को लेकर कहना है कि इस मार्ग पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सुरक्षा उपायों को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। पुलिस ने मामले की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

नकदी, जेवरात और बरसों की जमा-पूंजी गायब, मरार मोहल्ले में रहस्यमयी चोरी

पीड़ित परिवार ने थाने में की लिखित शिकायत, जांच में जुटी पुलिस

अहम बिंदुओं पर सीबीआई की गिरिबाला सिंह से पूछताछ जारी

- क्राइम सीन से छेड़छाड़, सीसीटीवी फुटेज और डिजिटल सबूतों पर फोकस

- डिजिटल सबूतों के संबंध में पूछताछ पर फोकस

- पूछताछ का अहम बिंदु, पार्लर से सीसीटीवी निकालने वालों को किसने और क्यों भेजा

11 हजार रुपये प्रति क्विंटल तक के भाव, किसान परेशान

खंडवा का हाईवे खोलेगा कमाई का रास्ता

बोरगांव-शाहपुर 4 लेन से एमपी-महाराष्ट्र की दूरी घटेगी

तेल से बाजार तक बनेगा मजबूत नेटवर्क

मप्र-महाराष्ट्र को जोड़ेगा आर्थिक गलियारा

सरकारी शिक्षकों की हाजरी पर मप्र सरकार की सख्ती

नहीं चलेगा इंटरनेट या नेटवर्क का बहाना

अब हर जिले से बुलाई जा रही कर्मचारियों की रिपोर्ट

मप्र में 16 जून से शुरू होगा नया शैक्षणिक सत्र

पेट्रोल-डीजल पर राज्य करों में 50 प्रतिशत की कटौती की जाए- अजय सिंह

कांग्रेस एक महीने खोजेगी सोशल मीडिया वॉरियर

ऑनलाइन आवेदन एक महीने चलेंगे

मध्यप्रदेश में जनगणना-2027 का पहला चरण पूरा

नई तबादला नीति के तहत कल से होंगे तबादले

शिक्षकों को मिलेगी राहत

स्वैच्छिक तबादलों को भी प्राथमिकता

पुलिस विभाग में भी बड़ी कवायद

इंजीनियरिंग विभागों में तैयारी तेज

डेढ़ करोड़ के बाद एसटीएफ ने फिर जप्त की 50 लाख की कफ सिरप

10 गिरफ्तार, बैच नंबर, एक्सपायरी डेट हटाकर बिकवाते थे नए लेबल

- एक साल में खप चुकी है 12 हजार से अधिक पेटियां

देहात इलाकों में होती थी सप्लाई

पेट्रोल डीजल की आंच सब्जी फलों से किराना तक पहुंची

पाकिस्तान ने पहले ही एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया को हराया

रावलपिंडी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। ये पाक टीम का 1000 वां एकदिवसीय मैच था। इसमें डेब्यू कर रहे ऑलराउंडर अराफात मिन्हास ने जहां 5 विकेट लिए। वहीं अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के अलावा युवा विकेटकीपर बल्लेबाज गाजी गौरी ने एक लंबी साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इस मैच मे जीत के साथ ही पाक टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है।

इस मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत खराब रही और वह 44.1 ओवर में ही 200 रनों पर आउट हो गयी। मिन्हास ने अपने पहले ही मैच में 10 ओवर में केवल 32 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने मैथ्यू शॉर्ट 55, जोश इंग्लिस 13, के अलावा मारनस लाबुशेन और कैमरून ग्रीन दोनो का हो खाता खोले दिना ही पेवेलियन भेज दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर स केवल मैट रेनशॉ ही 61 रन बना पाये। वहीं मैथ्यू शॉर्ट ने 55 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से अबरार अहमद ने दो, जबकि शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ

और सलमान आगा ने एक-एक विकेट लिया।

इसके बाद जीत के लिए 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान 28 और माज सदाकत 8 रनों पर ही पेवेलियन लौट गये। टीम ने 43 रनों पर ही 2 विकेट खो दिये थे। इसके बाद पूर्व कप्तान बाबर आजम और युवा विकेटकीपर बल्लेबाज गाजी गौरी ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिए 121 रनों की साझेदारी कर पाकिस्तान को वापसी में सहायता की। बाबर आजम ने 69 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं, गाजी गौरी ने 92 गेंदों पर 8 चौकों की सहायता से 65 रन बनाये। दोनों को नाथन एलिस ने आउट किया। मिन्हास ने केवल 17 गेंदों पर 2 चौकों और 1 छक्के की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर अब्दुल समद के साथ मिलकर 42.3 ओवर में पाकिस्तान को 5 विकेट से ऐतिहासिक जीत दिला दी।

पाकिस्तान के उभरते क्रिकेटर मिन्हास ने डेब्यू मैच में 5 विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

रावलपिंडी । पाकिस्तान के नये क्रिकेटर अराफात मिन्हास ने अपने पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट लेकर एक नया रिकार्ड बनाया है। 21 साल के स्पिनर मिन्हास ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रावलपिंडी में खेले गए पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में अपनी घातक गेंदबाजी से मेहमान टीम की बल्लेबाजी धवस्त कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इसी के साथ ही वह अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लेने वाले पाकिस्तान के पहले क्रिकेटर बन गये हैं।

इससे पहले किसी भी पाक गेंदबाज ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में इतने विकेट नहीं लिए थे। इसी के साथ ही मिन्हास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में पांच विकेट लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज भी बन गए हैं। ये भी एक बड़ी उपलब्धि है। अराफात की इस हैरतअंगेज गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने मेहमान ऑस्ट्रेलिया को महज पांच विकेट से धूल चटाई। मिन्हास के अलावा इस मैच में कप्तान बाबर आजम ने भी शानदार अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मिन्हास ने 14वें ओवर की तीसरी गेंद पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान जोश इंग्लिस को एलबीडब्ल्यू आउट कर अपना पहला विकेट लिया। इसके केवल दो गेंद बाद ही उन्होंने मार्नस लाबुशेन को भी आउट कर दिया। इसके बाद 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर उन्होंने कैमरन ग्रीन को आउट कर तीसरा विकेट लिया। वहीं ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट का भी चौथा विकेट लिया। वहीं अंतिम आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर नाथन एलिस को आउट कर अपने पांच विकेट पूरे किये।

वैभव सूर्यवंशी अब भारत ए की ओर से त्रिकोणीय सीरीज खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली । 15 साल के वैभव सूर्यवंशी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में शानदार बल्लेबाजी के बाद अब अगले माह भारत ए की ओर से ट्राई सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वैभव को घरेलू क्रिकेट के अलावा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के आधार पर भारत ए टीम में जगह मिली है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआईइ्व) ने इस उभरते हुए बल्लेबाज की धमाकेदार फॉर्म को देखते हुए उन्हें श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ होने वाली ट्राई-सीरीज के लिए टीम में शामिल किया है। वैभव ने आईपीएल में जिस प्रकार से 16 मैचों में 776 रन बनाए हैं। उससे भी चयनसमिति प्रभावित है। उनका निडर होकर खेलने का अंदाज सबको भाया है। ऐसे में अब वह

तिलक वर्मा की कप्तानी में भारत ए की ओर से खेलते हुए दिखेंगे। भारत ए टीम 9 जून से शुरू होने वाली त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। यह सीरीज आईपीएल सत्र समाप्त होते ही शुरू होगी। ये टूर्नामेंट 21 जून को समाप्त होगा।

भारतीय ए टीम को 9 जून को मेजबान श्रीलंका ए से होगा. इसके बाद 11 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ उतरेगी। 15 जून को फिर से श्रीलंका ए टीम के खिलाफ उसका मुकाबला होगा। वहीं 17 तारीख को अफगानिस्तान से दूसरे लीग मैच में टीम खेलेगी।

भारत ए टीम इस प्रकार है =

तिलक वर्मा (कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, रियान पराग (उपकप्तान), आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, हर्ष दुबे, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विप्रज निगम, यश ठाकुर, युधवीर सिंह, अंशुल कम्बोज, अरशद खान.

एशियाई खेल चयन ट्रायल्स में हार के बाद बोली विनेश फिर वापसी करुंगी

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाफ एशियाई खेल चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारने के बाद भी निराश नहीं दिखीं। विनेश ने कहा कि वह आने वाले समय में वापसी करेंगी। विनेश का ये बयान सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसके बाद से ही उनके समर्थन में लोगों ने सोशल मीडिया में लिखा है। हार के बाद भी लोगों ने विनेश के जुनून उनकी वापसी की इच्छा और पिछले कुछ समय में उनके संघर्षों को याद करते हुए उनका हौसला बढ़ाते हुए समर्थन किया है। लोगों ने अपने संदेश में कहा कि कई बाधाओं के बाद भी उसने हार नहीं मानी। विनेश के समर्थन में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी उतरे हैं। हुड्डा ने विनेश के भावुक क्षण का वीडियो साझा करते हुए उनके प्रति अपना समर्थन जताया है। उन्होंने लिखा कि दो साल तक प्रतिस्पर्धी कुश्ती से दूर रहने, हाल ही में मां बनने और लगातार चुनौतियों का सामना करने के बाद भी इस स्तर पर वापसी करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। हुड्डा ने विनेश के मैट के अंदर और बाहर दोनों जगह दिखाए गए असाधारण साहस की प्रशंसा की की और विश्वास जताया कि विनेश जल्द ही और अधिक मजबूती, ऊर्जा तथा नई प्रेरणा के साथ वापसी करेंगी।

इस दौरान बड़ी तादाद में आम लोगों ने भी विनेश के समर्थन में पोस्ट किये हैं। उन्होंने लिखा कि भले ही विनेश ट्रायल्स हार गई हों पर उन्होंने एक बार फिर करोड़ों देशवासियों का दिल जीत लिया है। लोगों ने याद दिलाया कि कैसे विनेश ने पहले अपने अधिकारों और न्याय के लिए एक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी और फिर अखाड़े में उतरकर यह साबित किया कि वह किसी भी हाल में हार मानने वाली नहीं है। उनकी हार से ज्यादा, उनके संघर्ष, दृढ़ इच्छाशक्ति और अन्याय के खिलाफ खड़े होने की बातें पूरे देश में हो रही है। सोशल मीडिया पर उन्हें करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा और साहस की मिसाल बताया गया।

विनेश ने स्वयं हार के बाद कहा था कि वह विफल नहीं हुई हैं, बल्कि वह एक पूरी व्यवस्था से लड़ रही थीं। यह बयान उनके प्रशंसकों के बीच छाया रहा। उनका यह संकल्प कि मैं फिर वापस आऊंगी सिर्फ एक घोषणा नहीं, बल्कि एक महिला पहलवान के आत्मबल का प्रतीक बन गया है, जो हर चुनौती से लड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचने को तैयार है।

पीएसजी ने लगातार दूसरी बार यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल खिताब जीता

बुडापेस्ट (ईएमएस)। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में खेले गये फाइनल मुकाबले में फ्रांसीसी क्लब पेरिस सैंट-जर्मेन (पीएसजी) ने इंग्लैंड के आर्सेनल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर लगातार दूसरी बार यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल खिताब जीता है। इस रोमांचक मुकाबले में तय समय के बाद अतिरिक्त समय दिया गया है। इसके बाद भी जब दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर ही रहीं तो विजेता का फैसला पेनल्टी किक से किया गया।

शूटआउट में पीएसजी ने 4-3 से मुकाबला अपने नाम किया। आर्सेनल के डिफेंडर गैब्रियल मैगालहेस अंतिम पेनल्टी पर गोली नहीं दाग पाये। इससे पीएसजी क जीत तय हो गयी। पूरे 120 मिनट तक के खेल में, दोनों टीमों ने जमकर हमले किये। आर्सेनल ने शुरुआती बढ़त बनाई थी, उसने पहले हाफ के बीच में एक शानदार गोल करके अपनी टीम को आगे बढ़ा दिया । पीएसजी ने इसके बाद अच्छी वापसी करते हुए एक गोल कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। दोनों टीमों ने गोल करने के कई प्रयास किये पर सफल नहीं रहीं। इसी कारण मैच अतिरिक्त समय तक पहुंचा।

इस जीत के साथ ही पीएसजी ने यूरोपीय फुटबॉल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इससे वैश्विक फुटबॉल मंच पर उनकी श्रेष्ठता साबित हुई है। वहीं आर्सेनल के लिए, यह हार निराशा की बात थी क्योंकि उसन अंत तक काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। बुडापेस्ट में हुए इस मुकाबले से साफ हुआ है कि फुटबॉल अनिश्चितताओं का खेल है। यौन शोषण मामले में क्रिकेट कोच को 16 साल की सजा, 24,000 रुपये जुर्माना भी लगा

तिरुवनंतपुरम (ईएमएस)। तिरुवनंतपुरम की एक विशेष फास्ट-ट्रैक अदालत ने नाबालिग छात्रा के यौन शोषण मामले में दोषी पाये गये क्रिकेट कोच मनु एम को 16 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। वल्लाकडावु निवासी मनु एम पर आरोप था कि उसने क्रिकेट कोचिंग के दौरान कई छात्राओं का यौन शोषण किया। इस मामले में अदालत ने उसे दोषी पाते हुए सजा सुनाने के साथ ही 24,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

भारतीय महिला टीम ने अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया

काकामिगहारा। भारतीय भारतीय महिला हॉकी टीम ने यहां जापान के काकामिगहारा में खेले जा रहे महिलाओं के अंडर-18 एशिया कप हॉकी मुकाबले में दक्षिण कोरियाई टीम को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम की ये टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले भारतीय टीम ने मलेशिया को भी हराया था। भारत की ओर से नौशीन नाज़, श्रुति कुमारी और किरण एक्का ने एक-एक गोल किया। वहीं कोरया की आर से एकमात्र गोल ग्योंगमिन रयू ने किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत में ही बढ़त बना ली। चौथे मिनट में नौशीन ने एक पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल दागकर भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस शुरुआती बढ़त के बाद भारतीय टीम ने लगातार दबाव बनाये रखा। दूसरे क्वार्टर के 21वें मिनट में श्रुति

कुमारी के एक मैदानी गोल कर भारतीय टीम को 2-0 से आगे कर दिया। हाफ-टाइम ब्रेक तक भारतीय टीम बढ़त बनाये हुए थी। ब्रेक के बाद, कोरियाई टीम ने तीसरे क्वार्टर के 41वें मिनट में ग्योंगमिन के गोल से स्कोर 2-1 कर दिया पर भारतीय टी टीम की ओर से किरण एक्का ने 43वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारतीय टीम को 3-1 से आगे कर दिया। इससे भारतीय टीम का नियंत्रण मैच पर हो गया। अंतिम क्वार्टर में भी भारतीय टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया करते हुए कोरियाई टीम को कोई अवसर नहीं दिया। मलेशिया के बाद कोरिया के खिलाफ अपने शुरुआती दोनों मैच जीतने के बाद भारतीय टीम अब छह अंकों के साथ पूल ए की अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है । अब उसका मुकाबल 2 जून को अंतिम लीग मुकाबले में सिंगापुर से होगा।

अथापथु की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो । इंग्लैंड और वेल्स में इसी माह होने वाले आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए सभी देश अपनी टीमें घोषित कर रहे हैं। इसी कड़ी में श्रीलंकाई बोर्ड ने भी चमारी अथापथु की कप्तानी में 15-सदस्यीय टीम घोषित कर दीहै। अथापथु के लंबे अनुभव को देखते हुए उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। उसने इस टूर्नामेंट के पिछले सभी 9 संस्करणों में खेला है। श्रीलंकाई टीम को विश्वकप के लिए ग्रुप 2 में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड के साथ शामिल किया गया है। अथापथु के नेतृत्व में टीम 12 जून को अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले पहले मैच में मेजबान टीम से मुकाबला करेंगी। टीम में नई खिलाड़ियों इमेशा दुलानी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा और मिताली अयोध्या को भी शामिल किया गया है। ये सभी महिला टीम 20 विश्व कप में पहली बार खेलेंगी। टीम के मुख्य खिलाड़ियों में कई अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और नीलाक्षी सिल्वा। श्रीलंकाई टीम ने हाल ही में 3-0 से टी20 सीरीज जीती है जिससे वह उत्साहित है। अब उसका लक्ष्य विश्वकप में प्रभावित करना है।

चमारी अथापथु (कप्तान), हसिनी परेरा, विश्मी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, इमेशा दुलानी, नीलाक्षी सिल्वा, कविषा दिलहारी, हंसिमा करुणरत्ने, कौशिनी नुथ्यंगना, सुगंदिका दसानायका, निमाशा मदुशानी, शशिनी गिम्हानी, काव्या कविंदी, मालकी मदारा, मिताली अयोध्या।

फिटनेस और स्ट्राइक रेट सुधारने का लाभ मिला - सरफराज

मुम्बई । बल्लेबाज सरफराज खान अब टी20 मुंबई लीग में खेलते हुए नजर आयेंगे। टी20 मुंबई लीग के चौथे सत्र से पहले मुंबई वेस्टर्न सबअर्बस आकाश टाइगर्स की ओर से खेलेंगे। इसी दौरान सरफराज ने खुलासा किया कि पिछले दो साल जब उन्हें आईपीएल में अवसर नहीं मिला था तो उन्होंने अपनी फिटनेस और स्ट्राइक रेट पर काम किया था। सरफराज का कहना है कि इसका लाभ अब उन्हें मिला है। इसी कारण वह आईपीएल के 19 वें सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की ओर से खेलते समय सहज रहे। सरफराज पिछले कुछ आईपीएल सत्रों में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था। हालांकि, इस साल उन्हें सीएसके ने अवसर दिया। सरफराज ने अपने मुश्किल दौर को याद किया। उन्होंने कहा, आईपीएल में मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी वापसी करना और एक प्रभावी स्ट्राइक रेट के साथ प्रदर्शन करना। पूर्व में मुझे स्ट्राइक रेट और फिटनेस को लेकर कुछ समस्याएँ थीं, और इन्हीं कारणों से मुझे दो साल तक अवसर नहीं मिला। उस दौरान मेरे मन में यही था कि मुझे हर हाल में

वापसी करनी है। इसी बीच उन्होंने अपनी कमजोरियों पर काम किया।

उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए बताया, मुझे अपने स्ट्राइक रेट में सुधार करने और अपनी फिटनेस को एक उच्च स्तर पर ले जाने की सख्त आवश्यकता थी। यही वह मुख्य कारण था जिसके चलते मैं दो साल तक आईपीएल में जगह नहीं बना पाया। इस अवधि में उन्होंने अपनी शारीरिक फिटनेस, क्षेत्ररक्षण कौशल और बल्लेबाजी तकनीक पर लगातार और कड़ी मेहनत की। इसी का परिणाम ये रहा कि उन्हें इस बार अवसर मिल गया है। सरफराज ने दृढ़ता से कहा कि वह भविष्य में भी अपने खेल में सुधार जारी रखेंगे, क्योंकि क्रिकेट में सीखने की प्रक्रिया कभी खत्म नहीं होती।

सीएसके महेन्द्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज कप्तान के साथ बिताए गए दो महीनों के अनुभव को लेकर सरफराज काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने बताया, मैंने सीएसके के साथ दो महीने का बहुमूल्य समय बिताया और इस दौरान मैंने धोनी भाई से बहुत कुछ सीखा। हर कोई जानता है कि उनके कमरे के दरवाजे कभी बंद नहीं होते, इसलिए जब भी हमें मार्गदर्शन या चर्चा की आवश्यकता होती, हम उनके साथ बैठकर क्रिकेट के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करते और हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश करते हैं। सरफराज के अनुसार, धोनी से मिली सबसे महत्वपूर्ण सीख थी चीजों को आसान रखना क्रिकेट और जीवन दोनों में।

आईपीएल के बाद एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में भी असफल रहे ग्रीन

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेसआर) की ओर से खेलते हुए आईपीएल के 19 वें सत्र में फ्लाप रहे ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ पहले एकदिवसीय में भी असफल रहे हैं।केकेआर ने ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपए की मोटी रकम देखकर खरीदा था पर पर वह डूब गयी। केकेआर टीम 19 वें सत्र में प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी थी। केकेआर के बाहर होने के बाद ग्रीन ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेलने के लिए पाक पहुंच गये थे। उनके आने से लग रहा था कि टीम का संतुलन बेहतर होगा पर ऐसा नहीं हुआ। ऑस्ट्रेलियाई टीम को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद थी पर वह नाकाम रहे। रावलपिंडी में पाक के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में वह खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए।

इस मैच में ग्रीन पाक टीम के नये स्पिनर अराफात मिन्हास का शिकार बने। मिन्हास ने अपने एकदिवसीय करियर की अच्छी शुरुआत करते हुए ग्रीन को साफ बोल्ड कर दिया। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम को हार का सामना करना पड़ा। वहीं इससे पहले भी आईपीएल 2026 में ग्रीन का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। केकेआर के लिए वह सत्र में कुल 14 मैचों में 322 रन ही बना पाये थे। गेंदबाजी में भी वह असफल रहे और पूरे सीजन में सिर्फ 7 विकेट ही ले पाये।

आईपीएल में मेरी भूमिका विकेटकीपिंग तक ही सीमिति नहीं थी - जुरेल

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने कहा है इस आईपीएल सत्र में उनकी टीम को काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा पर उसका ध्यान सकारात्मक खेल बना रहा। टीम हालांकि क्वालीफायर में असफल रही पर उसने अपनी ओर से पूरा प्रयास किया। जुरेल ने साथ ही कहा कि इस टूर्नामें में मेरी भूमिका केवल विकेटीपिंग और बल्लेबाजी के दौरान रन बनाने तक ही सीमित नहीं थी बल्कि पहली बार खेल रहे गेंदबाजों को हौंसला बढ़ाना और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाना भी शामिल था। आमतौर पर बड़े मंच पर खिलाड़ियों में घबराहट और आत्मविश्वास की कमी हो जाती है।

आईपीएल जैसे प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंट में हर मैच में काफी दबाव होता है और उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। ऐसे में टीम को मनोबल बनाए रखते हुए हर स्थिति में सकारात्मक रवैया अपनना पड़ता है। के हमारी टीम इसी लीक पर चली जिससे उसे कठिन क्षणों में भी एकजुट रहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिली। यह केवल खेल रणनीति नहीं, बल्कि टीम की आंतरिक संस्कृति का हिस्सा बन गया था।

जुरेल ने कहा, "एक विकेटकीपर के तौर पर जब मैं गेंदबाजों से बात करता हूं तो मैं उनसे कभी नहीं कहता कि कैसी गेंदबाजी करनी है। मैं इतना ही कहता हूं कि अपना समय लो, आप अच्छा करोगे और इसलिये ही यहां पहुंचे हो।" उन्होंने आगे कहा, "मैं उन्हें आत्मविश्वास देने पर ध्यान देना था। मैं उनसे कहता था कि अपने पर भरोसा रखो। जो भी गेंद डालनी हो, उस पर अडिग रहो। जरूरत से ज्यादा मत सोचो। हमें अच्छी क्रिकेट खेलनी होगी। हमें सकारात्मक खेल दिखाना होगा।" इससे युवा गेंदबाजों को दबाव से मुक्ति मिलती थी जिससे वे अपना स्वाभविक खेल दिखा पाते थे।

जुरेल ने ड्रेसिंग रूम के माहौल की अहमियत पर भी प्रकाश डाला। उनके मुताबिक, ड्रेसिंग रूम में की गई सकारात्मक बातचीत का मैदान पर काफी अच्छा असर पड़ता है। जब खिलाड़ी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरते हैं, तो साथी खिलाड़ियों द्वारा साझा की गई बातें उनके दिमाग में रहती हैं, जिससे उन्हें मुश्किल हालातों में भी शांत रहने और सही फैसला लेने में मदद मिलती है। यह स्वस्थ संवाद टीम में एक मजबूत और सकारात्मक माहौल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

तीन देशों की सीरीज के लिए रियान की जगह पर ऋतुराज भारत ए टीम में शामिल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि रियान पराग चोटिल होने के कारण भारत ए टीम से बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी जगह पर ऋतुराज गायकवाड़ को श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया है। पराग हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज में नहीं खेल पायेंगे। उन्हें पूरी तरह ठीक होने और रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के लिए लगभग तीन महीने का समय लगेगा। बीसीसीआई ने कहा है कि पराग के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा की जाएगी, जिससे वे पूरी तरह फिट होकर वापसी कर सकें। उनकी अनुपस्थिति में ऋतुराज को अपनी क्षमताएं दिखाने का अवसर मिला है।

भारत ए टीम , श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के साथ ही तीन देशों की त्रिकोणीय सीरीज 9 जून से श्रीलंका में खेलेगी। इससे युवा और उभरते हुए क्रिकेटरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का एक अच्छ अवसर मिलेगा। इस तरह की सीरीज से भविष्य के युवा प्रतिभाएं सामने आयेंगी।

बीसीसीआई द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में होने वाली आगामी तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम में ऋतुराज को शामिल किया है। उन्होंने उप-कप्तान रियान पराग की जगह ली है जो हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण इस सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। रिलीज में आगे कहा गया, रियान के रिहैबिलिटेशन की देखरेख बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा की जाएगी। गायकवाड़ को टीम का उप-कप्तान भी नियुक्त किया गया है, जो इस टूर्नामेंट में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

तीन देशों की सीरीज के लिए भारत ए टीम इस प्रकार है- तिलक वर्मा (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, युद्धवीर सिंह, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले सीओई में फिटनेस जांच से गुजरेंगे पंड्या

मुम्बई। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में वह गेंद और बल्ले दोनो से ही संघर्ष करते हुए दिखे। इस दौरान उनकी खराब फिटनेस भी सामने आ गयी जिस कारण उन्हें कुछ मैचों से भी बाहर रहना पड़ा। ऐसे में अब अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलने से पहले उन्हें सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में फिटनेस जांच से गुजरना होगा। इसमें पास होने पर ही वह अफगानिस्तान के खिलाफ खेल पायेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पहले सप्ताह में सीओई पहुंच सकते हैं और करीब 10 दिनों तक वहां अपनी फिटनेस पर काम करेंगे।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आज से नई दिल्ली में शुरू होगी चार दिवसीय वार्ता

टैरिफ-तेल और रक्षा समझौतों पर लगेगी मुहर!

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत लगभग पूरी हो चुकी है, अब केवल इस डील पर ऑफिशियल मुहर लगनी बाकी है। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी 1 जून से नई दिल्ली में चार दिनों तक बैठक करेंगे। इस बैठक में दोनों देशों के बीच अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी।

भारत की तरफ से इस डील में नेतृत्व वाणिज्य मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव और मुख्य वार्ताकार दर्पण जैन करेंगे। वहीं अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच करने वाले हैं। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक में कई अहम विषयों पर बातचीत होगी। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं- बाजार पहुंच, गैर-शुल्क बाधाएं, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन,आर्थिक सुरक्षा सहयोग और सप्लाई चेन से जुड़ी रणनीतिक साझेदारी आदि। दोनों देश पहले चरण के अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने के साथ-साथ दीर्घकालिक व्यापक व्यापार समझौते के लिए कानूनी और नीतिगत ढांचे पर भी चर्चा करेंगे।

फरवरी में बनी थी ट्रेड डील की रूपरेखा

भारत और अमेरिका ने 7 फरवरी 2026 को एक संयुक्त बयान जारी कर अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा तय की थी। इसके तहत दोनों देशों ने चरणबद्ध तरीके से व्यापारिक बाधाएं कम करने और टैरिफ में राहत देने पर सहमति जताई थी। समझौते के तहत अमेरिका ने भारत पर लगाए गए शुल्कों में कटौती करने का आश्वासन दिया था। अमेरिका ने पहले भारत से आयात होने वाले कई उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाया था, जिसे घटाकर 18 प्रतिशत करने की बात कही गई थी। इसके अलावा रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भारतीय उत्पादों पर लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क को भी हटाने और शेष शुल्क को 18 प्रतिशत

तक सीमित करने का प्रस्ताव था।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से बदला समीकरण

अमेरिका की घरेलू राजनीति और टैरिफ नीति में बदलाव के कारण वार्ताओं की दिशा प्रभावित हुई। 20 फरवरी को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के 1977 के इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पॉवर्स एक्ट के तहत लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को चुनौती देने वाले मामले में फैसला सुनाया। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से सभी देशों पर 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत समान शुल्क लागू करने की घोषणा कर दी। इस फैसले के बाद फरवरी में प्रस्तावित भारत-अमेरिका वार्ता टल गई थी। ट्रेड डील पर बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अप्रैल 2026 में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने वॉशिंगटन की यात्रा की और बात को आगे बढ़ाया।

भारत की ओर से बड़े प्रस्ताव

भारत ने व्यापार समझौते के तहत अमेरिकी औद्योगिक उत्पादों और कई कृषि वस्तुओं पर शुल्क घटाने या समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है। डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स, रेड सोरघम (पशु आहार), ट्री नट्स, ताजे और प्रोसेस्ड फल, सोयाबीन तेल और वाइन और स्पिरिट्स के बदले भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से लगभग 500 अरब डॉलर मूल्य के उत्पाद खरीदने की इच्छा जताई है। जिसमें ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान कलपुर्जे, बहुमूल्य धातुएं, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोल शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह प्रस्ताव दोनों देशों के बीच रणनीतिक आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।

भारत-अमेरिका व्यापार का मौजूदा परिदृश्य

अमेरिका वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर सामने आया। भारत का अमेरिका को निर्यात बढ़कर 87.3 अरब डॉलर पहुंच गया। अमेरिका से आयात 15.95 प्रतिशत बढ़कर 52.9 अरब डॉलर रहा। भारत का व्यापार अधिशेष घटकर 34.4 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 40.89 अरब डॉलर था। विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका के सभी देशों पर समान 10ब शुल्क लागू किए जाने के बाद वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धा का नया माहौल बन गया है। ऐसे में भारत और अमेरिका दोनों अपने-अपने हितों के हिसाब से समझौते की शर्तों में बदलाव कर सकते हैं।

रेप पीड़िता को गर्भपात की अनुमति : हाईकोर्ट ने कहा प्रजनन अधिकारों का सम्मान जरूरी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में 16 वर्षीय रेप पीड़िता को गर्भपात कराने की इजाजत दे दी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी महिला को अपने शरीर और प्रजनन संबंधी निर्णय लेने का पूरा अधिकार है, इस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त जीवन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान, विशेष लोक अभियोजक सविता पाठक ने पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में सामने आया कि पीड़िता करीब सात सप्ताह की जुड़वा बच्चों की गर्भावस्था से गुजर रही थी, जिसमें 19 मार्च को प्रयागराज के महिला अस्पताल में हुए अल्ट्रासाउंड में दोनों भ्रूण जीवित पाए गए थे।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू कनौजिया की पीठ ने सुनवाई कर महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता और प्रजनन संबंधी निर्णयों के सम्मान पर जोर दिया। इलाहाबाद की अदालत ने आदेश में कहा कि नाबालिगों और अनचाही गर्भावस्था से जुड़े मामलों में महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर अनावश्यक बाधाएं नहीं लगा सकतीं, क्योंकि ऐसा करना उनके संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने जैसा होगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की कि पीड़िता के परिजनों ने 9 मई को ही जांच अधिकारी को गर्भावस्था की जानकारी दे दी थी, लेकिन इसके बावजूद गर्भपात की प्रक्रिया को लेकर समय पर कोई कदम नहीं उठाया गया। मामले की परिस्थितियों और पीड़िता की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अदालत ने गर्भपात की अनुमति को उचित ठहराया और संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को कानून के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

एडीजे राजीव गोयल को हाईकोर्ट ने तत्काल प्रभाव से किया निलंबित

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक बेहद कड़ा प्रशासनिक निर्णय लेते हुए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) राजीव गोयल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। राजीव गोयल वर्तमान में कैथल में तैनात थे, लेकिन इससे पहले वे पंचकूला में सीबीआई की विशेष अदालत के जज के रूप में कई बेहद संवेदनशील और बड़े मामलों की सुनवाई कर चुके हैं। उनकी सेवाओं को निलंबित करने का यह अहम फैसला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों की उपस्थिति में हुई एक फुल कोर्ट बैठक के दौरान लिया गया। यह सख्त कार्रवाई न्यायिक अधिकारी के खिलाफ संभावित अनुशासनात्मक और विभागीय कार्यवाही शुरू करने के मद्देनजर की गई है।

सीबीआई कोर्ट के विशेष जज के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान राजीव गोयल ने कई महत्वपूर्ण फैसले सुनाए थे। विशेष बात यह है कि उन्होंने इसी वर्ष 20 अप्रैल को एक अन्य पूर्व निलंबित न्यायिक अधिकारी सुधीर परमार को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी किया था, जो कानूनी गलियारों में काफी चर्चा का विषय रहा था। गौरतलब है कि सुधीर परमार को भी अप्रैल 2023 में भ्रष्टाचार के आरोपों और रियल-एस्टेट डेवलपर्स के प्रति कथित पक्षपात की ऑडियो रिकॉर्डिंग सामने आने के बाद निलंबित किया गया था। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश और अन्य जजों ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 225 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए राजीव गोयल पर यह कार्रवाई की है। निलंबन आदेश के लागू रहने तक राजीव गोयल का मुख्यालय कैथल ही तय किया गया है। विभागीय जांच पूरी होने तक वे कैथल के जिला और सत्र न्यायाधीश की लिखित पूर्व अनुमति के बिना मुख्यालय छोड़कर कहीं बाहर नहीं जा सकेंगे। निलंबन की इस अवधि के दौरान राजीव गोयल को नियमों के मुताबिक निर्वाह भत्ता दिया जाएगा, जो उस अवकाश वेतन के बराबर होगा जो उन्हें आधे वेतन पर अवकाश के दौरान मिलता। इसके अतिरिक्त, यदि वे पात्र पाए जाते हैं तो उन्हें हरियाणा सिविल सेवा (सामान्य) नियम, 2016 के अध्याय 7 के तहत अन्य भत्ते भी दिए जाएंगे। यह पूरा नियम उनके निलंबन की तारीख से ही प्रभावी माना जाएगा। उच्च न्यायपालिका द्वारा अपने ही एक वरिष्ठ जज के खिलाफ की गई इस अचानक और सख्त कार्रवाई से राज्य के प्रशासनिक और कानूनी हलकों में हड़कंप मच गया है।

आईएसआई की साजिश का खुलासा... ओवर ग्राउंड वर्कर्स को बचाने के लिए नई रणनीति

श्रीनगर। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आईएसआई ने जम्मू-कश्मीर में अपने ओवर ग्राउंड वर्कर्स को सुरक्षा कार्रवाई से बचने के लिए राष्ट्रीय राजनीतिक दलों में घुसपैठ करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पुराने आतंकी संगठनों को फिर से सक्रिय कर उन्हें स्थानीय आंदोलन का रूप देने की भी कोशिश की जा रही है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अब जम्मू-कश्मीर में अपने ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क को सुरक्षित रखने के लिए नई रणनीति अपना रही है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आईएसआई ने अपने समर्थकों और ओजीडब्ल्यू को राष्ट्रीय राजनीतिक दलों में घुसपैठ करने के निर्देश दिए हैं ताकि वे सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई और जांच से बच सकें।

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए ओजीडब्ल्यू से पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि कुछ लोग राजनीतिक दलों की आड़ में भी सक्रिय हैं। उनका उद्देश्य आतंकवादी संगठनों को लॉजिस्टिक सपोर्ट, भर्ती और फंडिंग उपलब्ध कराना है। सूत्रों के अनुसार आईएसआई की यह रणनीति आतंकवादी गतिविधियों को स्थानीय आंदोलन का रूप देने और पाकिस्तान की सीधी भूमिका को छिपाने की कोशिश है। इसके तहत पुराने और निष्क्रिय हो चुके आतंकी संगठनों जैसे अल-उमर मुजाहिदीन, अल बद्र और तहरीक-उल-मुजाहिदीन को फिर से सक्रिय करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों ने बढ़ाई सतर्कता

सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि पहले भी संदिग्ध लोग गिरफ्तारी से बचने के लिए वोटर आईडी और आधार कार्ड जैसे दस्तावेजों का इस्तेमाल करते रहे हैं, और अब राजनीतिक दलों की सदस्यता कार्ड का सहारा लेने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक नेतृत्व का इन गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है। साथ ही यह भी बताया कि सुरक्षा एजेंसियां इन नेटवर्कों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं और किसी भी साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। सुरक्षा एजेंसियां आतंकवाद समर्थक नेटवर्क और विचारधारा के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही हैं ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे।

सेलिना जेटली की बढ़ी मुश्किलें, पति-ससुर ने भेजा कानूनी नोटिस

मुंबई,। अभिनेत्री सेलिना जेटली की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवादों के बीच, उन्हें पति पीटर हाग और ससुर वोल्फगैंग जे. हाग ने दो अलग-अलग कानूनी नोटिस भेज दिए हैं। मुंबई स्थित विधि फर्म ने पुष्टि की है कि ये नोटिस सोशल मीडिया और विभिन्न मीडिया माध्यमों से उन बातों के संबंध में जारी किए गए हैं, जिन्हें हाग परिवार ने भ्रामक, असत्य और मानहानिकारक बताया है। पहला नोटिस ससुर वोल्फगैंग जे. हाग ने भेजा है, जबकि दूसरा स्वयं पति हाग ने अपने और अपने तीन नाबालिग बच्चों के हितों की सुरक्षा में जारी किया है। परिवार का आरोप है कि बीते कुछ समय से सार्वजनिक मंचों पर उनके खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि हाग और सेलिना जेटली के बीच वैवाहिक विवाद और बच्चों की कस्टडी से जुड़े मामले वर्तमान में ऑस्ट्रिया की अदालतों में विचाराधीन हैं। न्यायिक प्रक्रिया जारी होने के बावजूद, मामले से जुड़े कई बयान, इंटरव्यू और सोशल मीडिया पोस्ट सार्वजनिक किए गए, जिसमें हाग परिवार पर गंभीर आरोप लगाए गए।

हाग परिवार का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से परहेज किया, ताकि संवेदनशील मुद्दों का समाधान कानूनी प्रक्रिया से किया जा सके। हालांकि, लगातार लग रहे सार्वजनिक आरोपों और मीडिया में उनके प्रसार के चलते अब कानूनी कदम उठाना जरूरी हुआ था। नोटिस में उन आरोपों का विशेष रूप से खंडन किया गया है, जिसमें हाग को हिंसक, अपमानजनक या डराने-धमकाने वाला बताया गया है। इसके अलावा, बच्चों को छिपाने, उनकी सोच को प्रभावित करने या ब्रेनवॉश करने, उत्पीड़न करने और धर्म से जुड़े कुछ आरोपों को भी परिवार ने पूरी तरह निराधार बताया है। बच्चों की निजता और मानसिक स्थिति पर परिवार ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि लगातार सार्वजनिक चर्चाओं, तस्वीरों को पोस्ट करने और निजी मामलों को मीडिया में लाने से बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उनका मानना है कि बच्चों से जुड़े संवेदनशील मामलों को गोपनीयता से निपटाया जाना चाहिए, न कि सार्वजनिक बहस या मीडिया ट्रायल का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

मामले पर प्रतिक्रिया देकर विधि फर्म से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा, महिलाओं की सुरक्षा के कानून महत्वपूर्ण हैं, लेकिन किसी भी वैवाहिक विवाद को बिना पुष्टि के आरोपों और सार्वजनिक अभियानों के जरिए मीडिया ट्रायल में बदलना उचित नहीं है। परिवार ने साफ किया है कि यदि नोटिस में उल्लिखित मांगों का पालन नहीं किया गया, तब वे आगे आपराधिक कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। हाग फैमिली के अनुसार, उनकी प्राथमिकता बच्चों की सुरक्षा, सम्मान, मानसिक स्वास्थ्य और निजता बनाए रखना है।

हिमंता सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार 5 जून को

गुवाहाटी। असम में हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली सरकार के मंत्रिपरिषद का विस्तार 5 जून को होगा। मुख्यमंत्री सरमा ने खुद इसकी जानकारी दी है। यह विस्तार तब हो रहा है जब हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने प्रचंड बहुमत हासिल कर सत्ता में वापसी की है। सीएम सरमा के सफल नेतृत्व में लड़े गए इन चुनावों में भाजपा ने 126 सदस्यीय विधानसभा में 82 सीटों पर जीत दर्ज की। एनडीए गठबंधन ने लगातार तीसरी बार राज्य की कमान संभाली है। चुनावों में मिली शानदार जीत के बाद हिमंता बिस्वा सरमा ने 12 मई, 2024 को लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उन्होंने पहली बार 2021 में असम के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। राजनीतिक सफर की बात करें तो, सरमा 23 अगस्त, 2015 को कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए थे। अब उनके दूसरे कार्यकाल का यह पहला मंत्रिपरिषद विस्तार होगा।

पर्यटकों से भरी कार चंबा की खाई में गिरी, 8 की मौत

होटल प्रबंधन ने पुलिस को दी थी सूचना

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ मार्ग पर पर्यटकों से भरी एक एर्टिगा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के दो परिवारों के सात सदस्यों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना 29 मई की आधी रात को घटित हुई। हादसे के बाद से ही कार में सवार सभी लोग लापता थे और उनके बचने की उम्मीद न के बराबर थी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा मौके पर सघन खोज से पता चला की 8 की मौत हुई है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले दो परिवारों के सात लोग हिमाचल प्रदेश में छुट्टियां बिताने और घूमने के लिए आए थे। ये सभी पर्यटक चंबा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डलहौजी के एक होटल में ठहरे हुए थे। 29 मई की सुबह वे सभी गाड़ी किराये पर लेकर साच पास की तरफ साइट सीन (घूमने) के लिए निकले थे। तय कार्यक्रम के अनुसार पर्यटकों को उसी दिन शाम तक वापस डलहौजी के होटल में लौटना था, जहाँ उन्होंने एडवांस बुकिंग करा रखी थी। जब देर रात तक भी पर्यटक वापस होटल नहीं लौटे और होटल प्रबंधन का उनसे किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो सका, तो उन्होंने अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने होटल प्रबंधन की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल लोकेशन और रास्तों की कड़ियों को जोड़ते हुए तलाश शुरू की, जिसके बाद इस भीषण हादसे का पता चला।

मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी बोले- गर्मी में देशी पेय अपनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड में देशवासियों से भीषण गर्मी और हीटवेव के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश के अधिकांश हिस्सों में इस समय तेज गर्मी पड़ रही है और लोगों को पर्याप्त पानी पीने, धूप में निकलते समय सतर्क रहने तथा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कि भारतीय परंपरा में गर्मी से राहत पाने के अनेक प्राकृतिक उपाय मौजूद हैं और देशी पेय पदार्थ इसका महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने उत्तर भारत के आम पन्ना, पंजाब-हरियाणा की लस्सी, राजस्थान-गुजरात की छाछ, बिहार-झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के सत्तू शरबत, कोंकण और गोवा के कोकम शरबत व सोल कढ़ी तथा दक्षिण भारत के पानकम, नीर मोर और सम्बारम जैसे पेय पदार्थों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ये पेय केवल स्वाद ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और भारतीय परंपरा से भी जुड़े हुए हैं।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने भारतीय एथलेटिक्स की उपलब्धियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में महज दो दिनों के भीतर राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा, जो भारतीय खेल जगत के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने युवा धावकों गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर की विशेष रूप से सराहना की। गुरिंदरवीर सिंह ने रांची में आयोजित फेडरेशन कप सीनियर नेशनल एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 10.09 सेकेंड का समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और देश के सबसे तेज धावक बने।

आम उत्पादक किसानों की प्रशंसा की

प्रधानमंत्री ने आम के मौसम का उल्लेख करते हुए देश के विभिन्न क्षेत्रों में मिलने वाली आम की विविध प्रजातियों की चर्चा की। उन्होंने महाराष्ट्र के हापुस और अल्फांसो, गुजरात के केसर, उत्तर प्रदेश के दशहरी और लंगड़ा, दक्षिण भारत के बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम तथा पश्चिम बंगाल के हिमसागर आम का जिक्र किया। उन्होंने आम उत्पादक किसानों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय आम अब वैश्विक बाजारों में भी अपनी पहचान बना रहा है।

नीदरलैंड यात्रा का किया उल्लेख

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने नीदरलैंड की अपनी हालिया यात्रा का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वहां से चोल काल की 1000 वर्ष से अधिक पुरानी 24 ताम्रपट्टिकाएं भारत को वापस सौंपी गई हैं। इनमें 21 बड़ी और तीन छोटी ताम्रपट्टिकाएं शामिल हैं। इन अभिलेखों में राजा राजेंद्र चोल प्रथम द्वारा अपने पिता राजा राजराजा चोल के वचन को पूरा करने तथा एक बौद्ध विहार को भूमि दान देने का उल्लेख मिलता है।

सीबीएसई छात्रों से मिले राहुल गांधी, परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर उठाए सवाल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर छात्रों से बातचीत की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए दावा किया कि अपनी समस्याओं को लेकर सवाल उठाने वाले छात्रों को समाधान के बजाय आलोचना और अपमान का सामना करना पड़ा। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया।

साझा किए गए वीडियो में राहुल गांधी कुछ छात्रों से परीक्षा परिणामों और उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा करते दिखाई दे रहे हैं। इनमें वेदांत नामक छात्र भी शामिल है, जिसने पहले अपनी उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन में कथित त्रुटि का मुद्दा उठाया था। छात्र का दावा है कि जब उसने अपनी फिजिक्स की उत्तरपुस्तिका की प्रति प्राप्त की, तो उसमें उसकी लिखावट नहीं थी और किसी अन्य छात्र की उत्तरपुस्तिका उससे संबद्ध दिखाई गई थी।

वीडियो में वेदांत ने बताया कि परीक्षा अच्छी होने के बावजूद अपेक्षा से कम अंक मिलने पर उसने उत्तरपुस्तिका की कॉपी मंगाई। दस्तावेज देखने पर उसे अपनी लिखावट नहीं मिली, जिसके बाद उसने इस मामले को सार्वजनिक किया। छात्र ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को उठाने के बाद उसे सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का

सामना करना पड़ा और उसे आपत्तिजनक टिप्पणियों का निशाना बनाया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वीडियो साझा करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि उन्होंने अपने ‘देशद्रोही’ और ‘सोरोस एजेंट’ कहे जाने वाले साथियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये छात्र प्रतिभाशाली और साहसी युवा हैं, जिन्होंने केवल अपनी समस्याओं को लेकर सवाल पूछे, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कांग्रेस नेता ने कहा कि छात्रों को बेहतर और सुरक्षित भविष्य मिलना चाहिए तथा उनकी समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

बातचीत के दौरान कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रश्न उठाने पर उन्हें ‘एंटी नेशनल’ या ‘डीप स्टेट एजेंट’ जैसे शब्दों से संबोधित किया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान तभी संभव है जब उसे स्वीकार किया जाए। उनका कहना था कि समस्याओं को स्वीकार करने के बजाय छात्रों को ही दोषी ठहराना उचित नहीं है।

हालांकि, राहुल गांधी ने अभी केवल बातचीत का एक अंश ही साझा किया है और पूरी चर्चा सार्वजनिक नहीं की है। इस बीच परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों की पारदर्शिता को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

मुख्यमंत्री लाड़की बहिन योजना से 80 लाख महिलाएँ बाहर

ई-केवाईसी विस्तार की उम्मीद समाप्त

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री माझी लाड़की बहिन योजना के भविष्य को लेकर चल रही तमाम अटकलों के बीच महत्वपूर्ण खबर आई है। सरकारी सत्यापन अभियान के बाद योजना की लाभार्थी सूची से 80 लाख महिलाओं के नाम हटाए गए हैं, जिसके चलते अब कुल लाभार्थियों की संख्या 2.46 से घटकर 1.66 करोड़ बची है। महाराष्ट्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि ई-केवाईसी की समयसीमा को आगे बढ़ाने या नए लाभार्थियों को जोड़ने की फिलहाल कोई योजना नहीं है।

यह फैसला 30 अप्रैल को समाप्त हुई ई-केवाईसी मुहिम के बाद आया है। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, उन महिलाओं की अपील के बावजूद तारीख आगे नहीं बढ़ाई जाएगी जिनकी ई-केवाईसी अधूरी रह गई थी। 80 लाख नामों के हटने के पीछे मुख्य कारण निर्धारित समय तक ई-केवाईसी पूरा न कर पाना, दस्तावेजों का अधूरा या गलत होना, योजना के पात्रता मानदंडों को पूरा न कर पाना और व्यक्तिगत जानकारी में गड़बड़ी होना बताया गया है। अधिकारियों ने बताया कि महायुति सरकार ने नवंबर 2023 से ई-केवाईसी की समयसीमा को कई बार बढ़ाया था और 30 अप्रैल को अंतिम तारीख घोषित की थी।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in
E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सूने मकान का कुंदा तोड़कर चोरों ने उड़ाए 95 हजार रुपये कीमत के नगदी और जेवरात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। परसवाड़ा पुलिस अनुभाग के अंतर्गत आने वाले ग्राम चांगोटोला में अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए नगदी और सोने-चांदी के जेवरात सहित करीब 95 हजार रुपये की चोरी कर ली। घटना उस समय हुई जब मकान मालिक परिवार सहित गांव से बाहर गया हुआ था। मकान मालिक भूमेश कटरे 40 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर चांगोटोला पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम चांगोटोला वार्ड क्रमांक-1 निवासी 40 वर्षीय भूमेश कटरे का मकान आबादी से कुछ दूरी पर स्थित है। 28 मई को भूमेश कटरे अपने परिवार के साथ ग्राम दीनाटोला गए हुए थे। 30 मई की सुबह लगभग 9 बजे जब वे परिवार सहित वापस लौटे तो मकान के मुख्य गेट का कुंदा टूटा हुआ मिला।घर के अंदर प्रवेश करने पर उन्होंने देखा कि अंदर के कमरे का दरवाजा भी टूटा हुआ था तथा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी की जांच करने पर उसमें रखे करीब 9 से 10 हजार रुपये नगद गायब मिले। वहीं दीवान पलंग में रखे सोने-चांदी के जेवरात भी चोरी हो चुके थे। चोरी गए सामान में चांदी की पायल, सोने के झुमके, सोने की चैन एवं मंगलसूत्र शामिल हैं। चोरी गए नगदी एवं जेवरात की कुल कीमत लगभग 95 हजार रुपये बताई गई है। भूमेश कटरे की रिपोर्ट पर चांगोटोला पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(3) एवं 305(ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाने के साथ ही आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

टिंगीपुर शासकीय राशन दुकान का ताला टूटा, 37 बोरी अनाज चोरी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम टिंगीपुर स्थित शासकीय उचित मूल्य की दुकान में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर 37 बोरी राशन सहित इलेक्ट्रॉनिक कांटा चोरी कर लिया। घटना 10 मई की शाम से 25 मई की सुबह के बीच की बताई जा रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम टिंगीपुर में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान के सेल्समैन दीपक पंचेश्वर निवासी ग्राम बाहकल हैं। उन्होंने 10 मई की शाम करीब 5 बजे दुकान बंद कर ताला लगाया और अपने घर चले गए थे। 25 मई की सुबह लगभग 5:30 बजे ग्राम टिंगीपुर के लोकसिंह मेरावी एवं रामेश्वर धुर्वे ने उन्हें फोन कर बताया कि दुकान का ताला टूटा हुआ है।सूचना मिलने पर दीपक पंचेश्वर तत्काल दुकान पहुंचे। निरीक्षण करने पर पाया कि दुकान का ताला टूटा हुआ था और गोदाम से 37 बोरी राशन गायब था। चोरी गए राशन में लगभग 7 क्विंटल 1 किलो गेहूं तथा 11 क्विंटल 77 किलो चावल शामिल है। इसके अलावा दुकान में रखा एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा भी चोरी हो गया।घटना की जानकारी सेल्समैन ने तत्काल प्रबंधक पी.एस. मेरावी, बी.एम. दिलीप रामटेके तथा फूड इंस्पेक्टर श्रीवास्तव को दी। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दुकान का निरीक्षण किया और चोरी की पुष्टि की।दीपक पंचेश्वर की रिपोर्ट पर मलाजखंड पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध चोरी का अपराध दर्ज कर लिया है। चोरी गए 37 बोरी राशन एवं इलेक्ट्रॉनिक कांटा की कुल कीमत करीब 10400 रुपये बताई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रेमी जोड़े के परिजनों में हुई मारपीट, सीएसपी कार्यालय में सुरक्षा पर सवाल

प्रेम विवाह के मामले में बयान दर्ज कराने पहुंचे परिजनों के बीच विवाद, पुलिस की मौजूदगी में मारपीट का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) कार्यालय में उस समय हड़कंप मच गया जब प्रेम विवाह से जुड़े एक मामले में पहुंचे दो परिवारों के बीच विवाद मारपीट में बदल गया। घटना के बाद पुलिस कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को लेकर कई सवाल खड़े होने लगे हैं। जानकारी के अनुसार शहर के एक ही समाज से जुड़े युवक और युवती ने आपसी सहमति से घर से निकलकर विवाह कर लिया था। युवती के परिजनों द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद कोतवाली पुलिस ने दोनों को विशाखापट्टनम से तलाश कर बालाघाट लाया। इसके बाद दोनों के बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया के तहत उन्हें नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय लाया गया था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान दोनों पक्षों के परिजन भी कार्यालय परिसर में मौजूद थे। आरोप है कि बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और युवती पक्ष के कुछ लोगों ने युवक पक्ष के परिजनों के साथ मारपीट कर दी। युवक पक्ष का आरोप है कि घटना पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी में हुई । मारपीट के बाद युवक पक्ष के परिजनों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब पुलिस कार्यालय के भीतर ही वे सुरक्षित नहीं हैं तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। उनका आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी में हुए इस घटनाक्रम ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। घटना के बाद कार्यालय परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मौजूद पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं दोनों पक्षों के लोगों को समझाइश देकर मामला शांत कराने का प्रयास किया गया। इस पूरे घटनाक्रम के बाद अब लोगों की नजर पुलिस प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि मामले की जांच के बाद पुलिस द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं और कार्यालय परिसर में हुई इस घटना को लेकर जिम्मेदार लोगों पर

क्या कार्रवाई की जाती है।

शहर के कुम्हारी मोहल्ला निवासी तनिष्क मोदी पिता विनोद मोदी ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उन्होंने शहर की ही 22 वर्षीय युवती से प्रेम संबंध होने के बाद बीते जनवरी माह में धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह कर लिया था। विवाह के बाद दोनों शहर से बाहर चले गए थे। इस दौरान युवक और युवती दोनों के परिजनों ने अपने-अपने बच्चों की गुमशुदगी की रिपोर्ट कोतवाली थाना में दर्ज कराई थी। तनिष्क मोदी के अनुसार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को विशाखापट्टनम के एक होटल से बरामद किया और 30 मई की रात लगभग 4 बजे बालाघाट लाकर कोतवाली थाना में रखा गया। इसके बाद 31 मई को दोनों के बयान दर्ज कराने के लिए उन्हें नगर पुलिस अधीक्षक कार्यालय ले जाया गया। तनिष्क का कहना है कि उनके साथ उनकी पत्नी दिव्या ज्योति, पिता विनोद मोदी, माता तथा अन्य परिजन भी कार्यालय पहुंचे थे। तनिष्क ने आरोप लगाया कि सीएसपी कार्यालय के अंदर पहुंचने के कुछ ही देर बाद युवती पक्ष के 10 से 15 लोग वहां पहुंचे और उन्होंने उनके परिवार पर हमला कर दिया। उनके अनुसार इस दौरान उनकी पत्नी एवं परिजनों के साथ मारपीट की गई तथा चाकू से हमला करने का भी प्रयास किया गया। तनिष्क का दावा है कि चाकू उन्हें नहीं लगा, लेकिन उनकी मां के सिर के पास से गुजर गया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में इस प्रकार की घटना होना बेहद गंभीर विषय है। तनिष्क मोदी और उनके पिता विनोद मोदी ने आरोप लगाया कि जब पुलिस कार्यालय के भीतर ही उनके साथ मारपीट की जा सकती है तो आम नागरिक आखिर कहां सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि दोनों बालिग हैं और अपनी इच्छा से विवाह कर चुके हैं, इसके बावजूद उनके साथ इस प्रकार का व्यवहार किया गया। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

युवती पक्ष ने आरोपों को बताया निराधार

युवती के पिता नीरज मोदी ने मीडिया से चर्चा करते हुए बताया कि उनकी बेटी कुछ समय पहले घर से चली गई थी, जिसके बाद पूरा परिवार परेशान था। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। पुलिस द्वारा बेटी को खोजकर वापस लाए जाने की जानकारी मिलने पर वे अपनी पत्नी और परिजनों के साथ उससे मिलने सीएसपी कार्यालय पहुंचे थे। नीरज मोदी के अनुसार उनकी पत्नी भावनात्मक रूप से अपनी बेटी को समझाने का प्रयास कर रही थीं। इसी दौरान तनिष्क की मां योगिता मोदी ने विवाद शुरू कर दिया और युवती की माँ को धक्का देकर गिरा दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि जब उनके परिजन बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो तनिष्क और उसके पिता ने भी विवाद बढ़ा दिया। इसी दौरान धक्का-मुक्की की स्थिति निर्मित हुई, जिसमें कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं। उन्होंने कहा कि उनके परिवार द्वारा किसी प्रकार की सुनियोजित मारपीट नहीं की गई। जो भी विवाद हुआ, वह अचानक उत्पन्न हुई परिस्थितियों के कारण हुआ।

सीएसपी कार्यालय के अंदर मारपीट होना कितना सही?

तनिष्क और उनके परिजनों ने पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि उन्हें नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी के समक्ष बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया गया था, लेकिन वहीं उनके साथ मारपीट की घटना हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की मौजूदगी में ऐसी घटनाएं होती हैं तो आम लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। तनिष्क ने यह भी आरोप लगाया कि उनकी पत्नी के परिजन प्रभावशाली हैं और उनके कुछ रिश्तेदार पुलिस विभाग में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। इसी प्रभाव के कारण उनके परिवार के साथ दुर्व्यवहार किया गया। उन्होंने मांग की कि घटना के समय उपस्थित पुलिसकर्मियों की भूमिका की भी जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

पुलिस करेगी मामले की जांच

इस पूरे मामले को लेकर जब नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त हुई है। मामले में शिकायतों और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अब देखना होगा कि प्रेम विवाह के बाद उत्पन्न हुए इस विवाद में पुलिस जांच के दौरान क्या तथ्य सामने आते हैं और दोनों पक्षों द्वारा लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई निकलकर सामने आती है।

वन्य प्राणियों के शिकार के लिए बिछाए गए करंटयुक्त तार की चपेट में आने से महिला की मौत

घास काटने जंगल गई थी महिला- खेत के चारों ओर लगाए गए विद्युत तार से हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रा गोसाई में वन्य प्राणियों के शिकार के उद्देश्य से खेत के चारों ओर लगाए गए करंटयुक्त तार की चपेट में आने से एक महिला शीला बाई पति सुखराम मर्सकोले 56 वर्ष की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने पर तिरोड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम गर्रा गोसाई निवासी शीला बाई मर्सकोले 56 वर्ष अपने परिवार के साथ खेती एवं मजदूरी का कार्य करती थीं। 31 मई की सुबह लगभग 8:30 बजे वह घर के मवेशियों के लिए घास काटने गांव के नारबोद टेकरा जंगल क्षेत्र की ओर गई थीं।काफी समय बीत जाने के बाद भी जब शीला बाई घर नहीं लौटीं तो दोपहर करीब 2 बजे उनके पति सुखराम मर्सकोले उन्हें तलाश ने जंगल की ओर पहुंचे। तलाश के दौरान उन्हें खेत के पास शीला बाई मृत अवस्था में मिलीं।बताया गया है कि जिस खेत के समीप महिला का शव मिला, वहां धान की फसल लगी हुई थी। खेत के चारों ओर जीआई तार को लकड़ी की खूंटियों के सहारे बांधकर लगाया गया था। जिसमें विद्युत करंट प्रवाहित किया जा रहा था। घास काटने के दौरान शीला बाई का संपर्क उक्त करंटयुक्त तार से हो गया।जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना पर तिरोड़ी थाना से सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने आवश्यक पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए कटंगी अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही करंटयुक्त तार लगाने वाले जिम्मेदार व्यक्ति की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

आवश्यकता है
कम्प्युटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल काली पुतली चौक, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट